सुविचार

मानस भवन में आर्यजन
जिसकी उतारें आरती, भगवान
भारतवर्ष में गूंजे हमारी भारती।
– मैथिलीशरण गुप्त

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Sunday, 04 May 2025 ● Year : 03 ● Issue : 108 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Sonakshi Sinha Celebrates 1...

जनता की सेवा के लिए समर्पित है राज्य सरकार का हर क्षण : हेमंत सोरेन

राज्य में वकीलों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना लॉन्च, लाभार्थी के साथ उनके आश्रित भी आएंगे इसके दायरे में

यह देश की पहली स्कीम, जिसमें झारखंड के लगभग 15 हजार सम्मानित अधिवक्ताओं को दिया जाएगा लाभ

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खेलगांव स्थित हरिवंश टाना भगत ऑडिटोरियम में राज्य के अधिवक्ताओं और उनके परिवारों के लिए विशेष स्वास्थ्य बीमा योजना का औपचारिक शुभारंभ किया। इस ऐतिहासिक पहल के तहत झारखंड हाईकोर्ट और राज्य के विभिन्न जिलों में प्रैक्टिस कर रहे लगभग 15 हजार वकीलों और उनके आश्रितों को इस योजना का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ताओं को अधिवक्ता स्वास्थ्य बीमा कार्ड भी वितरित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप लोगों के सहयोग एवं आशीर्वाद से इस राज्य को दिशा देने का अवसर हमें मिला है, इसके लिए मैं आप सभी के प्रति आभार प्रकट करता हूं। मैं आप लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि राज्य सरकार का हर एक क्षण, हर एक घड़ी इस राज्य की जनता की सेवा के लिए के लिए समर्पित है।

चिकित्सा से जुड़ी आर्थिक समस्याओं से राहत देने की दिशा में एक बड़ा कदम

उन्होंने कहा कि यह योजना राज्य के वकीलों को चिकित्सा से जुड़ी आर्थिक समस्याओं से राहत देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। झारखंड देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है, जहां अधिवक्ताओं और उनके परिवारों के लिए अलग से स्वास्थ्य बीमा योजना शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का हर एक क्षण, हर एक घड़ी जनता के लिए समर्पित है।

देश की बेहतरीन लॉ यूनिवर्सिटी करेंगे स्थापित

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज एक ऐतिहासिक दिन है। झारखंड के सम्मानित अधिवक्ताओं एवं उनके आश्रितों के लिए आज राज्य सरकार स्वास्थ्य बीमा योजना का शुभारंभ कर रही है। कहा कि आप सभी सम्मानित अधिवक्ताओं की चिंता को कम करने का सरकार ने कार्य किया है, आपके ऊपर स्वास्थ्य से संबंधित जिम्मेदारियों का जो बोझ था, उसे हमारी सरकार ने अपने कंधों पर लेने का प्रयास किया है। हमारा प्रयास है कि इस राज्य में देश की एक बेहतरीन लॉ यूनिवर्सिटी स्थापित हो।

सभी का सर्वांगीण विकास लक्ष्य

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार की चिंता राज्य के हर वर्ग, हर व्यक्ति के लिए है, चाहे वह गांव में रहता हो, शहर में रहता हो, अमीर हो, गरीब हो व्यापारी हो, नौजवान हो, छात्र-छात्राएं हो, बच्चे हो, बूढ़े-बुजुर्ग हो, सभी के लिए है। राज्य सरकार इनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रयास किया है, कि राज्य के प्रत्येक वर्ग, प्रत्येक समाज, प्रत्येक तबके के लोगों तक सरकार की आवाज एवं भावी योजनाएं पहुंचे।

SARAFA

सोना	:	8,930
चांदी	:	108.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

गोवा के शिरगांव में भगदड़ सात की मौत, 50 घायल

BICHOLIM : गोवा के शिरगांव में श्री लैराई जात्रा (यात्रा) के दौरान शुक्रवार रात मची भगदड़ में 7 लोगों की मौत हो गई। जानकारी शनिवार सुबह आई है। हादसे में 50 से ज्यादा लोग घायल हैं, जिनमें 20 गंभीर हैं। राहत-बचाव कार्य जारी है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। शुक्रवार शाम को बड़ी संख्या में श्रद्धालु जात्रा में शामिल होने मंदिर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक दुकान के सामने बिजली के तार से करंट लगने के बाद कुछ लोग गिर गए। तभी अफरा-तफरी हुई और भगदड़ मच गई। क्राउड मैनेजमेंट के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने की वजह से हादसा हुआ। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। श्री लैराई जात्रा नॉर्थ गोवा के बिचोलिम तालुका के शिरगांव गांव में आयोजित होने वाला हिंदू धार्मिक उत्सव है। जात्रा हर साल अप्रैल या मई में होती है। इसमें गोवा, महाराष्ट्र, और कर्नाटक से हजारों श्रद्धालु आते हैं। जात्रा 2 मई की शाम से 3 मई की सुबह तक आयोजित की गई थी। इसी दौरान हादसा हुआ।

सुरक्षा और जनता के हित को ध्यान में रखकर केंद्र ने किया बड़ा फैसला

पाकिस्तान से आने वाले सभी सामान पर भारत ने लगाई बैन

- सीधे या किसी अन्य रास्ते से कोई भी चीज लाने की इजाजत नहीं
- आर्थिक रणनीति और आतंक के खिलाफ सख्त संदेश देने के लिए उठाया गया कदम
- अब पाकिस्तानी बंदरगाहों पर भी नहीं जाएंगे भारतीय जहाज
- इस रोक से छूट के लिए भारत सरकार से परमिशन लेना जरूरी
- सभी श्रेणियों के डाक व पार्सल का आदान-प्रदान भी बंद

AGENCY NEW DELHI : 22 जनवरी को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद 3 मई को भारत ने पाकिस्तान से आने वाले सभी सामान के आयात (इंपोर्ट) पर बैन लगा दी है। अब पाकिस्तान से सीधे या किसी और रास्ते से कोई भी चीज भारत में नहीं लाई जा सकेगी। यह फैसला देश की सुरक्षा और जनता के हित में लिया गया है। यह नियम तुरंत लागू हो गया है। बंदरगाह और शिपिंग मिनिस्ट्री ने कहा कि भारतीय जहाज भी पाकिस्तानी बंदरगाहों पर नहीं जाएंगे। इस संबंध में सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। कहा गया है कि अगर किसी को इस रोक से छूट चाहिए, तो उसे पहले भारत सरकार से इजाजत लेनी होगी। इसके साथ ही सभी श्रेणियों के डाक और पार्सल का आदान-प्रदान शनिवार को बंद कर दिया। सेवाओं को बंद करने का आदेश डाक विभाग द्वारा जारी किया गया, जो संचार मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

आतंकवाद मानवता के लिए खतरा : पीएम मोदी

सरकार के इन फैसलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। हम आतंकवाद और उसका समर्थन करने वालों के खिलाफ कड़े कदम उठाना जारी रखेंगे। पीएम मोदी ने शनिवार को हैदराबाद हाउस में अंगोला के राष्ट्रपति लॉरेंको से मुलाकात के दौरान यह बातें कहीं। बयानबाजी के बीच पाकिस्तानी सेना लगातार एलओसी पर फायरिंग कर रही है। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, उरी और अखनूर इलाकों में पाकिस्तानी फौज ने लगातार 9वें दिन सीजफायर वॉयलेशन किया।

75 लोगों को किया गया अरेस्ट

पहलगाम के बायसरन घाटी में आतंकी हमले के केस में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 75 लोगों को पीएसए (पब्लिक सेफ्टी एक्ट) के तहत अरेस्ट किया है। इस बात की पुष्टि आईजी वी.के. बिरदी ने की है। पीएसए के अंतर्गत आरोपियों को 2 साल तक के लिए जेल में रखा जा सकता है।

एनआईए जांच का दायरा बढ़ा

एनआईए ने बायसरन घाटी में हुए आतंकी हमले की जांच के दायरे पहले से ज्यादा बढ़ा दिया है। सर्च ऑपरेशन को साउथ कश्मीर से आगे जम्मू के चेनाब और पीर पंजाल रेंज तक कर दिया है। इसमें पुंछ और राजौरी इलाके को भी शामिल किया गया है।

सेना को दिए जाएंगे नेक्स्ट जेनरेशन एयर डिफेंस सिस्टम

भारतीय सेना ने दुश्मन के ड्रोन, हेलीकॉप्टर और लड़ाकू विमानों को मार गिराने के लिए कंधे पर रखकर चलाए जाने वाले एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, यह सिस्टम मेक इन इंडिया के तहत खरीदे जाएंगे। सेना ने इस सिस्टम के लिए टेंडर जारी कर दिया है, जिसमें 48 लॉन्चर, 85 मिसाइलें और उससे जुड़ा जरूरी उपकरण शामिल है। इसका इस्तेमाल बेहद कम दूरी पर उड़ रहे दुश्मन के विमानों, हेलिकॉप्टरों और ड्रोन को निशाना बनाकर उन्हें हवा में ही नष्ट करने के लिए किया जाएगा।

पारसनाथ की पवित्रता बनाए रखने का झारखंड हाईकोर्ट ने दिया अंतरिम आदेश

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में दाखिल जनहित याचिका पर चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और न्यायमूर्ति दीपक रोशन की खंडपीठ में जैन धर्मावलंबियों के झारखंड में स्थित पवित्र स्थल पारसनाथ पहाड़ी को लेकर झारखंड सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने अंतरिम आदेश जारी करते हुए कहा कि पारसनाथ पवित्रता को बनाए रखें। इसे लेकर अदालत ने राज्य सरकार को 2019 की अधिसूचना और 2023 के कार्यालय ज्ञापन को लागू करने के लिए कहा है। बता दें कि 2023 के कार्यालय ज्ञापन में यह कहा गया था कि पारसनाथ पहाड़ी जैन समुदाय के लिए पवित्र स्थल है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता। यहां पर्यटन, शराब और मांसाहार भोजन पर प्रतिबंध लगाया जाए। सुनवाई के बाद दिए आदेश में हाई कोर्ट ने गिरिडीह एसपी को निर्देश दिया है कि वह पारसनाथ पहाड़ी पर होमगार्ड की संख्या बढ़ाएं। खंडपीठ ने गिरिडीह के डालसा सचिव को प्रार्थी और प्रतिवादियों को नोटिस जारी करने के बाद पारसनाथ पहाड़ी का दौरा करने का निर्देश दिया है। इसके पीछे का मकसद यह पता लगाना है कि पारसनाथ पहाड़ी पर स्कूल या आंगनबाड़ी मौजूद है या नहीं। क्या इस पर कोई खनन गतिविधि चल रही है। पारसनाथ पहाड़ी पर कितनी संरचनाएं बनाई गई हैं। अब इस मामले की सुनवाई 21 जुलाई को होगी।

- चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और न्यायमूर्ति दीपक रोशन की खंडपीठ में हुई सुनवाई
- अवैध निर्माण या खनन तो नहीं हुआ, कोर्ट ने जांच कर मांगी स्टेटस रिपोर्ट
- 2019 की अधिसूचना व 2023 के कार्यालय ज्ञापन को लागू करने को कहा गया

सुनवाई में इन्होंने रखा अपना-अपना पक्ष

याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डेरियस खंबाटा, वरिष्ठ अधिवक्ता पर्सिवल बिलिमोरिया के साथ-साथ अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, भाविक लालन, खुशबू कटारुका, विधि शाह और शुभम कटारुका ने पक्ष रखा। वहीं राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन, पीयूष चित्रेश आदि ने पैरवी की। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि पारसनाथ पहाड़ी को एक वाणिज्यिक पर्यटन स्थल के रूप में वे विकसित नहीं करना चाहते, बल्कि वे झारखंड पर्यटन नीति 2021 के अनुसार इसे धार्मिक तीर्थस्थल के रूप में विकसित करना चाहते हैं। राज्य ने आगे तर्क दिया कि उसका जैन समुदाय या किसी अन्य समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं है। होटल या रिसॉर्ट आदि जैसी व्यवसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर राजस्व बढ़ाने का भी उसका कोई इरादा नहीं है।

नौकरशाही

कायदे के फायदे

ब्रजेश मिश्र

झारखंड की नौकरशाही में इन दिनों सबसे बड़ी चर्चा केंद्र व राज्य के बीच मचे हालिया घमासान को लेकर है। एक तरफ केंद्र राज्य सरकार के फैसले पर सवाल उठा रहा है, दूसरी तरफ राज्य अपने निर्णय पर अड़ा है। क्या कुछ चल रहा अंदरखाने, जानें द फोटोन न्यूज के एग्जीक्यूटिव एडिटर की कलम से।

नौकरशाही वाले मुहल्ले में बड़ा शोर था। किसी बड़े महात्मा का प्रवचन चल रहा था। कथावाचक की बातों को लोग तन्मयता से सुन रहे थे। भक्त और भगवान के प्रेम-प्रसंग के बीच गुरु अचानक उठकर चल दिए। उन्हें जाता देख पीछे-पीछे हो लिया। थोड़ा आगे पहुंचकर कहीं पकड़ में आए। पूछा, ह्यकाहे गुरु! बीच से ही चल दिए ह्य कुछ परेशानी है का? चेहरे पर थोड़ा तनाव नजर आ रहा है। सुना है, कथा श्रवण करने से तो लोग तनावमुक्त होते हैं। आप तनावग्रस्त हुए जा रहे हैं। आखिर बात क्या है? गुरु ने कहा, मुझे कुछ जरूरी काम याद आ गया। लेकिन, तुम बताओ, तुम क्यों मेरे पीछे-पीछे हो लिए? सवाल हुआ था, सो जवाब देना जरूरी था। कहा- अरे गुरु! आध्यात्मिक ज्ञान ले लिया। सोचा, अब कुछ देश-दुनिया के बारे में भी जान लें।

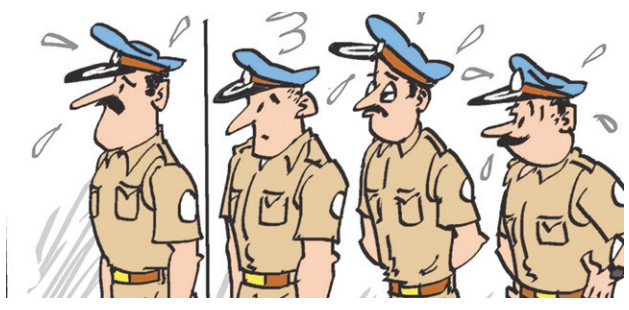

ईमानदारी से कहूं तो इसी लालच में पीछे-पीछे चला आया। उत्तर सुनकर गुरु की त्योरियां चढ़ गईं। बोले, मेरे पास बताने के लिए कुछ नहीं है। गुरु की नाराजगी साफ झलक रही थी। लिहाजा सहज करना जरूरी था। पूछा- गुरु कोई गलती हुई है क्या। गुरु बोले- नहीं कोई गलती नहीं हुई है। हकीकत यही है कि लोगों का आपसी प्रेम तुम खबरनवीस लोगों से देखा नहीं जाता। दो लोग कुछ नजदीक क्या आए, तुम लोग टांग खींचने लगते हो। कभी इन चीजों से अलग होकर अपने लिए भी समय निकाल लिया करो। सुना तो होगा ही, प्रवचन में कथावाचक क्या कह रहे थे ? जवाब दिया-हां गुरु सुना तो है। अनुराग-वैराग्य, राग-द्वेष की अधिकता खुद को ही नुकसान पहुंचाती है। गुरु बोले ,फिर? क्यों तुमलोग सियासत के इतने अंदर तक घुस जाते हो कि नौकरशाह चिढ़ जाते हैं। करने दो उन्हें, जो वह करना चाहते हैं। तुम अपना काम करो। गुरु का संकेत साफ था, लेकिन अर्थ स्पष्ट करने के लिए कुछ और सहज व्याख्या की जरूरत थी। सो पूछा, गुरु! कहीं आपका इशारा खाकी वर्दी वाले साहब को लेकर केंद्र और राज्य के बीच चल रही मौजूदा खींचतान की तरफ तो नहीं। गुरु बोले- बिल्कुल सही पकड़े हो? हकीकत जितनी जल्दी समझ जाओ, उतना बेहतर है। हमारे दादाजी कहा करते थे, नियम तो बनाए ही जाते हैं तोड़ने के लिए। सो, तोड़े जा रहे हैं। कुर्सी की माया ही कुछ ऐसी है। एक बार लग गई तो फिर छुड़ाए नहीं छूटती। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि नियम-कायदे क्या कहते हैं? फर्क इससे पड़ता है कि हाकिम हुक्मरान क्या चाहते हैं।

खुजली वाला पाउडर डालकर तीन लाख रुपये की छिनतई

RANCHI : शनिवार को खुजली वाला पाउडर डालकर तीन लाख रुपये की छिनतई करने का मामला सामने आया। यह घटना अरगोड़ा थाना क्षेत्र के सहजानंद चौक के पास हुई है। जहां मनोरंजन मनीष नाम के कारोबारी से करीब तीन लाख रुपये की छिनतई कर ली गई। अपराधियों ने खुजली वाला पाउडर डालकर इस घटना को अंजाम दिया। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। कारोबारी मनोरंजन मनीष ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया कि शनिवार को वे अपने एक दोस्त के साथ कचहरी स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया गए थे। एक शख्स को पेमेंट करने के किए मनीष ने बैंक से तीन लाख रुपये निकाले फिर अपने बैग में डालकर बैंक से निकल गए। बैंक से निकलते ही उनके पूरे शरीर में खुजली होने लगी। बेतहाशा खुजली के चलते मनीष रास्ते में एक दवा दुकान में रुके और वहां से दवाई ली। इसके बाद मनीष अपने दोस्त के साथ निकल गए। इसी बीच वे लोग अरगोड़ा थाना क्षेत्र के सहजानंद चौक के पास रुके, तभी अचनाक एक बाइक पर सवार दो उचक्कों ने झपट्टा मारकर उनका बैग छीन लिया। इसके बाद दोनों मौके से फरार हो गए। अरगोड़ा थाना प्रभारी आलोक कुमार ने बताया कि दो बाइक सवार अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है।

सेहत की समस्या समय पर पहचान और कारगर ट्रीटमेंट से बढ़ती है जीने की संभावना

इलाज के बाद भी माउथ कैंसर के मरीजों को नहीं मिल पाती लंबी जिंदगी

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : कैंसर आज भी मेडिकल साइंस के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। इस बीमारी के इलाज को लेकर दुनिया में लगातार नए रिसर्च हो रहे हैं। इलाज की नई-नई विधियां तलाशी जा रही हैं। समय पर पहचान और प्रॉपर इलाज से लोगों का जीवन बचाया भी जा रहा है, फिर भी इसके इलाज पर आने वाला खर्च गरीब मरीजों के लिए सबसे बड़ी कठिनाई है। विभिन्न प्रकार के कैंसर के मामलों में भारत में 30 प्रतिशत मामले माउथ कैंसर के होते हैं। हाल में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के एक खास अध्ययन में यह खुलासा हुआ है कि मुंह के कैंसर के 63 फीसद मरीज इलाज के बाद पांच साल भी नहीं जी पाते। जामा नेटवर्क मेडिकल जर्नल में सभी परिस्थितियों का व्यापक विश्लेषण करते हुए विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित हुई है। अध्ययन के मुताबिक, भारत में मौखिक कैंसर से पीड़ित मरीजों में से 37 फीसद ही इलाज खत्म करने के पांच साल तक जीवित रह पा रहे हैं। 10 राज्यों के करीब 14 हजार से ज्यादा मरीजों पर हुए इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने साफ तौर पर कहा है कि प्रारंभिक पहचान और समय पर इलाज लेने से मरीजों के ज्यादा जीने की संभावना मजबूत हो सकती है।

63 प्रतिशत रोगी इलाज से ठीक होकर भी नहीं जी पाते पांच साल से अधिक

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के एक खास अध्ययन में हुआ खुलासा

- जामा नेटवर्क मेडिकल जर्नल में परिस्थितियों का किया गया है व्यापक विश्लेषण
- देश में 10 राज्यों के करीब 14 हजार से ज्यादा मरीजों पर की गई बारीक स्टडी

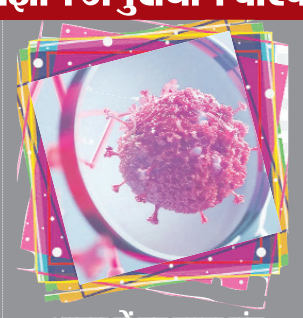

भारत में हर साल मुंह के कैंसर से जुड़े करीब 77 हजार नए मामले आते हैं सामने

- इलाज के बावजूद हर साल लगभग 52 हजार मरीजों की हो जाती है मौत
- धूम्रपान या चबाकर तंबाकू उत्पादों का इस्तेमाल व शराब का सेवन बड़ा कारण

मुंह की स्वच्छता बनाए रखना जरूरी

विशेषज्ञ बताते हैं कि धूम्रपान या फिर चबाकर तंबाकू उत्पादों का इस्तेमाल और शराब का सेवन इसके प्रमुख कारक हैं। समय पर इलाज से इससे मृत्यु की आशंका को कम किया जा सकता है। आईसीएमआर के मुताबिक, धूम्रपान और शराब के सेवन से बचने के साथ साथ लोगों को अपने होठों को भी धूप से बचाना चाहिए। मुंह की स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए। अगर मुंह में किसी भी तरह के छाले या जख्म की शिकायत है तो डॉक्टर को जरूर दिखाना चाहिए।

चीफ सेक्रेटरी ने गृह मंत्रालय को भेजी रिपोर्ट

डीजीपी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति उचित : सीएस

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्य सचिव अलका तिवारी की ओर से झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता की सेवानिवृत्ति के मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय को एक रिपोर्ट भेजी गई है। इस रिपोर्ट में डीजीपी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति को उचित बताया गया है। इसे लेकर रिपोर्ट में कहा गया है कि डीजीपी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति कैबिनेट में लिए गए निर्णय और गठित समिति की अनुशंसा पर की गई थी।

गृह मंत्रालय ने भेजा था लेटर : रिपोर्ट के माध्यम से केंद्रीय गृह मंत्रालय को पूरे मामले की बिंदुवार जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि झारखंड डीजीपी के पद पर अनुराग गुप्ता की नियुक्ति सही है। यही वजह है कि उन्हें 30 अप्रैल से रिटायर करने पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

- कैबिनेट में लिए गए निर्णय और गठित समिति की अनुशंसा पर हुई थी डीजीपी की नियुक्ति

मंडावा : हवेलियों में बसा इतिहास व कला का खजाना

घुमक्कड़ की पाती

सबसे पहले मेरी यात्रा मुरमुरिया हवेली पहुंची जो अपनी राजनीतिक और ऐतिहासिक भित्ति चित्रों के लिए जानी जाती है। यहां आपको पेंटिंग्स में पंडित नेहरू घोड़े पर सवार दिखेंगे और पश्चिमी तकनीकों के कई चित्र भी मिलते हैं। यह हवेली 1930 के दशक में बनाई गई थी और इसकी पेंटिंग्स में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की झलक भी दिखती है। इसके बाद मैं गोयनका हवेली पहुंचा। यह हवेली 18वीं सदी के अंत में बनाई गई थी और आज भी यहां के भित्ति चित्र जीवंत लगते हैं। हवेली में रामायण और महाभारत के प्रसंगों के अलावा शाही जीवनशैली और व्यापारिक कारवां के दृश्य भी दिखते हैं।

मेरी ज्यादातर यात्राएं अनियोजित होती हैं। यह यात्रा भी बिलकुल ही अनियोजित थी। हां, इतना जरूर सुन रखा था कि मांडवा एक ऐतिहासिक नगर है, जो अपनी भव्य हवेलियों और उत्कृष्ट भित्ति चित्रों के लिए प्रसिद्ध है। इसे ओपन आर्ट गैलरी भी कहा जाता है, क्योंकि यहां की हर गली कला और विरासत से सजी है। मंडावा की हवेलियां न केवल स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण हैं, बल्कि ये व्यापारिक समृद्धि और सांस्कृतिक मेल-जोल की झलक भी देती हैं। यहाँ ऊँट सफारी, लोकनृत्य, और पारंपरिक राजस्थानी व्यंजन भी आकर्षण के केंद्र हैं।

इतना कुछ सुनने के बाद भला इस जगह पर कौन नहीं जाना चाहेगा। मैं भी इस जगह पर जाना चाहता था और मौका मिलते ही दिल्ली की भीड़-भाड़ से कुछ सुकून के पल पाने के लिए मैंने मंडावा की ओर रुख कर दिया। मंडावा, शेखावाटी क्षेत्र का एक ऐतिहासिक कस्बा, अपनी हवेलियों और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। दिल्ली से करीब 260 किलोमीटर का सफर तय कर जैसे ही मंडावा पहुंचा तो लगा मानो समय की कई सदी पुरानी परतों में दाखिल हो गया हूं। यहां की हवेलियां न सिर्फ वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण हैं, बल्कि राजस्थान की सामाजिक और व्यापारिक समृद्धि की कहानी भी कहती हैं।

सबसे पहले मेरी यात्रा मुरमुरिया हवेली पहुंची जो अपनी राजनीतिक और ऐतिहासिक भित्ति चित्रों के लिए जानी जाती है। यहां आपको पेंटिंग्स में पंडित नेहरू घोड़े पर सवार दिखेंगे और पश्चिमी तकनीकों के कई चित्र भी मिलते हैं। यह हवेली 1930 के दशक में बनाई गई थी और इसकी पेंटिंग्स में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की झलक भी दिखती है। इसके बाद मैं गोयनका हवेली पहुंचा। यह हवेली 18वीं सदी के अंत में बनाई गई थी और आज भी यहां के भित्ति चित्र जीवंत लगते हैं। हवेली में रामायण और महाभारत के प्रसंगों के अलावा शाही जीवनशैली और व्यापारिक कारवां के दृश्य भी दिखते हैं। इसकी दीवारों पर रंगों की विविधता और बारीकी से किया गया काम इसे मंडावा की सबसे फोटोजेनिक हवेलियों में से एक बनाता है।

सर्राफ हवेली भी एक प्रमुख आकर्षण रही। यह हवेली दो खंडों में विभाजित है और इसे 1900 के दशक में बनाया गया था। यहां की भित्तियों में ग्रामीण जीवन और विदेशी यात्रियों के चित्र बड़ी सहजता से दर्शाए गए हैं। सर्राफ हवेली की छत से मंडावा का विहंगम दृश्य देखना एक अलग ही अनुभव था। मैंने हनुमान प्रसाद गोयनका हवेली का भी दौरा किया, जो अपने अद्वितीय फ्रेंको-राजस्थानी मिश्रित वास्तुशिल्प के लिए प्रसिद्ध है। यहां की दीवारों पर भगवान शिव की सवारी- नंदी बैल और भगवान इंद्र हाथी पर सवार नजर आते हैं। यह हवेली मंडावा की पारंपरिक धार्मिक और सांस्कृतिक जड़ों की झलक देती है। झुनझुनवाला हवेली ने भी मुझे खूब आकर्षित किया। यहां की दीवारों पर मोटर कार, फोन और ग्रामोफोन जैसे उस समय के नए अविष्कारों के चित्र दिखे, जो यह बताते हैं कि मंडावा के व्यापारी वर्ग ने आधुनिकता को कैसे अपनाया।

कई हवेलियों की दीवारों पर यूरोपियन और मुगल कला का अद्भुत मेल दिखा। खास बात यह थी कि यहां के भित्ति चित्रों में केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि उस दौर के तकनीकी आविष्कार जैसे रेलगाड़ी, साइकिल और ग्रामोफोन के चित्र भी उकेरे गए हैं, जो बताता है कि मंडावा के व्यापारी कितनी आधुनिक सोच रखते थे। मूर्ति देवी सर्राफ हवेली में रंग-बिरंगे शीशों का काम और जटिल लकड़ी की नक्काशी मंत्रमुग्ध कर देने वाली थी। यहां के प्रांगण में बैठकर मैंने स्थानीय गाइड से सुना कि कैसे मंडावा के सेठों ने अपनी संपन्नता को कला के जरिए अमर कर दिया।

मंडावा की ओर बढ़ते हुए मेरे मन में सिर्फ हवेलियों की छवि थी, लेकिन यहां पहुंचकर यह कस्बा मुझे हर मोड़ पर चौंकाता गया। मंडावा सिर्फ चित्रित हवेलियों का शहर नहीं है, बल्कि यह राजस्थान के सांस्कृतिक वैभव और व्यापारिक इतिहास का एक शानदार संगम है।

एक और अनोखा अनुभव था, मंडावा के खुले मैदान में आयोजित होने वाला लोकनृत्य और कठपुतली शो। यहां पर्यटकों के लिए हर शाम पारंपरिक संगीत और नृत्य का आयोजन किया जाता है, जो मंडावा की आत्मा को महसूस करने का असली जरिया है। मुझे सबसे ज्यादा आकर्षित किया मांडवा की स्थानीय जीवनशैली ने। छोटे-छोटे कैफे में बैठकर गर्मा-गर्म केसर वाली चाय पीना और ग्रामीणों के साथ बातचीत करना भी इस यात्रा का अहम हिस्सा रहा। मंडावा में पर्यटकों के लिए ऊंट सफारी की भी सुविधा है जो आसपास के गांवों और मरुस्थलीय इलाकों की झलक दिखाती है।

मंडावा की दीवारें सिर्फ चित्र नहीं हैं। वे समय की परतों को समेटे हुए कहानियां हैं। हर हवेली, हर गली यहां इतिहास की गवाही देती है। मंडावा का जादू इसकी विरासत, कला और यहां के लोगों की मेहमाननवाजी में बसता है जो हर यात्रा को खास बना देता है।

मंडावा के किले को भी देखना अनिवार्य था। 18वीं सदी में बना यह किला अब एक शानदार हेरिटेज होटल में तब्दील हो चुका है। इसकी दीवारों पर भी भित्ति चित्र और मीनाकारी का सुंदर काम देखने को मिला। यहां से पूरा मंडावा कस्बा बड़ा ही सुंदर नजर आता है। इन भव्य हवेलियों और किलों के अलावा मंडावा की गलियों में घूमना भी अपने आप में एक आनंददायक अनुभव था। छोटी-छोटी दुकानों में बिकती हस्तशिल्प की वस्तुएं, रंगीन कांच की चूड़ियां और पारंपरिक राजस्थानी परिधान पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

मंडावा की हवेलियों में सबसे खास बात यह है कि हर चित्र और हर नक्काशी के पीछे एक कहानी छिपी होती है। ये हवेलियां न केवल कला का संग्रहालय हैं, बल्कि शेखावाटी क्षेत्र के व्यापारिक और सामाजिक इतिहास को भी जीवंत रूप में पेश करती हैं। जब शाम को हवेलियों पर सूरज की आखिरी किरणें पड़ीं तो उनकी दीवारें सुनहरी रोशनी में चमक उठीं। मंडावा की हवाएं एक अजीब सी शांति लिए थीं, जैसे सदियों पुरानी कहानियों को अपने साथ बहा रही हों।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

ठहरने के लिए कई विकल्प

मंडावा में ठहरने के लिए कई शानदार विकल्प उपलब्ध हैं, जो यहां की ऐतिहासिक विरासत और आधुनिक सुविधाओं का सुंदर मेल प्रस्तुत करते हैं। मंडावा कैसल सबसे प्रसिद्ध होटल है, जो एक ऐतिहासिक किले में बना है और मेहमानों को राजसी अनुभव प्रदान करता है। इसके अलावा विवाना हवेली, होटल श्रद्धा और डेजर्ट एन रिसॉर्ट जैसे विकल्प भी हैं, जो पारंपरिक राजस्थानी शैली में सजे हैं और आरामदायक ठहराव का अनुभव कराते हैं। बजट ट्रैवलर्स के लिए गेस्ट हाउस और होमस्टे भी आसानी से उपलब्ध हैं।

दाल-बाटी-चूरमा सर्वाधिक लोकप्रिय व्यंजन

खाने-पीने के लिए मंडावा में पारंपरिक राजस्थानी भोजन प्रमुख आकर्षण है। यहां के रेस्तरां और होटल्स में दाल-बाटी-चूरमा, गट्टे की सब्जी, केर-सांगरी और लाल मांस जैसे स्थानीय व्यंजन मिलते हैं। मंडावा कैसल और विवाना हवेली जैसे होटल शानदार डाइनिंग अनुभव प्रदान करते हैं वहीं स्थानीय ढाबों पर भी स्वादिष्ट देसी खाने का आनंद लिया जा सकता है। मंडावा का शांत वातावरण और पारंपरिक आतिथ्य इसे एक यादगार ठहराव बनाते हैं। दिल्ली लौटते समय मैं सोच रहा था कि मंडावा की यह यात्रा मेरे जीवन की उन यात्राओं में शामिल हो गई है, जिन्होंने न सिर्फ नई जगह दिखाई, बल्कि मुझे हमारी समृद्ध विरासत के करीब भी पहुँचाया। मंडावा सच में राजस्थान का एक अनमोल खजाना है, यह कला, इतिहास और संस्कृति का अनोखा संगम है।

कविता

राघवेश त्रिपाठी
महराजगंज
उत्तर प्रदेश

बरस जाना

बरस जाना
जब भारी हो मन
द्रवित हो हृदय
रुंधा हो गला
भरी भरी हो आँखें
बादल बन
समर्पित हो जाना
अपने धरती पर

बिखेर देना
अपनी सत्ता
अपना अभिमान
अपना अहम
अपनी कठोरता
अपनी कुंठा
बीज बनकर
धरती पर

प्रेम की ऊष्मा पर
भरोसा रखो
जीवन की जिजीविषा
जो बीज में है
भाव की तरलता
जो जल में है
वसुधा की ममता
जो उसकी कोख में है
इन सब की साधना में
इत्मीनान रखो

ये बादल,धरती,बारिश
फूलों से भौरों की
गुजारिश
नदियों की पवन से
जुंबिश
इन सब की आराधना
करो!

ये पेड़ ये पंक्षी ये गईया
घर के आंगन में राह
देखती मइया
दहलीज के भीतर
बच्चों की ता ता थैया
मानवता की रक्षा के
लिए
इन सब के वाहक बनो!

मानव तुम प्रकृति को
बचाने नहीं
अपने बचे रह जाने की
कामना करो!!

कहानी ■ अंतिम भाग

सोच

'दरअसल यह जो तुम्हारी तरह सोच रखने वाली नस्ल है, इसका यही चरित्र है कि यह देश को देश नहीं बाजार मानता है और अपने माता-पिता को जन्म देने वाली मशीन मानता है, घर को घर नहीं होटल मानता है। जब मन आए, चेकआउट कर लो। दरअसल, तुम्हारे नस्ल की यह जो सोच है, वह किस परिवार, स्कूल या कॉलेज की देन है?'

आर रवि कांत मिश्र
जमशेदपुर
KRAVIMISHRA@GMAIL.COM

अपशब्दों का उपयोग करना, नारी शक्ति को अपमानित करना। निम्न से निम्न सोच को विकसित करना। अश्लीलता को महत्व देना और अश्लीलता को भारतीय जीवनशैली का हिस्सा बनाने का प्रयत्न करना। यह माफी भी इसलिए मांग रहा है कि इसका काम ठप पड़ गया है। यह पहला इंसान है, जो अपशब्द कह कर अपनी गलती का अहसास कर रहा है। इसको अपने माता-पिता भाई-बहन के सम्मान का कोई ध्यान नहीं रहा है। इससे प्रश्न है कि क्या रणभटियारे ने ब्लैक कॉमेडी के मंच पर जान-बूझ कर वो शब्द कहे, जिससे वह और वायरल हो जाए और यही हुआ। जो लोग रणभटियारे को जानते नहीं थे, वह भी जान गए। इसे लगता है कि वायरल होना है तो एक ही उपाय है, इस देश की आस्था, संस्कृति, धर्म, एकता पर हमला कर दो। लोग आप पर ध्यान देंगे, मीडिया आप पर फोकस करेगी। यह जो सब कुछ हो रहा है, वह आपकी सोच है। यह सोच हमें कहां ले जा रही है? आज इस सोच का कोर्ट-मार्शल करेंगे। इतना बोल कर वह चुप हो गई। विवेक, दादा भाई की तरफ देखता हैं। दादा भाई इशारे से कहते हैं कि रणभटियारे की पट्टी खोल दो, ताकि वो देख सके और बोल सके। विवेक उसकी पट्टी खोल देता है। वह अब देख सकता है और बोल भी सकता है। सामने चार अजनबी को देख कर पुछता है - तुम लोग कौन हो और मुझे यहां लाने का मकसद क्या है?

अबे इतनी बातें हो गईं और तू सवाल कर रहा है कि तुम्हें यहां लाने का मकसद क्या है? पाब्लो गुस्से में बोला। देखिए, मैंने जान-बूझ कर कुछ नहीं किया है, यह सब बातों-बातों में हो गया।

इस बात पर विवेक जोर से हंसता है और हंसते हुए बोलता है -वाह! सब कुछ बातों-बातों में सिर्फ भारत में ही होता है किसी दूसरी कंट्री में जा और बातों- बातों में अपनी बातें कह कर देख क्या होता है? इस सोमवार को बोलेगा तो अगले सोमवार तक फिर बोलने के लायक नहीं रहेगा। जीवन भर गूंगा बन कर भटकता रहेगा।

मुझसे गलती हुई है, मैं मानता हूं। रणभटियारे अफसोस जताते हुए बोला।

देख, तूने जो भी बोला उसे अपने मां-बाप को बोल के दिखा। अपनी बहन को बोल कर दिखा। दादा भाई बोले। नेहा तुरंत फोन लगाती है रणभटियारे के पापा को, दो पल बाद कंप्यूटर स्क्रीन पर उसके माता-पिता दिखाई देते हैं, जो रणभटियारे को देख कर भावुक हो जाते हैं, पर अपने आप को संभालते हैं। नेहा बोलती है, आपका बेटा वही सब कुछ आपसे बोलना चाहता है, जो उसने कॉमेडी शो में बोला था। यह सुन कर माता-पिता दोनों अपना सिर झुका लेते हैं। इधर रणभटियारे भी अपना सिर झुका लेता है। दादा भाई यह देख बोलते हैं -बहुत आसान है ऐसी नीच बातें देश के लोगों से कहना, क्योंकि देश के लोग तुम्हारे लिए सिर्फ दर्शक हैं, पर उसी देश में तुम्हारे माता-पिता भी रहते हैं, तुम्हारे भाई-बहन और बच्चे भी रहते हैं। तुम यह क्यों भूल जाते हो कि तुम्हारे माता-पिता को कितनी शर्मिंदगी उठानी पड़ रही है। आज तुम वह नहीं बोल पाओगे, जो उस दिन तुमने कहा था। बोलो एक बार वही... क्या बोल सकते हो अपने माता-पिता के सामने। अपने माता-पिता के अंतरंग पलों को, जो तुमने कॉमेडी के नाम भरी सभा में मंच पर हंसते हुए बोला था। एक बार फिर बोलो ना अपने माता-पिता के सामने वही सब कुछ... इस बात पर सन्नाटा छा गया। माता-पिता अपना सिर झुकाए खड़े थे। उनका बेटा उनके सामने सिर झुकाए खड़ा था। दो पल तक कोई कुछ नहीं बोल पाया। नेहा ने फोन काट दिया। विवेक बोले- तुम्हारी सोच क्या है? इस सोच की जमात को तुम फैला रहे हो। एक ऐसे समाज को फैला रहे हो, जो नंगा होने को तैयार है, नंगापन देखने को तैयार है अपनी मां, बहन, बेटी की गाली सुनने और देने को सहज रूप से तैयार है। बता सकते हो, यह नस्ल इस देश से चाहता क्या है ? मनोरंजन के नाम पर अपने माता-पिता का चीरहरण कर अपने को कहां स्थापित करना चाहता है? क्या पाना चाहता है? यह सच है कि इस समाज में सबसे अधिक नंगापन बिकता है, सेक्स बिकता है, गाली और अश्लीलता बिकती है। क्या यह नस्ल अपने को वायरल करने के लिए अपनी जड़ों का चीरहरण नहीं कर रही है?

मैं अकेला दोषी नहीं हूं... रणभटियारे ने दबी जबान से कहा।

इस पर पाब्लो चीखा - सब यही सोचता है कि वह अकेला दोषी नहीं है, पर वह दोषी तो है? उस सोच के साथ सहज रूप से खड़ा है, जो इसे अपराध नहीं मानता है और तुम्हें भी निर्दोष मानता है। पर, तुम लोग जो इस तरह की सोच को पालते- पोसते हो, समाज के सामने परोसते हो, उससे आगे कौन ले जाएगा?

मुझे नहीं मालुम। रणभटियारे फिर दबी जुबान से बोला।

तुम्हारी आने वाली नस्ल तुम्हारे इस सोच को आगे ले जाएगी। तुम्हारी औलाद तुम्हारी सोच को आगे ले जाएगी और एक दिन तुम अपने माता-पिता के स्थान पर खड़े रहोगे और अपनी संतान का तमाशा देख रहें होगे। हो सकता है कि तुम जो बोल रहे हो, वह मंच पर वही सब कुछ करेंगे जो आज तुम बोल रहे हो। तब तुम लोग अपना चेहरा छिपाओगे या गर्व से अपने विकसित सोच को एंजॉय करोगे? जो तुम आज इस समय में बो रहे हो?

हां हम अंधे हो गए हैं और हम सभी जल्दी में हैं, हम सब कुछ बहुत जल्द पाना चाहते हैं। हमें नेम, फेम, मनी सब कुछ बहुत जल्दी चाहिए। हम अमिताभ बच्चन, लता मंगेशकर, सचिन तेंदुलकर नहीं होना चाहते, पर हमें नेम फेम मनी इनसे भी अधिक चाहिए।

ओ तो डिजर्व नहीं करते हो, पर डिजायर पुरा करने के लिए कुछ भी कर सकते हो। वायरल होने के लिए स्क्रीन पर नंगा हो रहे हो। दरअसल यह जो तुम्हारी तरह सोच रखने वाली नस्ल है, इसका कोई चरित्र है ही नहीं। यह देश को देश नहीं बाजार मानता है और अपने माता-पिता को जन्म देने वाली मशीन मानता है और अपने घर को होटल मानता है। जब मन आए चेकआउट कर लो। दरअसल तुम्हारी नस्ल की यह जो सोच है, वह किस परिवार, स्कूल, कॉलेज की देन है या फिर किस समाज की देन है।

रणभटियारे की सोच हवा में बिना पैराशूट के नीचे गिरने लगी। वह उसी तरह चुप हो गया था, जिस तरह सांप सूंघ लेने के बाद इंसान चुप हो जाता है।

नेहा, दादा भाई से कहती है- दादा भाई इस वीडियो को लाइव कर दूं क्या?

दादा भाई कुछ बोलते, इससे पहले रणभटियारे डर कर बोल पड़ा- नहीं ऐसा मत करो। जीते जी मुझे बरबाद मत करो। लोग मुझे ब्लॉक कर रहे हैं, मेरे यूट्यूब के सारे चैनल बंद हो जाएंगे।

पर हमारा चैनल तो वायरल हो जाएगा, विवेक हंसते हुए बोला। लाखों-करोड़ों के फायदे हो जाएंगे। लाखों-करोड़ों मैं आपको दे दूंगा। आप इस वीडियो को वायरल ना करें। इस पर दादा भाई बोले -हम तुम्हें नहीं मारना चाहते, पर हम तुम्हारी सोच को मारना चाहते हैं और तुम्हारे जैसी सोच रखने वाले इंसान की सोच को मारना चाहते हैं। यह वीडियो वायरल होना चाहिए, ताकि भारत के लोगों की ताकत दुनिया को पता चले कि हम दुशासन और रावण को कभी अपना नायक नहीं मान सकते और तुम्हारी सोच ने इस काल में अपने माता-पिता के साथ संसार के हर माता-पिता का चीरहरण किया है। उनके चरित्र का अपहरण कर लिया है। तुम दुशासन की सोच रखने वाले नस्ल हो इसलिए तुम हमारे नायक नहीं हो सकते, हमेशा खलनायक ही रहोगे। इस वीडियो को वायरल कर दो... इस तरह की सोच की हत्या इस समय की मांग है। इस सोच को ब्लाक करो, बेहतर भविष्य के लिए इसकी सोच को ब्लाक करो, यह सुन रणभटियारे शॉक हो गया। वह सोचने लगा कि जिस समाज ने उसे उसकी सोच को महत्व दिया था, आज वही समाज उसे और उसकी सोच को ठोकर मार रहा है। सार्थक इमेज बनाने में पूरी जिन्दगी लग जाती है, पर उसे मिटने में एक पल भी नहीं लगता है।

BRIEF NEWS

संत थॉमस के उमर हसन को आईसीएसई 10वीं में मिले 97 % से अंक

RANCHI : संत थॉमस स्कूल धुर्वा के विद्यार्थी उमर हसन को आईसीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में 97.2% अंक हासिल हुए हैं। शीर्ष अंक प्राप्त करने वाले पांच विद्यार्थियों में वह शामिल हैं। वह रांची विक्रांत चौक के संतुष्टि अपार्टमेंट निवासी डॉक्टर ऐरार हसन और शम्मा परवीन (गृहिणी) के पुत्र हैं। ज्ञात हो कि संत थॉमस स्कूल धुर्वा के विद्यार्थियों ने 10वीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 99.2% अंक लेकर अभिषेक कुमार और ओजस्विनी अग्रवाल ने स्कूल टॉप किया। परीक्षा में इस बार 294 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। इसमें 42 विद्यार्थियों ने 95% से अधिक अंक प्राप्त किए।

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के जन्मदिन पर भाजपा ने पहाड़ी मंदिर में की विशेष पूजा

RANCHI : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के जन्मदिन के अवसर पर प्रदेश भाजपा की ओर से रांची के प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुजारी मुन्ना भारद्वाज ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान भोलेनाथ की पूजा करायी और रघुवर दास के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की कामना की गई। मौके पर भाजपा नेता संजय जायसवाल ने पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार पर छोटे बच्चों के साथ केक काटा। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंद लोगों के बीच फल, मिठाई और बिस्कुट वितरित किये। इसके अलावा, उन्होंने बच्चों के बीच कॉपी, पेंसिल, फल और बिस्कुट भी बांटे। साथ ही, जरूरतमंद महिलाओं के बीच साड़ी का वितरण किया।

अरगड्डा जल शोधन संयंत्र का नवीनीकरण कार्य पूरा, शुद्ध पेयजल की होगी आपूर्ति

RANCHI : अरगड्डा क्षेत्र में स्थित जल शोधन संयंत्र का व्यापक नवीनीकरण कार्य पूरा कर लिया गया है और यह अब पुनः पूर्ण क्षमता के साथ कार्यरत हो गया है। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) द्वारा संचालित यह संयंत्र 1.0 मिलियन गैलन प्रतिदिन की क्षमता वाला है, जिसे 1992 में स्थापित किया गया था। पहली बार इतने बड़े स्तर पर इस संयंत्र का पुनरुद्धार किया गया है। इस परियोजना का मार्गदर्शन सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एनके सिंह और निदेशक (मानव संसाधन) एचएन मिश्रा ने किया। संयंत्र के नवीनीकरण की जिम्मेदारी मेकॉन को दी गई, जिसने फिल्टर बेड, एरेटर, क्लैरिफ्लोक्युलेटर और पंपों को आधुनिक स्वरूप में पुनः स्थापित किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (असैनिक/कल्याण एवं सेवाएं) राजेश मोहन सहित कई अधिकारी, कर्मचारी, ट्रेड यूनियन प्रतिनिधि और कल्याण बोर्ड सदस्य उपस्थित थे।

रिम्स और सदर हॉस्पिटल में उपलब्ध हैं केवल लिमिटेड कंपोनेंट्स

राजधानी में सरकारी अस्पतालों के ब्लड बैंक में खून की भारी किल्लत

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची के सरकारी अस्पतालों में इन दिनों खून की भारी किल्लत देखने को मिल रही है। खासकर रिम्स और सदर अस्पताल जैसे प्रमुख केंद्रों में होल ब्लड की उपलब्धता न के बराबर है। मरीजों को केवल खून के कंपोनेंट्स जैसे प्लाज्मा, प्लेटलेट्स या रेड ब्लड सेल्स ही मिल पा रहे हैं। वह भी लिमिट। लेकिन, जिन मरीजों को आपात स्थिति में ब्लड की जरूरत होती है, उनके लिए यह स्थिति जानलेवा साबित हो सकती है। हालांकि इमरजेंसी के लिए कुछ यूनिट इन ब्लड बैंकों में रखे गए हैं। लेकिन, वह भी मरीजों के लिए नाकाफी साबित हो रहा है।

- होल ब्लड की उपलब्धता न के बराबर
- निगेटिव ग्रुप का भी नहीं मिल रहा रक्त
- बिना डोनर के खून मिलना हो रहा मुश्किल
- अपील के बाद भी लोग नहीं कर रहे डोनेट

ब्लड का स्टॉक लगभग खत्म

रिम्स के ब्लड बैंक के स्टाफ का कहना है ब्लड का स्टॉक लगभग खत्म है। हम केवल कंपोनेंट्स उपलब्ध करा पा रहे हैं। इसके अलावा खून तभी दिया जा रहा है, जब मरीज के साथ कोई डोनर खून देने आता है। संकट को देखते हुए बार-बार अपील की जा रही है कि लोग आगे आकर स्वेच्छा से खून दान करें, लेकिन अपेक्षित संख्या में डोनर सामने नहीं आ रहे हैं। जिससे कि ब्लड बैंकों में पर्याप्त खून ही नहीं है। हालांकि इसका फायदा दलाल भी उठा रहे हैं। लोगों से मनमाना पैसा वसूल कर उन्हें खून दे रहे हैं।

संस्थाओं के कैंप भी हुए कम

ब्लड डोनेशन को लेकर कई संस्थाएं भी काम कर रही हैं। लेकिन हाल के दिनों में उनकी एक्टिविटी में भी कमी आई है। ऐसे में कैंप नहीं के बराबर लग रहे हैं। कैंप अगर संस्थाएं लगा भी रही हैं तो उसमें कलेक्ट होने वाला ब्लड प्राइवेट हॉस्पिटल वालों को दे दिया जा रहा है। ऐसे में सरकारी ब्लड बैंक में व्यवस्था जस की तस। रेगुलर डोनर्स है वहीं ब्लड डोनेट कर रहे हैं। इससे जरूरतमंदों को खून मिल रहा है। अधिकारियों की माने तो जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है ताकि आम लोग समझ सकें कि उनका एक यूनिट खून 3 लोगों की जान बचा सकता है।फिलहाल मरीजों के परिजनों को ब्लड डोनर ढूंढने के लिए सोशल मीडिया, व्हाट्सएप ग्रुप और एनजीओ की मदद लेनी पड़ रही है। कुछ लोग ब्लड बैंक के बाहर खड़े होकर मदद की गुहार भी लगा रहे हैं।

रेयर ब्लड ग्रुप्स की उपलब्धता है ही नहीं। अस्पतालों में भर्ती गंभीर मरीज, गर्भवती महिलाएं और सड़क दुर्घटनाओं के शिकार लोगों को समय पर खून नहीं मिल रहा है। ब्लड बैंक कर्मियों की माने तो बिना डोनर के खून मिल पाना मुश्किल हो गया है। लोगों को डोनर साथ लाने को कहा जा रहा है। वहीं डोनेट किया गया ब्लड ही प्रोसेस कर मरीजों को दिया जा रहा है।

सीईओ ने सभी जिलों के उप-निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ किया संवाद

PHOTON NEWS RANCHI : भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन संबंधी प्रशिक्षण और अनुभव साझा करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन 19 और 20 मई को नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट में किया जा रहा है। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में झारखंड से बीएलओ, वॉलंटीयर और बूथ अवेयरनेस ग्रुप के कुल 312 सदस्य भाग लेंगे और लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव 2024 के दौरान अपने कार्यों और अनुभवों को साझा करेंगे।

झारखंड के बीएलओ, वॉलंटीयर और बीएजी सदस्य साझा करेंगे अपना अनुभव

इस कार्यक्रम को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के. रवि कुमार ने शनिवार को एक ऑनलाइन बैठक के माध्यम से राज्य के सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि झारखंड के मतदान से जुड़े स्टेकहोल्डर्स को यह अवसर प्राप्त हुआ है कि वे देशभर के प्रतिनिधियों के समक्ष अपनी भूमिका और योगदान को प्रस्तुत करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि प्रत्येक जिला अपने क्षेत्र से बीएलओ, वालेंटियर एवं बीएजी के सदस्यों का चयन कर सोमवार तक नामों की सूची उपलब्ध कराए ताकि आगे की कार्यवाही की जा सके।

राज्य के दौरे पर आए थे मुख्य चुनाव आयुक्त : सीईओ ने बताया कि हाल ही में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने झारखंड दौरे के दौरान रामगढ़ के वालेंटियर और रांची दशम फॉल के बीएलओ से मुलाकात की थी। उनके कार्यों और अनुभवों ने चुनाव आयुक्त को अत्यंत प्रभावित किया।

झारखंड में मोटे अनाजों को मिलेगा बढ़ावा, मिलेट कैफेटेरिया खोलने की भी तैयारी

रांची की बंद बेकन फैक्ट्री को फिर से मिलेगी नई जिंदगी : शिल्पी नेहा तिर्की

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने घोषणा की है कि रांची की वर्षों से बंद पड़ी बेकन फैक्ट्री को पुनर्जीवित किया जाएगा। इसके लिए बहुत जल्द एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस फैक्ट्री के संचालन में राष्ट्रीय मांस अनुसंधान केंद्र नॉलेज पार्टनर के रूप में सहयोग करेगा। फैक्ट्री में जंग लग चुकी मशीनों को बदला जाएगा और इसे आधुनिक रूप दिया जाएगा।

किसानों के हित में दौरा

नेपाल हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान मंत्री ने अपने हाल के तेलंगाना दौरे की जानकारी साझा करते हुए कहा कि 28 से 30 अप्रैल तक का दौरा झारखंड के किसानों के हित में काफी महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने बताया कि झारखंड में शूकर पालन से जुड़े लोगों की संख्या बहुत अधिक है। एक समय था जब यहां के कर्मी प्रशिक्षण के लिए डेनमार्क तक जाते थे। अब फिर से उसी गौरव को वापस लाने की कोशिश की जा रही है।

मोटे अनाजों के उत्पादन पर जोर

मंत्री ने राज्य में मोटे अनाज के उत्पादन और प्रोत्साहन को लेकर भी कई अहम घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि झारखंड में इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ मिलेट रिसर्च सेंटर के मॉडल को अपनाया जा रहा है। राज्य सरकार किसानों को मोटे अनाज की खेती के लिए प्रति एकड़ 3 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दे रही है। इसका सकारात्मक असर भी दिख रहा है और उत्पादन में दोगुनी वृद्धि हुई है। मोटे अनाज से 40 प्रकार के प्रोडक्ट तैयार किए जा रहे हैं और झारखंड में भी जल्द ही मिलेट कैफेटेरिया खोले जाएंगे। इसके लिए भी एक एमओयू प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि राज्य में मडुआ के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और रांची के सी पार्क से जुड़े एफपीओ और महिला समूहों को प्रशिक्षण देने की योजना है। छोटे-छोटे प्रोसेसिंग यूनिट खोलने की भी तैयारी की जा रही है। तेलंगाना दौरे का अनुभव साझा करते हुए मंत्री ने कहा कि वहां के अधिकारियों का समर्पण प्रेरणादायक है।

मत्स्य पालन को किया जाएगा प्रोत्साहित

मंत्री ने राज्य में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के संबंध में बताया कि नेशनल फिशरीज डेवलपमेंट बोर्ड सहयोग के लिए तैयार है। इसके तहत हजारीबाग जिले को पर्ल कल्चर (मोती उत्पादन) के लिए चयनित किया गया है। इसके लिए 100 किसानों को विशेष प्रशिक्षण पर भेजा जाएगा। सीआईएफए भुवनेश्वर में मत्स्य विभाग के अधिकारियों और किसानों को नई तकनीकों की जानकारी दी जाएगी ताकि उत्पादन बढ़ाया जा सके।

डालसा के पीएलवी ने दी बच्चों को विधिक जानकारी

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के लिगल लिट्रेसी क्लब में लिगल लिट्रेसी क्लास का आयोजन शनिवार को डालसा के पीएलवी की ओर से किया गया। डालसा के पीएलवी ने इस दौरान विभि-?न स्थानों पर बच्चों को भारतीय नागरिकों से संबंधित मौलिक अधिकार और कर्तव्यों की जानकारी दी।

पीएलवी ने स्कूली बच्चे और आम लोगों को मौलिक अधिकार और कर्त्तव्य, बाल विवाह, बाल श्रम और पोक्सो एक्ट की जानकारी दी।

लिगल लिट्रेसी क्लब रातू में पीएलवी पुष्पलता देवी, सुनीता देवी, नामकूम में पीएलवी लता कुमारी, प्रहलाद उपाध्याय, युधिष्ठिर महतो, प्रीति कुमारी, ने, जबकि अनिता देवी, रूही अग्रवाल, निरजा सहाय डीएवी पब्लिक स्कूल में विधिक जानकारी दी। इसके अलावा गौशाला कम्पलेक्स कांके में जमील अख्तर और शारदा देवी ने उपस्थित लोगों को उनके अधिकारों की जानकारी दी।

रैंप निर्माण के खिलाफ नगड़ा टोली स्थित सरना भवन में बैठक कल

RANCHI : सरहुल शोभायात्रा पाहन संघ के बैनर तले शनिवार को रांची के मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका के सामने सैकड़ों पाहनों ने संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया। इस दौरान पाहनों ने कहा कि सिरमटोली स्थित सरना स्थल के सामने बनाए जा रहे फ्लाईओवर रैम्प के विरोध में वे पिछले चार महीनों से आंदोलनरत हैं। इसके बावजूद प्रशासन और सरकार ने आदिवासी समाज की मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया है। इसी विरोध के क्रम में 5 मई को नगड़ा टोली स्थित सरना भवन में एक अहम बैठक बुलाई गई है, जिसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी। किशुनपुर मौजा के सुरेंद्र पाहन ने कहा, सुशासन की बात करने वाली सरकार आज आदिवासी समाज के विश्वास को कुचल रही है। सिरमटोली का सरना स्थल न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह हमारी संस्कृति और परंपरा की पहचान भी है, जिसे देश-विदेश में आदरपूर्वक देखा जाता है। लेकिन मुख्य द्वार के सामने बनाए जा रहे रैम्प से इस स्थल का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया है।

फ्लाई एश उपयोग को लेकर सीसीएल और पीवीयूएनएल ने किया समझौता

PHOTON NEWS RANCHI : पर्यावरणीय सततता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड और पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के बीच शनिवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता डकरा ओसीपी (एनके क्षेत्र) के खनन उपरांत शेष क्षेत्रों में फ्लाई एश के सतत उपयोग के उद्देश्य से किया गया है। समझौते पर दोनों संस्थाओं के महाप्रबंधकों ने हस्ताक्षर किए, जबकि कार्यक्रम में सीसीएल के निदेशकगण एवं पीवीयूएनएल के सीईओ आरके सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस पहल से न केवल फ्लाई एश का सुरक्षित निपटान संभव होगा, बल्कि भूमि पुनर्स्थापन, जल संरक्षण और जैव विविधता संवर्धन जैसे अनेक पर्यावरणीय लाभ भी मिलेंगे।

रांची में आरटीई के तहत 1710 आवेदन, पारदर्शी लॉटरी से होगा चयन

RANCHI : रांची जिले में शिक्षा का स्तर बेहतर होता जा रहा है। इसका असर दिख रहा है। जिले में आरटीई (निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिकार अधिनियम) के अंतर्गत अब तक कुल 1710 आवेदन प्राप्त हुए हैं। वर्तमान में सभी आवेदनों का सत्यापन कार्य तेजी से चल रहा है। जिला शिक्षा पदाधिकारी बादल राज ने जानकारी दी कि जिले में आरटीई के अंतर्गत कुल 1245 सीटें उपलब्ध हैं। यदि पात्र आवेदनों की संख्या सीटों से अधिक होती है, तो लॉटरी के माध्यम से पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

फुटपाथ दुकानदारों ने की जगह आवंटित करने की मांग

PHOTON NEWS RANCHI : मेन रोड और आसपास के फुटपाथ दुकानदारों की समस्या को लेकर शनिवार को झारखंड फुटपाथ दुकानदार संघ नगर प्रशासक संदीप सिंह से मिलकर ज्ञापन सौंपा। संघ के अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता ने नगर प्रशासक से कहा कि निगम की कार्रवाई से फुटपाथ दुकानदारों के समक्ष भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है। दुकानदारों के पास कोई रोजगार नहीं है। संघ के अध्यक्ष ने नगर प्रशासक से फुटपाथ दुकानदारों को राहत देने का आग्रह किया। मौके पर उन्होंने कहा कि जिन लोगों का दुकान फुटपाथ पर लगता था उन्हें डेली मार्केट के पास बुधिया बिल्डिंग, टैक्सी स्टैंड और अल्बर्ट एक्का चौक के पास रेलिंग के अंदर दुकान लगाने की अनुमति दी जाए। साथ ही संघ ने वेंडर मार्केट बची दुकानों को आवंटित करने, अस्थाई वेंडिंग जोन बनाकर जगह देने की भी मांग की। मौके पर नगर आयुक्त ने कहा जल्द ही फुटपाथ दुकानदारों की समस्याओं को दूर किया जाएगा। ताकि, फुटपाथ दुकानदार अपनी जीविका चला सकें। मौके पर झारखंड फुटपाथ दुकानदार संघ के अजीत नायक, अकबर कुरैशी सहित अन्य मौजूद थे।

झारखंड के सभी जिलों में बारिश से गिरा तापमान मौसम हुआ सुहावना

RANCHI : झारखंड के लगभग सभी जिलों में बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। बारिश होने और मध्यम गति की हवा चलने से रांची और आसपास के इलाकों में मौसम सुहावना हो गया है। रांची में तापमान 39 डिग्री से गिरकर 31 डिग्री, जमशेदपुर में तापमान 42 डिग्री से गिरकर 34 डिग्री और डाल्टेनगंज में तापमान 43 डिग्री से गिरकर 35 डिग्री हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार आठ मई के बाद मौसम के मिजाज में फिर से बदलाव होगा और तापमान में वृद्धि होगी।

इच्छुक व योग्य अभ्यर्थी 10 मई तक कर सकते हैं आवेदन

राष्ट्रीय मिशन के तहत स्वास्थ्य विभाग में 331 पदों पर होगी बहाली

PHOTON NEWS RANCHI : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अंतर्गत रांची जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के लिए कुल 331 पदों पर संविदा आधारित नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी 10 मई 2025 तक आधिकारिक वेबसाइटों www.ranchi.nic.in या www.sadarhospital.com के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

अस्थायी होगी नियुक्ति : यह बहाली जिले की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों के तहत की जा रही है। संविदा पदों में एएनएम, जीएनएम/स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, काउंसलर, कुक, डॉक्टर सहित कई महत्वपूर्ण पद शामिल हैं। सभी नियुक्तियां पूर्णतः अस्थायी आधार पर होंगी और चयन मेरिट सूची व साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग का यह कदम राज्य में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

महत्वपूर्ण तिथि

आवेदन की अंतिम तिथि : 10 मई 2025
आवेदन माध्यम : केवल ऑनलाइन
आधिकारिक वेबसाइट :
www.ranchi.nic.in
www.sadarhospital.com

इन पदों पर होगी नियुक्ति

- एएनएम (आरसीएच) - 72 पद
- जीएनएम/स्टाफ नर्स (आरसीएच) - 17 पद
- बीडीएम (आरसीएच) - 4 पद
- जीएनएम (जिला एनसीडी क्लीनिक) - 2 पद
- जीएनएम (सीएचसी एनसीडी क्लीनिक) - 4 पद
- लैब टेक्नीशियन (जिला सीएचसी क्लीनिक) - 14 पद
- काउंसलर (एनसीडी सीएचसी) - 11 पद
- पुनर्वास कार्यकर्ता (एनपीएचईसी) - 8 पद
- जीएनएम/स्टाफ नर्स (एनपीएचईसी) - 4 पद
- काउंसलर (आरएमएनसीएच+ए) - 2 पद
- फार्मासिस्ट (आयुष) - 2 पद
- पोषण परामर्शदाता (एमटीसी) - 5 पद
- एएनएम (एमटीसी) - 6 पद
- जीएनएम/स्टाफ नर्स (एसएनसीयू) - 18 पद
- जीएनएम/स्टाफ नर्स (एनबीएसयू) - 8 पद
- एएनएम (आरबीएसके) - 2 पद
- फार्मासिस्ट (आरबीएसके) - 25 पद
- नेत्र सहायक (आरबीएसके) - 3 पद
- एनएनएम यूपीएचसी (एनयूएचएम) - 76 पद
- स्टाफ नर्स-यूपीएचसी (एनयूएचएम) - 11 पद
- फार्मासिस्ट-यूपीएचसी (एनयूएचएम) - 6 पद
- लैब टेक्नीशियन-यूपीएचसी (एनयूएचएम) - 6 पद
- फार्मासिस्ट-यूपीएचसी (एनयूएचएम) - 4 पद
- स्टाफ नर्स-यूपीएचसी (एनयूएचएम) - 8 पद
- लैब टेक्नीशियन-यूसीएचसी (एनयूएचएम) - 4 पद
- काउंसलर (जिला एनसीडी क्लीनिक) - 1 पद
- क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट (एनएमएचपी) - 1 पद
- मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता (एनएमएचपी) - 1 पद
- जीएनएम/स्टाफ नर्स (आरबीएसके डीईआईसी) - 1 पद
- लैब टेक्नीशियन (आरबीएसके डीईआईसी) - 1 पद
- डेंटल टेक्नीशियन (आरबीएसके डीईआईसी) - 1 पद
- रसोइया (एमटीसी) - 1 पद
- चिकित्सक मेडिकल ऑफिसर (एनटीईपी) - 1 पद
- एसटीएस (एनटीईपी) - 1 पद

भाकपा की बौद्धिक संपदा थे अतुल : अजय

PHOTON NEWS RANCHI : सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव सह अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय महासचिव कॉम अतुल कुमार अनजान की पहली पुण्यतिथि पर अल्बर्ट एक्का चौक स्थित भाकपा सभागार में शनिवार को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौके पर पार्टी के राज्य कार्यकारणी के सदस्य सह जिला मंत्री अजय कुमार सिंह ने कहा कि अतुल अनजान पार्टी के बौद्धिक संपदा थे, जिसकी भरपाई अगले कई दशक तक नहीं हो सकती है।

उन्होंने कहा कि अनजान निर्भीक और बेबाक बातें करने वाले नेता थे। संघर्ष की राह उन्हें विरासत में मिली थी। उनके पिताजी डॉ एपी सिंह विख्यात स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के कई आंदोलनों में बढ़ चढ़ कर भाग लिया और कई वर्षों तक जेल में रहे। अजय सिंह ने कहा कि अनजान लगभग पांच साल तक जेल में रहे। उन्होंने स्वामीनाथन कमीशन में किसानों के उत्थान के लिए कई सुझाव दिये।

उनके सुझावों में किसानों को मासिक पेंशन, एमएसपी की गारंटी, बिना ब्याज के किसानों को ऋण देने सहित अन्य शामिल है। मौके पर इम्तियाज अहमद खान,मनोज ठाकुर,श्यामल चक्रवर्ती, राजेश राय, वीरेन्द्र विश्वकर्मा, महेंद्र कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

BRIEF NEWS

अवैध खनन पर मधु कोड़ा ने उठाया सवाल

WEST SINGHBHUM : पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिले के नोवामुंडी क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने राज्य सरकार की चुप्पी पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। कोड़ा ने शनिवार को जानकारी दी कि नोवा मेटल्स कंपनी की ओर से बंद पड़े आयरन माइंस और क्रेशर इकाइयों से अवैध रूप से लोहा एवं आयरन स्लैग निकालकर ओडिशा सहित अन्य राज्यों में अवैध रूप से बेचा जा रहा है। स्थानीय लोगों और मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर कोड़ा ने छानबीन की, जिसके बाद शुक्रवार की देर रात छह ट्रकों में लदे अवैध आयरन स्लैग को नोवामुंडी क्षेत्र में पकड़ा गया।

युवती ने फंदे पर लटक कर की खुदकुशी

PALAMU : पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र के सतहे गांव में नव विवाहिता रेणु देवी (22) ने शनिवार को फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। 2024 में महिला की शादी हुई थी। मायके पक्ष के लोगों ने हत्या का आरोप लगाया है, जबकि ससुराल पक्ष के लोग इसे खुदकुशी बता रहे हैं। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पाटन पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर एमआरएमसीएच में भेज दिया। मृत महिला के परिजनों ने इस मामले को हत्या बताकर पाटन थाना में पति पिंटू राम, भसुर पंकज राम, पिता विनोद राम, सास कांति देवी, ससुर विनोद राम, पिता यमुना राम, ननद छोटी कुमारी और गोतनी पुष्पा देवी के ऊपर एफआईआर दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है।

खूंटी में सात दिवसीय भागवत कथा शुरू निकली कलश यात्रा

KHUNTI : नेताजी चौक खूंटी के समीप कर्रा रोड में अवस्थित भाला भवन में श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ शनिवार को भक्तिपूर्ण वातावरण में शुरू हुआ। नौ मई तक प्रतिदिन अपराह्न 4.30 से 8.30 बजे तक आयोजित इस कार्यक्रम में वृंदावन से पधारे प्रख्यात कथा वाचक धीरज कृष्ण शास्त्री जी व्यास पीठ से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथामृत का रसास्वादन कराएंगे। ज्ञान यज्ञ के पहले दिन शनिवार सुबह शहर में मंगल कलश यात्रा निकाली गई। स्थानीय महादेव मंडा परिसर से बाजे-गाजे के साथ निकाली गई मंगल कलश यात्रा में शामिल सैकड़ों महिलाओं ने मंगल कलशों को शिरोधार्य कर नगर भ्रमण किया।

लोक गायक को मिली डॉक्टरेट की मानद उपाधि

KHUNTI : बाल्यावस्था से कला-संस्कृति से जुड़े गायक, अभिनेता, शिक्षक, नागपुरी गीतकार और खूंटी के जानेमाने सामाजिक कार्यकर्ता तोरपा प्रखंड के तपकरा निवासी डॉ लक्ष्मीकांत नारायण बड़ाईक को संस्कृति और सामाजिक सक्रियता में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। विशाखापट्टनम में आयोजित वर्ल्ड वाइड बिजनेस अवार्ड समारोह में उन्हें यह उपाधि प्रदान की गई।

कुछ अन्य के मलबे में दबे होने की आशंका, पूर्णिमा साहू व सरयू राय भी पहुंचे

एमजीएम अस्पताल में गिरी छत एक की मौत, एक मलबे में दबा

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : कोल्हान प्रमंडल के सबसे बड़े अस्पताल एमजीएम में शनिवार को अस्पताल के मेडिसिन वार्ड के तीसरे तल्ले के बरामदे की जर्जर छत गिर गई। इस दुर्घटना में बिरसानगर निवासी सुमन लुका तिर्की नामक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि दूसरा व्यक्ति मलबे में दबा है। आशंका जताई जा रही है कि उसकी भी मौत हो गई है। इस घटना में दूसरे तल्ले की छत को तोड़ते हुए मलबा पहले तल्ले पर आ गया। इस घटना में तीसरे तल्ले के बरामदे में इलाजरत चार मरीज छत व बेड समेत नीचे गिर गए। सूचना पाकर धालभूम एसडीओ घटनास्थल पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया गया। घटना दोपहर करीब 2:15 बजे की बताई जाती है। भाजपा नेता विमल बैठा एवं अन्य ने शाम 4 बजे तक गंभीर हालत में दो मरीजों को निकला। अभी भी दो मरीजों के मलबे में दबे होने की आशंका है। बताया जाता है कि ये मरीज कई दिनों से यहां थे। अस्पताल के उप अधीक्षक डॉ. नकुल चौधरी ने बताया कि दो मरीजों को इमरजेंसी वार्ड में ले जाया गया है, जिनमें एक पुरुष व एक महिला हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल भवन जर्जर है। लेकिन, इसकी जिम्मेदारी भवन निर्माण विभाग की है। घटना की जानकारी पाकर जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय और पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू सहित जदयू व भाजपा कार्यकर्ता भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि कई दिनों से अस्पताल भवन की जर्जर हालत है। सरयू राय ने कहा कि पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता यहां के विधायक भी रहे। मौजूदा स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने भी अस्पताल का निरिक्षण किया, बावजूद अस्पताल की हालत पर गंभीरता नहीं दिखी। उन्होंने कहा कि यह समय आरोप-प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि संवेदना का है।

एमजीएम अस्पताल के बरामदे की गिरी हुई जर्जर छत

फर्जी प्रमाण पत्र मामले में पंचायत सचिव और बीएलई गिरफ्तार

EAST SINGHBHUM : पूर्वी सिंहभूम(जमशेदपुर) जिले के चाकुलिया प्रखंड में फर्जी जन्म प्रमाण पत्र घोटाले का मामला प्रकाश में आया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त के निर्देश पर माटियाबांधी पंचायत सचिव सुनील महतो और बीएलई (ब्लॉक लेवल एंट्री ऑपरेटर) सपन महतो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया है और पूछताछ जारी है। यह मामला तब सामने आया जब चाकुलिया प्रखंड कार्यालय से जारी किए गए सैकड़ों जन्म प्रमाण पत्रों के आधार पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अपने बच्चों का नामांकन शहर के स्कूलों में कराने के लिए आवेदन दिया। स्कूल प्रबंधन को तब शक हुआ जब देखा गया कि सभी प्रमाण पत्रों में जन्मस्थान चाकुलिया दर्शाया गया है, जबकि वास्तविकता यह है कि चाकुलिया में मुस्लिम समुदाय का कोई स्थायी परिवार नहीं है। जांच में खुलासा हुआ कि 2024-25 के बीच चाकुलिया में कुल 4400 जन्म प्रमाण पत्र जारी हुए, जिनमें 715 मुस्लिम समुदाय के नाम पर थे। जबकि चाकुलिया में मुस्लिम परिवार न होने की पुष्टि स्वयं प्रशासन ने की है।

धनबाद के 3 लड़के किडनैप मांगी गई 3 करोड़ की फिरौती

मुनीडीह पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू कर दी जांच

प्रतीकात्मक फोटो

PHOTON NEWS DHANBAD : शनिवार को मुनीडीह ओपी क्षेत्र के आमडीह बस्ती निवासी मनोज कुमार महतो ने अपने बड़े भाई सरोज महतो और दो लोगों के अपहरण का मामला दर्ज कराया है। अपहर्ता तीन करोड़ रुपये फिरौती मांग रहे हैं। मुनीडीह पुलिस ने अज्ञात पर अपहरण और फिरौती का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों की मानें तो एक टीम अपहृत युवकों की तलाश में मुंबई रवाना हो चुकी है। प्राथमिकी में शिकायतकर्ता मनोज महतो ने लिखा कि उनके बड़े भाई सरोज कुमार महतो 26 अप्रैल 2025 की सुबह बोकारो जिले के दुग्धा स्थित चंदवाडीह के मुखिया चंदन सिंह के घर गए थे। वहां से मुखिया का ड्राइवर निजी कार से सरोज को करीब आठ बजे सुबह रांची एयरपोर्ट ले गया, वहां से हवाई जहाज से मुंबई ले जाया गया। 29 अप्रैल 2025 को मनोज को सरोज का फोन आया, जिसमें बताया कि उसका अपहरण कर लिया गया है और मेरे साथ अन्य दो मित्र भी हैं। इधर, डीएसपी विधि व्यवस्था नौशाद आलम ने कहा कि अपहरण की शिकायत के आलोक में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है। टीम का गठन किया गया है। टेक्निकल टीम जुटी है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

खैनी कारोबारियों के ठिकानों पर जीएसटी विभाग ने की छापेमारी

दो दिनों तक चले सर्च में जब्त किए गए कंप्यूटर के हार्ड डिस्क, फाइल व डायरी

PHOTON NEWS CHAIBASA : कोल्हान प्रमंडल के मुख्यालय चाईबासा में जीएसटी-इंटेलिजेंस विभाग ने खैनी कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की, जिसमें कई अधिकारी लगे थे। शुक्रवार को दोपहर करीब 3 बजे से शुरू हुई छापेमारी (सर्च) शनिवार दोपहर लगभग तीन बजे समाप्त हुई। बताया जाता है कि इसमें झारखंड ब्रांड वाली खैनी के मालिक नितिन प्रकाश व पंकज चिरानिया के अलावा ड्रिस्ट्रीब्यूटर पिंटू अग्रवाल के ऑफिस और गोदाम पर सेंट्रल जीएसटी विभाग के अधिकारियों ने गड़बड़ी से संबंधित दस्तावेज-सबूत खंगाले। छापेमारी के बाद अधिकारी फाइलों के अलावा कंप्यूटर के हार्ड डिस्क, डायरी आदि भी जब्त कर ले गए हैं। जानकारी के मुताबिक, यह छापेमारी नितिन प्रकाश के न्यू कॉलोनी नीमडीह स्थित आवास, राजाबाड़ी गली स्थित कार्यालय, पंकज खिरवाल के यूरोपियन क्वार्टर एरिया स्थित आवास और पिंटू अग्रवाल के नीमडीह आवास पर छानबीन चली।

छापेमारी अभियान में जमशेदपुर स्थित सेंट्रल जीएसटी के इंटेलिजेंस विभाग सहित दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल) के भी अधिकारी शामिल थे। यहां बता दें कि झारखंड खैनी की बिक्री झारखंड, बंगाल, बिहार व ओडिशा में भी होती है।

वैसे इन कारोबारियों का व्यवसाय चावल मिल, बेसन व सत्तू आदि के निर्माण से भी जुड़ा हुआ है। हालांकि अभी तक जीएसटी विभाग की ओर से आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

अर्जुन मुंडा और रघुवर दास के जन्मदिन पर बधाइयों का लगा तांता

EAST SINGHBHUM : झारखंड के दो दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा और रघुवर दास का आज जन्मदिन है। इस खास मौके पर दोनों नेताओं को बधाईयां और शुभकामनाएं मिल रही है। सोशल मीडिया से लेकर पार्टी कार्यालयों तक बधाईयों का तांता लगा है। भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक भी उन्हें जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं और उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी अर्जुन मुंडा और रघुवर दास को जन्मदिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। अर्जुन मुंडा, जिनका जन्म 1968 में जमशेदपुर में हुआ था, ने महज 35 साल की उम्र में झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वे न केवल एक सफल मुख्यमंत्री रहे, बल्कि केंद्र में मंत्री के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं।

खनन विभाग ने पकड़े बालू लदे छह वाहन

- सरायकेला-खरसावां जिले में खनिजों का अवैध उत्खनन रोकने के लिए लगे सीसीटीवी कैमरे

PHOTON NEWS SARAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के उपायुक्त रविशंकर शुक्ला के निर्देश पर शनिवार को अवैध बालू उत्खनन के खिलाफ खनन विभाग, अंचल कार्यालय और पुलिस विभाग की ओर से संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई के दौरान नदी घाट से छह वाहन जब्त किए गए। इसमें दो छोटे मालवाहक तथा चार ट्रैक्टर शामिल हैं। इन वाहनों में से कुछ पर बालू लदा हुआ था। यह कार्रवाई चांडिल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न बालू घाटों पर की गई। कार्रवाई के दौरान जिला खनन पदाधिकारी ज्योति शंकर सतपति, चांडिल सीओ अमित श्रीवास्तव तथा चांडिल थाना प्रभारी मौजूद रहे। अवैध रूप से पकड़े गए वाहनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जा रही है। अवैध बालू के उठाव में लगे खनन माफियाओं के खिलाफ एफआईआर की जा रही है।

अवैध खनन पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए जगह-जगह चेकपोस्ट का निर्माण कराया जा रहा है। इन चेकपोस्ट के जरिए खनन माफियाओं की गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाई जा सकेगी।

खनन विभाग की ओर से उपायुक्त के निर्देश पर इन तमाम चेकपोस्ट और इसके आसपास के इलाकों में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जा रहे हैं। ईचागढ़ इलाके में सीसीटीवी लगाने और चेकनाका बनाने का काम लगभग पूरा कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि सीसीटीवी कैमरे से खनिज संपदा की निगरानी करने वाला सरायकेला-खरसावां जिला राज्य का पहला जिला होगा। उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि सीसीटीवी कैमरे हर हाल में 24 घंटे सक्रिय रखे जाएंगे। इसकी मॉनिटरिंग जिला स्तर से की जाएगी।

डालटनगंज-पांकी मुख्य पथ पर दो बाइक की टक्कर में एक बच्ची की मौत, चार घायल

PHOTON NEWS PALAMU : डालटनगंज-पांकी मुख्य पथ पर लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के बसौरा में इंजीनियरिंग कॉलेज के समीप शनिवार सुबह दो बाइक में जोरदार टक्कर हो गयी, जिससे छह साल की एक बच्ची अंजनी कुमारी की मौत हो गयी, जबकि उसके माता-पिता भलमंडा के अमित कुमार (30) उसकी पत्नी सुनीता देवी (25) सहित चार जख्मी हो गए।

बाइक से टक्कर के बाद बच्ची उसी रास्ते से गुजर रहे टैज्क्टर की चपेट में आ गयी। जख्मी चारों को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दूसरी बाइक पर सवार जख्मी की पहचान जोगेन्द्र साव (35) और बबन साव (32) के रूप में हुई है।

बताया जाता है कि एक बाइक पर भलमंडा के अमित कुमार उसकी पत्नी और बेटी जा रहे थे, जबकि दूसरी बाइक पर जोगेन्द्र और बबन सवार थे। जैसे ही बसौरा में इंजीनियरिंग कॉलेज के समीप पहुंचे कि दोनों बाइकों में जोरदार टक्कर हो गयी।

हादसे के बाद बच्ची सड़क पर गिर गयी और वहां से गुजर रहे ट्रैक्टर की चपेट में आ गयी।

सभी को इलाज के लिए एमआरएमसीएच लाया गया, जहां बच्ची अंजनी कुमारी को मृत घोषित कर दिया गया। डेडबॉडी का पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। सूचना के बाद पुलिस घायलों का बयान लेकर छानबीन कर रही है।

ईरान से सवा माह बाद लाया गया आह्लाद नंदन का शव

PHOTON NEWS MANOHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर स्थित तरतरा गांव निवासी आह्लाद नंदन का शव सवा महीने बाद ईरान से लाया गया। मनोहरपुर के बीडीओ शक्ति कुंज व सीओ प्रदीप कुमार के सामने ताबूत खोला गया। परिजनों ने शव की पहचान आह्लाद नंदन महतो के रूप में की। शव देखते ही परिजन रोने-बिलखने लगे। बीडीओ व सीओ ने मृतक के अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को नकद राशि दी और दिलासा दिया कि प्रशासन आगे भी हरसंभव मदद करेगा।

बता दें कि रामनंदन महतो के पुत्र आह्लाद नंदन महतो की ईरान में मौत हो गई थी। आह्लाद ईरान की शिपिंग कंपनी बीएनडी यात शिप मैनेजमेंट सर्विसेज में इंजीनियर के पद पर कार्यरत था। पिता ने बताया कि उनका पुत्र 2024 में ईरान गया था। 28 मार्च को कंपनी के कर्मियों ने फोन कर बताया कि शिप के अंदर ड्यूटी के दौरान दुर्घटना में उसकी मौत हो गई है। इसके बाद वहां से शव आने में सवा महीना लग गया। शनिवार को ही आह्लाद नंदन महतो का अंतिम संस्कार कर दिया गया। इससे पहले आह्लाद की जगह जौनपुर, उत्तर प्रदेश निवासी युवक का शव मनोहरपुर भेज दिया गया था, जिसे कुछ दिन पहले उसके परिजन चक्रधरपुर रेलवे अस्पताल के शीतगृह से ले गए थे।

शव के साथ परिजन व अन्य ● फोटोन न्यूज

अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता में संत जेवियर्स की धमाकेदार जीत

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिम सिंहभूम (चाईबासा) जिला में जारी ज्ञानचंद जैन अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता में शनिवार को खेले गए मुकाबले में संत जेवियर्स इंग्लिश स्कूल ने संत विवेका इंग्लिश स्कूल को 103 रनों से करारी शिकस्त दी। इस जीत में बल्लेबाज कृपा सिंधु चंदन का अहम योगदान रहा, जो मात्र एक रन से शतक चूक गए।

जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में संत जेवियर्स इंग्लिश स्कूल ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम ने 20 ओवरों में 203 रन बनाए और केवल चार विकेट गंवाए। बल्लेबाज कृपा सिंधु चंदन ने विस्फोटक अंदाज में नाबाद 99 रन बनाए, जिसमें आठ चौके और सात छक्के शामिल थे। उन्होंने पूरे मैदान पर शॉट्स की झड़ी लगा दी और दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

टीम के अन्य बल्लेबाजों ने भी संयमित और आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए कृपा सिंधु को पूरा सहयोग दिया, जिससे टीम एक मजबूत स्कोर खड़ा कर सकी। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी संत विवेका इंग्लिश स्कूल की टीम शुरूआत से ही दबाव में दिखी।

खेती की सिंचाई और घरेलू कार्यों के लिए सुनिश्चित हो सकेगी पानी की उपलब्धता

पाइपलाइन से गांवों तक पहुंचेगा तजना नदी का पानी : सांसद

PHOTON NEWS KHUNTI : सांसद कालीचरण मुंडा क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए एक बड़ी पहल की दिशा में काम कर रहे हैं। उनका प्रयास है कि तजना नदी के पानी को मुरहू प्रखंड की गुटुहातू, कुकूड़ापूर्ति और कुदा पंचायतों के गांवों एवं खेतों तक पाइपलाइन के माध्यम से पहुंचाया जाए, ताकि खेती की सिंचाई और घरेलू कार्यों के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

सांसद ने शनिवार को उप विकास आयुक्त श्याम नारायण राम, अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, लघु सिंचाई विभाग के अभियंता, मुरहू बीडीओ सहित अन्य अधिकारियों और कांग्रेस नेता मो नईमुद्दीन खान एवं पाण्डेय मुंडा को साथ लेकर बाड़ी गांव तथा रानी फॉल का दौरा किया।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014-15 में नवभारत जागृति केंद्र के गिरजा सतीश की अगुवाई में सिनी टाटा ट्रस्ट के सहयोग से यहां डाइवर्सन बेस्ड एरिगेशन सिस्टम लागू किया गया था। इसके तहत तजना नदी से लगभग दो किलोमीटर दूर बाड़ी गांव तक जंगलों और पहाड़ों को काटकर पाइपलाइन बिछाई गई थी, जिससे बिना किसी ईंधन के खर्च के सालों भर 24 घंटे पानी की आपूर्ति होती। इस प्रणाली की लागत मात्र 10 लाख रुपये आई थी। हालांकि गर्मियों में नदी के सूख जाने के कारण एक महीने तक पानी की आपूर्ति बंद हो जाती है। सांसद कालीचरण मुंडा जब रानीफॉल पहुंचे, तब वे इस योजना से बेहद प्रभावित हुए और अब वह इसे अन्य गांवों तक विस्तार देने के प्रयास में जुट गए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सर्वेक्षण कर यह निर्धारित करें कि किन गांवों तक यह योजना पहुंचाई जा सकती है। साथ ही ग्रामसभा की सहमति और स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने को भी कहा। सांसद ने निर्देश दिया कि वर्तमान योजना स्थल पर एक गार्डवॉल का निर्माण किया जाए, ताकि जल भंडारण बेहतर हो सके। साथ ही मोटी पाइपलाइन के जरिये आसपास के अन्य गांवों को जोड़ा जाए। इसके अलावा तजना नदी के उपरी हिस्से में बड़ा डैम बनाकर तीन-चार पंचायतों के गांवों को पानी उपलब्ध कराने का निर्देश भी उन्होंने दिया।

तजना नदी का मुआयना करते सांसद कालीचरण मुंडा व अन्य ● फोटोन न्यूज

बाजार में रुककर फल खरीदना पड़ा महंगा, 10 लाख के जेवर ले उड़े अपराधी

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र के सगालीम बाजार में ज्वेलर्स दुकानदार संतोष सोनी को फल खरीदना महंगा पड़ गया। बाइक में टंगे सोने-चांदी के जेवर से भरा झोला लेकर अपराधी फरार हो गए। हालांकि झोला गायब होने पर दुकानदार ने अपधाधियों का पीछा किया, लेकिन वे पकड़ में नहीं आ सके। झोला में रखे मोबाइल को ट्रेस करने पर उसका लोकेशन रजवाडीह में चियांकी की ओर जाने वाली सड़क पर मिला। सदर थाना पुलिस के सहयोग से छानबीन करने पर झाड़ी से केवल मोबाइल बरामद हुआ। इस संबंध में शनिवार को संतोष सोनी के की ओर से पांकी थाना में मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस छानबीन में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार सगालीम स्थित महामाया ज्वेलर्स के मालिक संतोष सोनी शुक्रवार रात दुकान बंद करके घर जाने के क्रम में सगालीम बाजार में फल लेने के लिए रूके थे। सोने-चांदी के जेवर, नगद, दुकान की चाभी, मोबाइल आदि से भरा झोला मोटरसाइकिल में टांग दी थी। दुकानदार का भतीजा वहीं पर खड़ा था। इसी क्रम में बाइक सवार अपराधी झोला लेकर फरार हो गए। फल का पैसा देकर जब संतोष सोनी लौटे तो उन्होंने बाइक में झोला टंगा नहीं देखा। भतीजा से पूछने पर बताया कि बाइक सवार झोला लेकर निकल गए। तुरंत संतोष ने उनका पीछा किया। रजवाडीह तक मोबाइल लोकेशन मिला, लेकिन इसके बाद उच्चकों का कोई अतापता नहीं चला। सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मोबाइल ढूंढने के बाद ज्वेलर्स दुकानदार को एफआइआर दर्ज कराने की सलाह दी।

मुंबई से ठाणे के बीच चली थी भारत की पहली रेलगाड़ी

भारत की यातायात में जान फुक देने वाली भारतीय रेल समूचे भारत को आपस में जोड़ कर रखती है.वर्तमान में जम्मू - कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी व गुजरात से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक फैले रेल नेटवर्क से यात्रियों को रेल यातायात की सुविधा मिल जाती है.आज सम्पूर्ण भारत में फैला रेल नेटवर्क संन 1853 में मुंबई से ठाणे के बीच मात्र 34 किलोमीटर का हुआ करता था.यु तो प्रत्येक भारतीय ने अपने जीवन में कभी न कभी रेल के सफर का लुफ्त जरूर उठाया होगा.परंतु बहुत कम ऐसे लोग है जो पहली रेल से जुड़े इतिहास व इसकी प्रग्रति को जानते होंगे.इस लेख के द्वारा आपको भारत में चलाई गई पहली रेल से जुड़े रोचक इतिहास की जानकारी देने जा रहे है.

भारत की पहली रेलगाड़ी से जुड़े रोचक व ज्ञानवर्दक तथ्य

- भारत में रेल निर्माण को लेकर सर्वप्रथम 1844 में रेल संबंधित प्रस्ताव के बारे में चर्चा की गई थी
- लार्ड डलहौजी के 1847 में भारत का गवर्नर जनरल नियुक्त होने के बाद रेल परियोजना में तेजी से काम होने लगा.
- भारत की पहली रेल 16 अप्रैल 1853 को मुंबई से ठाणे के बीच अंग्रेजो द्वारा चलाई गई थीइन दोनों स्टेशन के बीच की दुरी मात्र 34 किलोमीटर थी
- भारत में चलाई गई पहली रेल को 34 किलोमीटर की दुरी तय करने में 1 घंटा 15 मिनट का समय लगा था.
- क्या आप जानते है पहली रेल में कुल 400 यात्रियों ने सफर किया था.और इस रेल में 14 रेल डिब्बों को जोड़ा गया था.
- भारत में चलाई गई पहली रेलगाड़ी में कुल 3 इंजिन को लगाया गया था.जिनका नाम क्रमश : सिंध, मुल्तान व शाहिब था.
- पहली रेल को भांप इंजन के द्वारा चलाया गया था.
- इस रेल का निर्माण करने वाली कंपनी का नाम मध्य रेलवे की ग्रेट इंडियन पेनिनसुलर रेलवे था.
- जिस समय इस ट्रेन को चलाया गया था तब समय 3 बजकर 35 मिनट हो रहे थे.
- वर्तमान में भारतीय रेल नेटवर्क एशिया का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है व सम्पूर्ण विश्व में भारतीय रेल नेटवर्क को 4 स्थान हासिल है.

कंगारू में होती है गजब की खूबियाँ

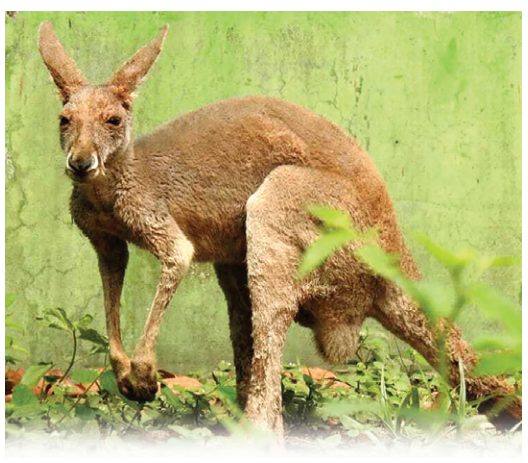

कंगारू जिसे उछलने वाला जानवर के नाम से भी जाना जाता है.और यह ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्रीय पशु है.यह एक स्तनधारी जीव है परंतु यह स्तनधारी जीव होकर भी उन जीवों से बेहद अलग है, क्योंकि यह अपने दो पैरों पर चलता है और चलना भी क्या यह अपने पैरों पर चलकर ना अपितु उछलकर चलता है.जी हां दोस्तों आज का हमारा लेख इसी गजब जानवर से संबंधित है.आज हम आपको कंगारू से जुड़े ऐसे रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपने आज से पहले शायद नहीं पढ़े होंगे.तो देर ना करते हुए चलिए जानते हैं कंगारु से जुड़े हैरान कर देने वाले महत्वपूर्ण तथ्य

- क्या आप जानते हैं विश्व में सर्वाधिक मात्रा में कंगारू ऑस्ट्रेलिया में पाए जाते हैं.यहां पर आपको कंगारू सड़कों पर घूमते मिल जाएंगे.उदाहरण के तौर पर जिस तरह भारत की गलियों में कुत्तों की फौज घूमती है ठीक ऐसे ही ऑस्ट्रेलिया की गली गली में कंगारू घूमते है.
- क्या आप जानते हैं कंगारू एक शाकाहारी जीव होता है और यह आमतौर पर फल, घास इत्यादि खाते हैं.
- विश्व में अब तक कंगारुओं की कुल 4 प्रजातियां खोजी गई हैं. जिन्हें रेड कंगारू , अंतिलोपीन कंगारू, ईस्टर्न ग्रे और वेस्टर्न ग्रे के नाम से जाना जाता है.
- कंगारू जमीन पर उछल कर चलने वाला प्राणी है क्योंकि इसके अगले दो पैर छोटे होते हैं जिसके कारण यह जमीन पर संतुलन नहीं बना पाते और यह अपने पिछले दो पैरों पर कूद-कूद कर आगे बढ़ते हैं.
- आपको जानकर हैरानी होगी कंगारू जमीन पर चलने के साथ-साथ पानी में तैर भी सकते हैं.
- क्या आप जानते हैं कंगारू अपने सर को गुमाये बिना अपने कानों को किसी भी दिशा में घुमा सकते हैं.अर्थार्थ इन्हें अपने कानों को किसी भी दिशा में घुमाने के लिए सिर को घुमाने की जरूरत नहीं होती.
- क्या आप जानते हैं कंगारू का गर्भकाल बेहद छोटा होता है और यह मात्र 30 से 35 दिनों का ही होता है, परंतु इतने छोटे गर्भकाल के कारण कंगारू का बच्चा पूर्ण रूप से विकसित नहीं हो पाता और यह अपनी मां के पेट पर बनी थैली में पहुंच जाता है और यही से यह बच्चा पूर्ण रूप से विकसित होना शुरू होता है.
- क्या आप जानते हैं कंगारुओं का एक पांचवा पैर भी होता है. उदाहरण के तौर पर कंगारुओं की पूंछ इतनी शक्तिशाली होती है कि यह सिर्फ अपनी पूंछ पर अपना सारा वजन डाल सकते हैं और यह पूछ इन के पांचवें पैर का काम करती है.
- जब यह 40 से 60 किमी की रफ्तार से जम्प करता है तो इसके पीछे पैर और पूंछ से अपना संतुलन बनाए रखता है। खड़े रहने पर उसकी पूंछ ही उसका सहारा होती है.
- नर कंगारू को बूम, मादा कंगारू को डो और कंगारू के बच्चे को जॉय कहा जाता है.
- क्या आप जानते है इनकी आंखें बहुत तेज होती हैं परंतु ये सिर्फ चलती-फिरती वस्तुओं को ही देख पाते हैं.

आजकल युवाओं में एनिमे का बड़ा क्रेज है। स्कूल-कॉलेजों में बच्चे झुंड बनाकर बस इसी के बारे में चर्चा करते रहते हैं। जो नई एनिमे सबसे पहले देखकर आता है, उसे बाकियों द्वारा 'कूल' समझा जाता है। पिछले कुछ वर्षों में एनिमे ने वैश्विक स्तर पर प्रसिद्धि प्राप्त की है। दिसंबर 2021 में जारी की गई एक रिपोर्ट की माने तो पूरी दुनिया में करीब 50 करोड़ लोग एनिमे देखना पसंद करते है। तो आखिर ये एनिमे है क्या? और इसकी इतनी लोकप्रियता का राज क्या है?

एनिमे क्या है?

'एनिमे' शब्द जापान से प्रचलित हुआ है - जिसका मतलब है एनीमेशन। अब आप ये सोचेंगे कि भला युवाओं को कार्टूनों की दुनिया से क्या लेना-देना? लेकिन, इन्हीं कार्टूनों ने युवाओं की मानसिकता पर ऐसा प्रभाव डाला है कि अगर उनके सामने एनिमे को कोई कार्टून कह दे, तो वे बिफर जाते हैं। क्यों कि उनके अनुसार एनिमे, कार्टून सीरीज से अलग है। ये सीरीज अक्सर जापान के लेखकों द्वारा लिखे गए 'मांगा' (लघु उपन्यास) पर आधारित होती है। यूं तो जापानीज एनीमेशन 1920 के दशक से प्रसारित होता आ रहा है, लेकिन कुछ सालों पहले से एनिमे की एक नई श्रेणी प्रचलित हुई है, जिसे 'शोनेन' कहा जाता है। इस तरह के एनिमे सीरीज मुख्य रूप से युवा दर्शकों की रूचि को केंद्र में रखकर बनाए जाते हैं। वेब सीरीज की तरह इनके भी सीजन्स और एपिसोड्स होते हैं, जिन्हें ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से देखा जा सकता है। अटैक ऑन टाइटन, फुल मेन्टल अलकेमिस्ट, वन पीस, नारुटो, डेथ नोट, जुजुत्सु काइसन, वन पंच मैन आदि प्रसिद्ध एनिमे की लिस्ट में गिने जाते हैं।

एनिमे की लोकप्रियता का रहस्य क्या है?

अकेले जापान में ही एनिमे का सालाना कारोबार 19 बिलियन डॉलर (1900 करोड़) का है। इसकी लोकप्रियता के कारण कई सारे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ऐसे भी हैं, जहां पर केवल एनिमे ही उपलब्ध है। 'नारूटो' नामक एनिमे सीरीज के सभी सीजन्स मिलाकर 822 एपिसोड्स हैं ,जिन्हें कई युवाओं द्वारा बिंज वॉचिंग करके कुछ ही महीनों के भीतर देखा जा चुका है। एनिमे सीरीज और किरदारों से जुड़े प्रोडक्ट जैसे टी-शर्ट्स, मास्क्स, स्टिकर्स आदि बेचने वाली कंपनियां भी जमकर मुनाफा कमा रही है। नियमित रूप से एनिमे देखने वालों के लिए अब ये मनोरंजन का प्राथमिक साधन बन गया है। आइए जानते हैं एनिमे की इतनी लोकप्रियता के मुख्य कारण क्या है.-

दुनियाभर के युवाओं के बीच लोकप्रिय एनिमे की सफलता का रहस्य क्या है

विषयों की विविधता

एनिमे की शैलियों की विस्तृत श्रृंखला इनकी लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण है। एनिमे में हर व्यक्ति अपने हिसाब की शैली का आनंद ले सकता है। रोमांस, कॉमेडी, एक्शन, एडवेंचर, मिस्ट्री, सस्पेंस और हॉरर आदि एनीमे प्लॉट्स द्वारा खोजी गई कई शैलियों में से कुछ हैं। तो आप एक अपनी पसंद को ध्यान में रखकर कोई भी दिलचस्प क्षेत्र से शुरू कर सकते हैं। एनिमे सीरीज की कहानी इस तरह से बनाई जाती है कि हर उम्र के दर्शकों को मनोरंजन प्रदान किया जा सके। कहा जा सकता है की एनिमे बॉलीवुड और हॉलीवुड की तरह ही एक इंडस्ट्री है, जिसमें हर तरह के विषयों पर कंटेंट बनाया और परोसा जाता है।

बेहद प्रभावशाली एनीमेशन और किसी को पल भर में मोहित कर लेना ही दृश्य तत्व का मुख्य दायित्व होता है, जिसे एनिमे क्रिएटर्स द्वारा बड़े प्रभावी ढंग से किया जाता है। हर चीज एनिमेटेड होने की वजह से युवाओं को जोड़े रखना चुनौतीपूर्ण कार्य है। किन्तु,कल्पनाशील अभिव्यक्ति और रचनात्मकता के सहारे हर कहानी को बहुत ही खूबसूरती के साथ प्रदर्शित किया जाता है। रंग और छायांकन के उपयोग से लेकर विस्तृत विवरण और स्पष्टता तक, सब कुछ इतनी सावधानी और सोच-समझकर बनाया जाता है, जिससे आपको ऐसा अनुभव हो कि आप उसी कहानी के एक किरदार है। कई सारे हाई क्वालिटी ग्राफिक्स का इस्तेमाल करके एक्शन, हॉरर सीन्स को इतना बेहतरीन बना दिया जाता है कि दर्शक अपनी जगह से हिल भी न पाए। इस तरह एनिमे देखने वाले लोग कई एपिसोड्स को एक ही बार में देख लिया करते हैं।

असल जिन्दगी से जुड़े किरदार

वैसे तो एनिमे कार्टून सीरीज ही हैं, लेकिन इसके किरदार रियल लाइफ से काफी हद तक जुड़े होते हैं। ये सिर्फ हंसी-खुशी तक सीमित न रहकर डिप्रेशन, मानसिक दुर्बलता, जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने में कठिनाई आदि कई विषयों पर भी खुलकर बात करते हैं। एनिमे के विषयों और किरदारों को युवा पीढ़ी अपने वास्तविक जीवन से जोड़कर देखने लगी है। एनिमे की सबसे अच्छी बात ये होती है कि इसकी कहानियों में किरदारों को बहुत अच्छी तरह से बना जाता है, जिन्हें देखते देखते दर्शकों को उनसे जुड़ाव महसूस होने लगता है। यही जुड़ाव उन्हें कहानी के अंत तक जाने के लिए प्रेरित भी करता है। कहानी के साथ साथ पात्रों के चरित्र को प्रभावशाली संवादों और विजुअल्स के साथ बखूबी प्रदर्शित किया जाता है। साथ ही हर एनिमे अपने भीतर किसी न किसी जीवन मूल्य को छुपाए होता है। इसमें किरदारों के व्यक्तित्व की उन खूबियों को भी दिखाया जाता है, जिसे टीवी या ओटीटी सीरीज के निर्माता नजरअंदाज कर देते हैं। एनिमे किरदारों के ये सभी गुण मिलकर उन्हें और अधिक वास्तविक रूप प्रदान करते हैं।

विजुअल इफेक्ट्स में चार चांद लगाने का काम एनिमे का पार्श्व संगीत करता है, जो दर्शकों को कहानी और किरदारों से जोड़े रखता है। यह काफी रहस्यमय और लगभग चमत्कारी है कि किस तरह एनिमे का संगीत किसी चीज को भावनाओं की एक शक्तिशाली प्रतिध्वनि में बदल सकता है।

बदलाव को स्वीकारने वाला समुदाय

एनिमे सीरीज की सबसे खास बात ये है कि इसके निर्माताओं के ग्रुप की सोच बहुत ही प्रगतिशील है, जो मनोरंजन के क्षेत्र में दुनियाभर में हो रहे बदलावों को ध्यान में रखकर कंटेंट का निर्माण करता है। यह देखते हुए कि एनिमे रचनात्मकता को संचालित करता है, इसका ग्रुप भी जबरदस्त प्रतिभा और क्षमता से भरा हुआ है। एनीमे सम्मेलन कुशल कलाकारों, संगीतकारों, लेखकों, पोशाक डिजाइनरों, फोटोग्राफरों, वीडियोग्राफरों और अन्य रचनाकारों के लिए महान मंच प्रदान करते हैं जो एनिमे के माध्यम से अपने काम को प्रस्तुत करने की दिशा में कार्य करना चाहते हैं। ग्रुप ने एक यूट्यूब निर्माताओं उप-श्रेणी का उदय भी किया है, जो एनीमे से जुड़ा कंटेंट बनाते हैं।

एनिमे सीरीज की सबसे अच्छी बात ये है की इसमें दर्शक को हर बार एक नया एहसास होता है। भारत के साथ साथ विश्व भर में एनिमे के भविष्य को लेकर अपार संभावनाएं है। एनिमे एक ऐसे विकल्प के रूप में उभर रहा है, जो हो सकता है आगे चलकर दुनियाभर के युवाओं के लिए मनोरंजन का प्राथमिक साधन बनने का माद्दा रखता है।

लंगड़ा भूत

जिस दिन से नूरांश का सातवीं क्लास का रिजल्ट आया था, उसी दिन से उसने पापा से दादी के गांव ले चलने की रट लगा रखी थी। कहता था, 'इस साल मुझे दादी के गांव ही जाना है बस। हिल स्टेशन पर घूमने भी नहीं जाना।' उसका गांव जाने को लेकर उत्साह देखते हुए उसके मम्मी-पापा ने उससे प्रॉमिस किया कि, 'ठीक है, इन गर्मियों की छुटियों में दादी के पास गांव चलेंगे।' मम्मी-पापा से प्रॉमिस लेने के बाद ही नूरांश निश्चिंत। दस दिन बीत जाने के बाद आखिर दादी के घर जाने का समय भी आ गया। नूरांश बहुत खुश था, क्योंकि उसके पापा ने गर्मी की छुट्टियों में दादी और चाचा के पास गांव जाने के लिए टिकट बुक करवा लिए थे। अगले दिन उन्हें गांव जाना था। अगले दिन नूरांश गांव पहुंच गया। वह बहुत खुश था । उसकी दादी, चाचा, चाची, उसके चचेरे भाई-बहन रेयांश और गुड्डन सब उसे प्यार करते थे और उसके आने से बहुत खुश थे। एक दिन दोपहर का खाना खाने के बाद जब सब सोए हुए थे तो नूरांश को गर्मी की वजह से नींद नहीं आ रही थी। वह चुपचाप अपने कमरे से बाहर दादी के पास बरामदे में आ गया और बोला, 'दादी, मुझे नींद नहीं आ रही है। मेरा मन खेतों की ठंडी हवा में जाने का कर रहा है। क्या मैं खेतों में जाकर आ सकता हूं?' दादी बोलीं, 'बेटा ! खेत तो यहां से काफी दूर हैं, तुम अकेले कैसे जाओगे? फिर वापस आते-आते अंधेरा भी हो जाएगा और रास्ते में पीपल का पेड़ भी पड़ेगा। लोग कहते हैं कि उस पेड़ पर लंगड़ा भूत रहता है। तुम आज रहने दो, कल चाचा के साथ मोटरसाइकिल से खेतों की तरफ चले जाना।' यह सुनकर नूरांश बोला, 'दादी, मैं पैदल थोड़े ही जाऊंगा। चाचा की साइकिल पर जाऊंगा, मुझे साइकिल चलानी आती है और शाम होने से पहले ही लौट आऊंगा। फिर किस बात का डर? तभी उसके चाचा भी अंदर से उठकर आ गए और कहने लगे, 'मां, उसका मन है तो जाने दो। अब वो आठवीं क्लास में पढ़ता है, छोटा बच्चा नहीं है। जाओ नूरांश, ध्यान से साइकिल चलाना। इसका स्टैंड थोड़ा ढीला है, पर साइकिल ठीक चलती है। और हां, जल्दी आ जाना नहीं तो तुम्हारी दादी यूं ही घबराती रहेंगी।' 'ठीक है चाचू , मैं जल्दी आ जाऊंगा। थैंक्यू दादी, थैंक्यू चाचू। दादी, मम्मी-पापा जब उठ जाएं तो उन्हें भी बता देना।' इतना कहकर नूरांश साइकिल लेकर खेतों की ओर चला गया। हरे-हरे लहलहाते खेतों को देखकर उसे बहुत अच्छा लगा। मिट्टी की सौंधी-सौंधी खुशबू के बीच टहलते हुए उसे बहुत मजा आ रहा था। कुछ आगे जाने पर उसने खेतो में मोर नाचते हुए भी देखे। वह उन्हें एकटक देखता ही रह गया। तभी उसकी नजर एक पेड़ के नीचे बिछी हुई चारपाई पर पड़ी। उसने सोचा,'अभी तो शाम होने में बहुत समय है, चलो कुछ देर इसी चारपाई पर लेटता हूं।' ऐसा सोचते-सोचते वह चारपाई पर लेट गया। ठंडी-ठंडी हवा चल रही थी। इस बीच उसकी आंख कब लग गई, उसे पता ही नहीं चला। जब उसकी आंख खुली तो अंधेरा हो चुका था।

यह देखकर वह खुद को कोसने लगा कि वह सोया ही क्यों! घर पर सब चिंता कर रहे होंगे, यह ख्याल आते ही वह फटाफट उठा और जल्दी-जल्दी साइकिल चलाने लगा। जल्दी घर पहुंचने के लिए वह तेजी से साइकिल चला रहा था। जैसे ही वह पीपल के पेड़ के पास पहुंचा, अचानक अंधेरे में साइकिल का अगला पहिया एक पत्थर पर चढ़ गया और वह गिर पड़ा। तभी दादी के शब्द उसके कानों में गूंजने लगे कि पीपल के पेड़ पर लंगड़ा भूत रहता है। उसने फटाफट अपनी साइकिल उठाई और घर की तरफ जाने लगा। पर यह क्या? उसके पीछे खरड़-खरड़ और छन-छन जैसी आवाजें आने लगीं। उसने सोचा कि हो न हो लंगड़ा भूत ही उसके पीछे आ रहा है। यह बात मन में आते ही उसने साइकिल और तेज चलानी शुरू कर दी। पर यह क्या? वह जितनी तेजी से साइकिल चलाता, छन-छन की आवाज भी उतनी ही तेजी से आने लगती, जैसे कोई उसके पीछे आ रहा हो। डर से उसके हाथ कांपने लगे और वह पूरी तरह पसीने से भीग गया। तभी उसे गांव की लाइटें दिखाई देने लगीं। उसने हिम्मत नहीं हारी और किसी तरह साइकिल चलाता रहा। आवाजें भी लगातार आती रहीं। कुछ देर बाद वह घर पहुंच गया।

घर पहुंचते ही उसने साइकिल एक तरफ फेंकी और चाचा को देखते ही उनसे लिपट गया। बोला,'चाचू, मुझे बचा लो, मेरे पीछे पीपल के पेड़ वाला लंगड़ा भूत आ रहा है। वह मुझे खा जाएगा।' चाचा और पूरा परिवार उसकी ऐसी हालत देखकर हैरान हो गए। सबने उसे पानी पिलाया फिर उसका डर भगाने की कोशिश करने लगे। चाचा बोले,'कोई भूत-वूत नहीं होता है। यह तो हमारे अंदर का डर होता है बस और कुछ नहीं। अच्छा, अगर भूत है तो बताओ वह अंदर क्यों नहीं आया? मुझे पूरी बात बताओ कि आखिर हुआ क्या था?' अब तक नूरांश का डर भी काफी कम हो चुका था। उसने चाचा को बताया कि कैसे उसे खेत में नींद आ जाने पर अंधेरा हो गया था और घर जल्दी पहुंचने के लिए वह साइकिल तेज चलाने लगा। इसके बाद पीपल के पेड़ के पास गिरने और लंगड़े भूत के पीछा करने की आवाजें आने की बात भी उसने चाचा को बताई। इतना सुनते ही चाचा दो मिनट के लिए बाहर गए और साइकिल देखते ही सारा माजरा समझ गए। उन्होंने नूरांश को अपने पास बुलाया और पूछा,'तुमने अपने स्कूल में पेड़ों के बारे में जरूर पढ़ा होगा। अब जरा बताओ कि पेड़ हमारे दोस्त हैं या दुश्मन?' 'चाचू, दोस्त हैं।' चाचा ने फिर सवाल किया, 'फिर तुमने यह कैसे सोच लिया कि पीपल के पेड़ पर भूत रहता है?' नूरांश बोला, 'वो दादी ने कहा था न, इसलिए मुझे ऐसा लगा।' चाचा ने समझाया, 'बेटा, आपकी दादी गांव में रहती हैं और सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास कर लेती हैं, क्योंकि उनके समय में आजकल की तरह शिक्षा के साधन नहीं थे। गांव में स्कूल नहीं होते थे, पर अब ऐसा नहीं है। सब शिक्षित होते जा रहे हैं। शिक्षा से ही हमारा अज्ञान दूर होता है और हम तरक्की करते हैं। जरा सोचो कि जो पेड़ हमें छाया देते हैं, फल-फूल, लकड़ी आदि देते हैं, बंदर और गिलहरी आदि जीवों को शरण देते हैं, घनी छाया देते हैं, धरती की शोभा बढाते हैं, ऐसे दोस्त क्या हमें भूत देंगे?' 'नहीं चाचू, आई एम सॉरी।' 'आओ, अब तुम्हें तुम्हारे लंगड़े भूत से भी मिलवाते हैं। बाहर आओ।' चाचा नूरांश को साइकिल के पास लेकर गए और उससे पूछा,'जब तुम खेतो में साइकिल लेकर जा रहे थे तो याद है मैंने तुमसे कुछ कहा था।' 'आपने कहा था कि साइकिल का स्टैंड थोड़ा ढीला है, ध्यान से चलाना।' 'हां, बिल्कुल ठीक। तो यह देखो! हुआ यह कि जब तुमसे साइकिल गिरी तो उसका स्टैंड ढीला होने की वजह से एक साइड से निकल गया और जमीन से टकराने लगा। तुम साइकिल चला रहे थे तो वह जमीन से बार-बार टकराकर आवाज कर रहा होगा। तुमने साइकिल चलाने की स्पीड बढ़ाई होगी तो जरूर उसकी आवाज और तेज हो गई होगी। और तुम समझते रहे कि कोई लंगड़ा भूत तुम्हारा पीछा कर रहा है। अब तो सारा माजरा समझ गए न।' 'सब समझ में आ गया चाचू। अब मैं हर काम सोच-समझकर करूंगा और अंधविश्वास से हमेशा दूर रहूंगा। दादी आप भी कभी सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास मत कीजिएगा और अगर आप ऐसा करेंगी तो लंगड़े भूत को आपके पीछे लगा दूंगा।' नूरांश के ऐसा कहते ही सब खिलखिलाकर हंस दिए।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती रुपए की ताकत एवं भारत में बढ़ता विदेशी मुद्रा भंडार

प्रहलाद सबनानी

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में भले स्थितियां ठीक नहीं दिखाई दे रहीं है, परंतु भारत में आंतरिक मजबूती के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था अभी भी विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई विकास बैंक, स्टैंडर्ड एवं पूअर आदि अंतरराष्ट्रीय रेटिंग संस्थानों ने भी वित्तीय वर्ष 2025-26 में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में विकसित हो रही विपरीत परिस्थितियों के बीच भी, भारतीय अर्थव्यवस्था के 6 प्रतिशत से अधिक की दर से आगे बढ़ने की सम्भावना व्यक्त की है।

दिनांक 7 फरवरी 2025 को अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत सबसे निचले स्तर अर्थात 87.44 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गई थी। इसके बाद धीरे धीरे इसमें सुधार होता हुआ दिखाई दिया है एवं अब दिनांक 30 अप्रेल 2025 को यह 84.50 रुपए प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। वहीं दिनांक 18 अप्रेल 2025 को भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी तेज गति से आगे बढ़ता हुआ 68,610 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है और यह दिनांक 27 सितम्बर 2024 के उच्चतम स्तर 70,489 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के बहुत करीब है। भारतीय रुपए की मजबूती एवं विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि ऐसे समय में हो रही है जब विश्व के समस्त देश अमेरिकी प्रशासन के टैरिफ युद्ध का सामना करते हुए संकट में दिखाई दे रहे हैं। परंतु, भारत पर टैरिफ युद्ध का असर लगभग नहीं के बराबर दिखाई दे रहा है। यह भी सही है कि हाल ही के समय में अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर पर दबाव बढ़ा है और अमेरिकी डॉलर इंडेक्स लगभग 109 के स्तर से नीचे गिरकर दिनांक 30 अप्रेल 2025 को 99.43 के स्तर पर आ गया है। शायद अमेरिका भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की मजबूती को कम करना चाहता है ताकि अमेरिका में आयात महंगे हों एवं अमेरकी निर्यातकों को अधिक लाभ पहुंचे। परंतु, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर पर दबाव के बढ़ने से सोने की कीमतों में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है और यह दिनांक 22 अप्रेल 2025 को अपने उच्चतम स्तर 3500 अमेरिकी डॉलर प्रति आउन्स पर पहुंच गई थी। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार भी धराशायी हुआ है और डाउ जोंस एवं अन्य इंडेक्स में भारी गिरावट दर्ज हुई है। अब ऐसा आभास हो रहा है कि ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों के विरुद्ध छेड़े गए टैरिफ युद्ध का विपरीत असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर होता हुआ दिखाई दे रहा है।

भारतीय रुपए के मजबूत होने के चलते भारतीय शेयर (पूंजी) बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशक एक बार पुनः अपना निवेश बढ़ाने लगे हैं एवं पिछले लगातार 8 दिनों से इन विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में शेयरों की भारी मात्रा में खरीद की है। जबकि, सितम्बर 2024 के बाद से विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार अपना निवेश निकाल रहे थे और इस बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों ने लगभग 3 लाख करोड़

रुपए के शेयरों की बिक्री भारतीय शेयर बाजार में की है। जिसके चलते भारतीय शेयर बाजार के निफ्टी इंडेक्स में लगभग 3500 अंकों की भारी गिरावट दर्ज हुई थी। परंतु, भारतीय संस्थागत निवेशकों, भारतीय म्यूचअल फण्ड एवं खुदरा निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में अपना निवेश बढ़ाकर भारतीय पूंजी बाजार को सम्हालने में मदद की है अन्यथा भारतीय शेयर बाजार क्रेश हो गया होता। परंतु, अब भारतीय शेयर बाजार में सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है एवं अब एक बार पुनः यह आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही के समय में निफ्टी इंडेक्स में लगभग 1500 अंकों की वृद्धि दर्ज हुई है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत के विदेशी व्यापार में लगभग 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। विभिन्न देशों को भारत से निर्यात 5.50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 82,093 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं वहीं अन्य देशों से भारत में होने वाले आयात 6.85 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 91,519 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं। निर्यात की तुलना में आयात में वृद्धि दर अधिक रही है जिसके चलते भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 9,426 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। व्यापार घाटे के बढ़ने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव बढ़ा और रुपया कमजोर हुआ। भारत में कच्चे तेल एवं स्वर्ण का आयात भारी मात्रा में होता है। मुख्य रूप से इन्हीं दो मदों की कीमतें भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ीं थी, जिसका प्रभाव भारत में अधिक आयात के रूप में दिखाई दिया है। परंतु, अब हर्ष की बात है कि कच्चे तेल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में 75 अमेरिकी डॉलर प्रति बेरल से घटकर लगभग 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बेरल पर नीचे आ गई है और स्वर्ण के महंगे होने के चलते स्वर्ण का आयात भी कुछ कम हुआ है। उक्त दोनों घटनाओं के परिणाम स्वरूप अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव कुछ कम होता हुआ दिखाई दे रहा है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में भले स्थितियां ठीक नहीं दिखाई दे रहीं है, परंतु भारत में आंतरिक मजबूती के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था अभी भी विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई विकास बैंक, स्टैंडर्ड एवं पूअर आदि अंतरराष्ट्रीय रेटिंग संस्थानों ने भी वित्तीय वर्ष 2025-26 में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में विकसित हो रही विपरीत परिस्थितियों के बीच भी, भारतीय अर्थव्यवस्था के 6 प्रतिशत से अधिक की दर से आगे बढ़ने की सम्भावना व्यक्त की है। जबकि यूरोप के कुछ देशों यथा जर्मनी, कनाडा आदि एवं ब्रिटेन तथा अमेरिका में मंदी की सम्भावनाएं स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रही हैं। अमेरिका में तो वर्ष 2025 की प्रथम तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) में आर्थिक विकास दर में 0.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। लगभग यही हाल यूरोप के कई देशों तथा जापान आदि का है। चीन की आर्थिक विकास दर में भी गिरावट आती हुई दिखाई दे रही है। यदि जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं में वर्ष 2025 एवं 2026 में गिरावट दर्ज होती है और भारतीय अर्थव्यवस्था 6 प्रतिशत की विकास दर हासिल कर लेती है तो बहुत सम्भव है कि वर्ष 2025 में जापान एवं वर्ष 2026 में जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व में अमेरिका एवं चीन के बाद तीसरे नम्बर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से आगे बढ़ने के पीछे भारत की आंतरिक मजबूती मुख्य भूमिका निभाती हुई दिखाई दे रही है। भारत में अभी हाल ही में महाकुम्भ मेला सम्पन्न हुआ है, इस महाकुम्भ में लगभग 66 करोड़ भारतीय मूल के नागरिकों ने पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई। इतनी भारी मात्रा में नागरिकों के यहां पहुंचने से भारतीय अर्थव्यवस्था को बल ही मिला है। महाकुम्भ में भाग ले रहे प्रत्येक नागरिक ने औसत रूप से यदि 2000 रुपए भी प्रतिदिन खर्च किए हों और प्रत्येक नागरिक ने औसतन कुल तीन दिवस भी महाकुम्भ में बिताएं हों तो भारतीय अर्थव्यवस्था को 396,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त लाभ पहुंचा है। रोजगार के लाखों अवसर निर्मित हुए हैं, यह अलग लाभ रहा है। आधारभूत सुविधाओं को विकसित किया गया जिसका लाभ आने वाले कई वर्षों तक देश को मिलता रहेगा। देश में धार्मिक पर्यटन भी भारी मात्रा में बढ़ा है जिसका प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत अच्छे रूप में दिखाई दे रहा है। धार्मिक पर्यटन एवं महाकुम्भ के चलते ही अब यह आंकलन हो रहा है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 की चतुर्थ तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हो सकती है।

संपादकीय

सार्थक रूप देना होगा

आखिरकार केंद्र सरकार ने बुधवार को देश में जातीय जनगणना कराने का चिर-प्रतीक्षित निर्णय ले लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में राजनीतिक मामलों की कैबिनेट की बैठक में जातीय गणना को हरी झंड़ी दी गई। यानी अगले वर्ष संभावित जनगणना के साथ ही जातीय जनगणना भी होगी। देश में आजादी के बाद पहली बार जातिवार गणना की जाएगी। पहलगाम कांड़ के बाद अचानक से लिये गए फैसले से हालांकि सियासी दलों से लेकर आमजन भी चौंक गए। क्योंकि अभी किसी को भी यह भान नहीं था कि सरकार इस तरह का कोई बड़ा फैसला लेगी। इससे पहले कई बार जाति सर्वेक्षण हुए हैं, लेकिन पूरी गणना नहीं की गई। स्वाभाविक तौर पर सरकार के इस कदम से सियासत में उबाल आ गया है। एक तरफ जहां विपक्ष इसे अपनी जीत बता रहा है वहीं सत्ताधारी भाजपा इतिहास का हवाला देकर कह रही है कि कांग्रेस ने हमेशा से जातिवार गणना का विरोध किया। बहरहाल, जाति भारतीय समाज की सचाई है। इसे न तो उपेक्षित रखा जा सकता है और न इसके खिलाफ जाया जा सकता है। जाति के आधार पर ही विकास के पैमाने तय होते हैं। जाति के आंकड़े. नियम बनाने और उन पर अमल करने के साथ ही देश के संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए बेहद जरूरी होते हैं। इससे इस बात की सटीक जानकारी हासिल होती है कि कौन सी जातियां तमाम नीतियों, सुविधाओं और आरक्षण के बावजूद किस हालत में है और उनमें इतने वर्षों के दरमियान किस तरह का बदलाव आया है। अलबत्ता, इस काम में पांच साल का विलंब हो चुका है। यहां तक कि गृह मंत्रालय ने अभी भी यह नहीं बताया है कि वृहद गणना किस तारीख से कराई जाएगी। अच्छा होता सरकार इस बारे में भी कैबिनेट की पहली बैठक में ही स्थिति साफ करती। जहां तक राजनीति की बात है, विपक्ष खासकर कांग्रेस इस मसले पर लगातार आक्रामक रुख अख्तियार किए हुए थी। वहीं राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव भी इसे अपनी जीत बता रहे हैं। चूंकि बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होना है, लाजिमी है इसका श्रेय लेने की होड़. मचेगी, मगर सभी-आम जन और सियासी दलों-को इस तथ्य पर ज्यादा गंभीर और संवेदनशील होना होगा कि इस फैसले को राजनीतिक जंजाल में न फंसाकर इसे सार्थक रूप देने की पहल करें।

जाति जनगणना विभाजन का नहीं, विकास का आधार बने

ललित गर्ग

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना के बाद मोदी सरकार लगातार पाकिस्तान को करारा जबाव देने की तैयारी के अति जटिल एवं संवेदनशील दौर में एकाएक जातिगत जनगणना कराने का निर्णय लेकर न विपक्षी दलों को बल्कि समूचे देश को चौकाया एवं चमत्कृत किया है। सरकार का यह निर्णय जितना बड़ा है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। मोदी सरकार का जातिगत जनगणना के लिए तैयार होना सुखद और स्वागतयोग्य है। पिछले कुछ समय से जातिगत जनगणना की मांग बहुत जोर-शोर से हो रही थी। कुछ राज्यों में तो भाजपा भी ऐसी जनगणना के पक्ष में दिखी थी, पर केंद्र सरकार का रुख इस पर बहुत साफ नहीं हो रहा था। अब अचानक ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राजनीतिक मामलों की उच्चस्तरीय कैबिनेट समिति की बैठक में यह फैसला ले लिया गया। बाद में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना भी शामिल रहेगी। यह कदम जहां देश के राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को बदलेगा, वही सामाजिक असमानताओं को दूर करने और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए लक्षित नीतियों को लागू करने में मील का पत्थर साबित होगा।

जातिगत जनगणना 1931 यानी अखंड भारत में अंग्रेजी सत्ता ने कराई थी। भारत में जनगणना की शुरूआत अंग्रेजी हुकूमत के दौर में, सन 1872 में हुई थी और 1931 तक हुई हर जनगणना में जाति से जुड़ी जानकारी को भी दर्ज किया गया। आजादी के बाद सन-1951 में जब पहली बार जनगणना कराई गई, तो तय हुआ कि अब जाति से जुड़े आंकड़े नहीं जुटाए जाएंगे। स्वतंत्र भारत में हुई जनगणनाओं में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति से जुड़े डेटा को ही पब्लिश किया गया। 2011 में मनमोहन सरकार ने जातिवार जनगणना कराई अवश्य, लेकिन उसमें इतनी जटिलताएं एवं विसंगतियां मिलीं कि उसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। इसके बाद कुछ राज्यों ने जातियों की गिनती करने के लिए सर्वे कराए, क्योंकि जनगणना कराने का अधिकार केवल केंद्र को ही है। हालांकि भाजपा ने बिहार में जाति आधारित सर्वे का समर्थन किया, लेकिन जातिगत जनगणना को लेकर वह मुखर नहीं रही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अवश्य इसका समर्थन किया। लेकिन अब एकाएक भाजपा को जातिगत जनगणना करना अपने हित में दिखाई दिया क्योंकि अपनी नीतियों एवं योजनाओं के बल पर भाजपा ने पिछड़ी जातियों और दलितों की गोलबंदी कर सत्ता का सफर आसान बनाया है।

जातिगत जनगणना का भारतीय राजनीति और समाज-व्यवस्था पर व्यापक एवं दूरगामी प्रभाव पडेगा। कांग्रेस और कुछ क्षेत्रीय दल इसकी पुरजोर मांग करने में लगे हुए थे। सबसे ज्यादा जोर राहुल गांधी दे रहे थे, जबकि नेहरू से लेकर नरसिंह राव तक ने इसकी जरूरत नहीं समझी। यह तय है कि जातिगत जनगणना कराने के फैसले पर जहां कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल इसका श्रेय लेना चाहेंगे, वहीं भाजपा इसे सामाजिक न्याय एवं समता-संतुलित समाज-निर्माण केंद्रित अपनी पहल बताएगी। जाति आधारित जनगणना सामाजिक न्याय में सहायक बनेगी या नहीं, लेकिन इससे जातिवादी राजनीति के नए दरवाजे खुलेंगे एवं आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राजनीति की धूरी बनेगा। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों ने अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक नजरिये से यह मांग इसलिए उठाई थी ताकि इस आधार पर आगे आरक्षण के मुद्दे को गमार्या जा सके और जातीय गोलबंदी कर चुनावी फायदा लिया जा सके। लेकिन भाजपा-सरकार ने जाति जनगणना का ऐलान कर इस मुद्दे को अपनी पाली में ले लिया है। भले ही इसके आंकड़े आने के बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग से भाजपा कैसे निपटेगी, यह बड़ी चुनौती उसके सामने है। वैसे भी इस तरह की पहल जिन राज्यों में हुई है, वहां भी इसे लेकर विवाद चल रहा है। ऐसे विवाद भाजपा के लिये एक नयी चुनौती बनेंगे। जाति आधारित जनगणना से भारतीय समाज के नये कोने-अंतरे-चुनौतियां सामने आयेगी। लेकिन जातिगत जनगणना के समर्थकों का मानना है कि यह सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। जनगणना में दलितों और आदिवासियों की संख्या तो गिनी जाती है और उन्हें राजनीतिक आरक्षण भी मिला हुआ है लेकिन पिछड़ी और अति पिछड़ी (ओबीसी और ईबीसी) जातियों के कितने लोग देश में हैं इसकी गिनती नहीं होती है। जनगणना एक बहुत बड़ी कवायद है और अगर इसमें जातिगत गणना को भी शामिल किया जा रहा है, तो काम और भी सावधानी एवं सतर्कता से करना होगा। हजारों जातियां हैं और उनकी हजारों उप-जातियां हैं। सबको अलग-अलग गिनने के लिए देश को अपनी डिजिटल शक्ति का उपयोग करना पड़ेगा।

निश्चित ही नयी राजनीतिक एवं नीतिगत स्थितियां समस्याएं खड़ी होगी। अब सभी जातियों की गिनती होगी। यह गिनती मुस्लिम, ईसाई और अन्य समुदायों में भी होनी चाहिए, क्योंकि कोई दावा कुछ भी करे, जाति और उसके आधार पर विभेद सब जगह है। इससे भी ज्यादा आवश्यक, बल्कि अनिवार्य यह है कि जातिगत जनगणना जातिवाद की राजनीति का हथियार न बने और वह भारतीय समाज को विभाजित न करने पाए। इस अंदेशे को दूर करने के कुछ ठोस उपाय होने ही चाहिए कि जाति आधारित जनगणना जातीय विभाजन का कारण न बनने पाए। यह अंदेशा इसलिए है, क्योंकि यह किसी से छिपा नहीं कि कई राजनीतिक दल खुले रूप से जाति की राजनीति करते हैं। माना जाता है कि देश की आबादी में 52 फीसदी लोग पिछड़ी और अति पिछड़ी जाति के हैं। ओबीसी समुदाय के नेताओं का मानना है कि इस हिसाब से उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी काफी कम है। राजनीतिक दल इन समुदायों का समर्थन हासिल करने के लिए जाति जनगणना का समर्थन कर रहे हैं।

भारत में जाति जनगणना आजादी के बाद रुकी, पर अब सामाजिक न्याय, नीतिगत सुधार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए इसकी जरूरत महसूस की जा रही है। पारदर्शिता और सावधानी से किया गया यह कदम समावेशी विकास का आधार बन सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जाति आधारित जनगणना को एक समतामूलक समाज निर्माण के दृष्टिकोण से समर्थन देने के संकेत दिए हैं। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि यह संवदेनशील मामला है और इसका इस्तेमाल राजनीतिक या चुनावी उद्देश्यों के लिए नहीं बल्कि पिछड़ रहे समुदाय और जातियों के कल्याण के लिए होना चाहिए। जाति जनगणना के आंकडे प्रस्तुत होने से राजनीति और ब्यूरोक्रेसी में पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों की हिस्सेदारी कितनी कम है, यह डर संभवतः भाजपा को सता रहा था। लेकिन भाजपा का यह डर या तो खत्म हो गया है, या फिर उसने बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में चुनावी लाभ लेने के लिए ये कदम उठाया है। भाजपा इसके खिलाफ थी, उसने जातिगत जनगणना को देश को बांटने की कोशिश करने वाला बताया था। लेकिन एनडीए में शामिल भाजपा की ज्यादातर सहयोगी पार्टियां इसके

मोबाइल : यही समय है 'लॉग आउट' करने का

सोनम लववंशी

सोचिए, सुबह की पहली किरण नहीं, बल्कि मोबाइल की स्क्रीन आपकी नींद खोलती है। दिन भर की चहल-पहल नहीं, बल्कि नोटिफिकेशन की गूंज आपके दिल की धड़कनों को दिशा देती है। अब तो रिश्तों की ऊष्मा भी स्क्रीन की रोशनी में घुलती जा रही है। हम इंसान, जो कभी संवाद में जिया करते थे, अब सिग्नल में सांस लेते हैं। हाल में जी-5 पर रिलीज हुई फिल्म 'लॉगआउट' ने न सिर्फ इस भयानक आदत की ओर इशारा किया है, बल्कि सीधे-सीधे उन लोगों के गाल पर करारा तमाचा जड़ा है, जो अब तक स्मार्टफोन को अपना सबसे अच्छा दोस्त मान बैठे थे। फिल्म खत्म होने के बाद वे सिनेमा हॉल में चुप बैठे रहे। शायद वे अपने ही अंदर किसी खामोश चीख को सुन रहे थे।

वर्तमान समय में एक औसत भारतीय दिन के 7 घंटे से अधिक मोबाइल स्क्रीन पर बिताता है। अगर इसमें लैपटॉप, टीवी और अन्य डिजिटल उपकरण भी जोड़ दें, तो आंकड़ा 10 घंटे के पार जा पहुंचता है यानी एक व्यक्ति अपनी जिंदगी का लगभग आधा हिस्सा वर्चुअल दुनिया में गंवा देता है। यह वही समय है, जब वह अपने बच्चे को कहानी सुना सकता था, मां का हालचाल पूछ सकता था या खुद से कोई पुरानी किताब निकाल कर मन के कोनों को साफ कर सकता था।

मोबाइल की लत को हम 'स्मार्ट' होने का प्रतीक मान बैठे हैं। अजीब विडंबना है कि जिस यंत्र ने हमें पूरी दुनिया की जानकारी देने का वादा किया था, उसने हमें अपनों से ही बेखबर कर दिया है। अब खाना खाते समय 'रोटी' से ज्यादा 'रील' जरूरी हो गई है। बच्चों की पहली चाल की तस्वीर भी अब कैमरे के लिए होती है, यादों के लिए नहीं। अध्ययन बताते हैं कि स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताने से न सिर्फ नींद कम होती है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर पड़ता है। डिजिटल डिप्रेशन, सोशल मीडिया एंग्जायटी, और फोमो आज फीयर ऑफ मिसिंग आउट जैसे नये विकारों ने शहरी युवाओं के मन-मस्तिष्क पर हमला बोल दिया है।

इंसान अब 'अकेले' नहीं रह सकता क्योंकि उसे हमेशा 'ऑनलाइन' रहना है। एक क्लिक से दुनिया बदलने की शक्ति रखने वाला आज खुद एक क्लिक का गुलाम बन चुका है। यहां यह भी समझना दिलचस्प होगा कि सोशल मीडिया कंपनियां जानबूझ कर इन प्लेटफॉर्म्स को डोपामिन ट्रिगर के अनुसार डिजाइन करती हैं। आपको एक नोटिफिकेशन मिलेगा, दिमाग खुश होगा, और आप फिर बारम्बार उसी प्रतिक्रिया की तलाश में वहां लौटेंगे। यह कोई संयोग नहीं है कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक जैसी कंपनियां आपको ह्यस्क्रॉलिंग के नशे' में बांधने के लिए मनोवैज्ञानिक तकनीकों का इस्तेमाल करती हैं। मगर दोष सिर्फ तकनीक का नहीं, हम खुद भी तैयार बैठे हैं अपने समय, ध्यान और जीवन को दांव पर लगाने के लिए। डिजिटल डिटॉक्स की बात करने वाले लोग भी एक तस्वीर अपलोड करने के बाद 50 बार चेक करते हैं कि कितने लाइक आए। आत्ममुग्धता और दिखावे की इस दौड़ में हम न सिर्फ खुद को खो चुके हैं, बल्कि अगली पीढ़ी को भी 'डिजिटल नशा' की लत लगा चुके हैं। 'लॉगआउट' जैसी फिल्में हमें सिर्फ एक कहानी नहीं दिखातीं, वह हमें आईना दिखाती है, वो आईना जिसमें हमारा चेहरा नहीं, बल्कि झुकी हुई गर्दन, थकी आंखें, और हमेशा व्यस्त रहने का भ्रम दिखाई देता है।

ऐसे में अब समय है सवाल पूछने का, वह भी अपने आपसे कि क्या हम अब भी सोचेंगे कि स्क्रीन टाइम एक निजी पसंद है, या इसे एक सामाजिक खतरे के रूप में देखेंगे? क्या हम अब भी मोबाइल को बच्चे का खिलौना समझ कर उसकी जड़ों में 'स्क्रीन का

जहर' घोलते रहेंगे? क्या हम 'कनेक्टेड' रह कर भी खुद से 'डिसकनेक्टेड' ही बने रहेंगे? समय की मांग है कि हम 'लॉगआउट' की पुकार को सिर्फ एक फिल्म का संदेश न समझें, बल्कि इसे जीवन में बदलाव लाने का एक अवसर भी मानें क्योंकि अगर अब भी हम नहीं जागे, तो वो दिन दूर नहीं जब इंसान की पहचान सिर्फ एक 'यूजरनेम' तक सीमित रह जाएगी और तब हम सभी को पूछना पड़ेगा क्या हमने तकनीक को अपनाया था, या तकनीक ने हमें निगल लिया? इसीलिए शायद यही सही समय है.'लॉगआउट' करने का।

चिंतन-मनन

राजा की उदारता

राजा भोज के नगर में एक विद्वान ब्राह्मण रहते थे। एक दिन गरीबी से परेशान होकर उन्होंने राजभवन में चोरी करने का निश्चय किया। रात में वे वहां पहुंचे। सभी लोग सो रहे थे। सिपाहियों की नजरों से बचते हुए वह राजा के कक्ष तक पहुंच गए। स्वर्ण, रत्न, बहुमूल्य पात्र इधर-उधर पड़े थे। किंतु वे जो भी वस्तु उठाने का विचार करते, उनका शास्त्र ज्ञान उन्हें रोक देता। ब्राह्मण ने जैसे ही स्वर्ण राशि उठाने का विचार किया, मन में स्थित शास्त्र ने कहा- स्वर्ण चोर नर्पगामी होता है। जो भी वे लेना चाहते, उसी की चोरी को पाप बताने वाले वाक्य उनकी स्मृति में जाग उठते। रात बीत गई पर वे चोरी नहीं कर पाए। सुबह पकड़े जाने के भय से ब्राह्मण राजा के पलंग के नीचे छिप गए। महाराज के जागने पर रानियां व दासियां उनके अभिवादन हेतु प्रस्तुत हुई। राजा भोज के मुंह से किसी श्लोक की तीन पंक्तियां निकली। फिर अचानक वे रुक गए। शायद चौथी पंक्ति उन्हें याद नहीं आ रही थी। विद्वान ब्राह्मण से रहा नहीं गया। चौथी पंक्ति उन्होंने पूर्ण की।

महाराज चौंके और ब्राह्मण को बाहर निकलने को कहा। जब ब्राह्मण से भोज ने चोरी न करने का कारण पूछा तो वे बोले- राजन्, मेरा शास्त्र ज्ञान मुझे रोकता रहा। उसी ने मेरी धर्म रक्षा की। राजा बोले- सत्य है कि ज्ञान उचित-अनुचित का बोध कराता है, जिसका धर्म संकट के क्षणों में उपयोग कर उचित राह पाई जा सकती है। राजा ने ब्राह्मण को प्रचुर धन देकर सदा के लिए उनकी निर्धनता दूर की दी।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Navigating IIT dream

A teenager studying for 12-14 hours a day at a coaching centre hopes to get into the best engineering college and land a job in a multinational company. The sheer joy of getting into an IIT makes all the hard work worth it. The well-oiled machine, perfect in calculations, is now well on its way to success. Yet, even before the sheen wears off, the machine starts stuttering, struggling to cope with falling grades and a wearying knowledge of a growing burden. The setting up of a national task force by the Supreme Court in March to investigate the suicides is a recognition of the pressures that students face as they fight to stay in the race.Stepping into the competitive world reveals the baggage of every student — a huge financial and emotional investment that builds on the dream of a powerful future. However, while admission to an IIT is seen as a sure ticket to success, what the student faces, once in, is a microcosm not very different from the world outside. While accusations of casteism, language barriers and social isolation lurk in most corridors, a life snuffed out after months of silent cries for help reflects the effect of the aspirational burden on critical thinking and basic life skills. The result? Committees that highlight individual mental health problems while giving a clean chit to the structure that fails to identify such problems in the first place.Many IITs have a psychiatrist and a counsellor who advise students, but the grades do not reflect the development needed. The recent suicide by a BTech student at IIT-Ropar highlights the plight of students who give in to the pressures.

Statistics reveal that most students who opted out of life belonged to marginalised sections of society and failed to achieve grades that would attract the best in the corporate world. It would generally leave you with a huge debt and the social ostracisation of being at the bottom would mean that you were no longer part of the elite.What is worrisome is the lack of support. An RTI filed by Dheeraj Singh, founder of the Global IIT Alumni Support Group, in 2023 revealed that more than 115 students had died by suicide in IITs since 2005.What leads to students taking the extreme step? Is it more a cry for help than a genuine desire to give up? However, suicide is usually a spontaneous action, which many regret, albeit too late. "I hope my life is saved," the student admitted to the PGIMER, Chandigarh, whispered in his final days.

Struggling alone becomes a causal factor to obfuscate rational decision-making. It is critical to identify the problem at this stage.While the JEE Mains is now conducted in 13 languages, once the student is admitted to BTech, he is expected to be on a par with his peers fluent in English. A general language course rarely helps a student for whom the extra year of study is also a burden in terms of opportunity cost. A few private universities do invest in a language trainer. However, lack of empathy for students on the margins makes the "reserved category" a pejorative identity marker.

Another factor is individual resilience. For most students, engineering is a ticket for social mobility. It is the vulnerable few who need help. Academic pressure is compounded by expectations, and the inherent hierarchy that marks colleges in India can crush the softer spirit. Mental health surveys would identify dangers.

Is the performance tracked of candidates who took the exam in native languages? Is there equity in placements? Should there be a minimum grade in English for admissions? How far does the system build resilience? The government must consider these questions. For, students are our assets.

Don't miss the chip bus again

Covid-triggered shortage was the first wake-up call; the tariff war is the second warning

THE tariff war triggered by the aggressive trade policies of US President Trump has again brought into focus the semiconductor industry. Semiconductor chips are the backbone of products ranging from automobiles to missiles, and their supplies are mired in complicated global chains. While China and other East Asian countries like South Korea, Japan and Taiwan are key players in the semiconductor supply chains, the inclusion of Canada and Mexico as well in Trump's protectionist mission has surprised many.Several semiconductor products from destinations like China and Taiwan are routed through Mexico and Canada for manufacturing or packaging and end products meant for American and other markets. Besides semiconductor manufacturing, China also controls the milling and refining of rare earth metals that are critical for high-tech products like mobile phones and electric vehicle batteries.The shortage of semiconductor chips during the Covid-19 pandemic five years ago was a wake-up call. The disruption in the global supply chains resulting from the stoppage of production for a few weeks led to a drop in manufacturing of consumer products like cars, mobile phones and washing machines in several countries as the supply of chips went down. Now, the production lines are not threatened with closure, but higher tariffs are bound to increase the prices of products with embedded chips. The scenario about the supply of rare earth materials and the Chinese threat to restrict the supplies is still emerging and fuller impacts may become clear over the next few months.

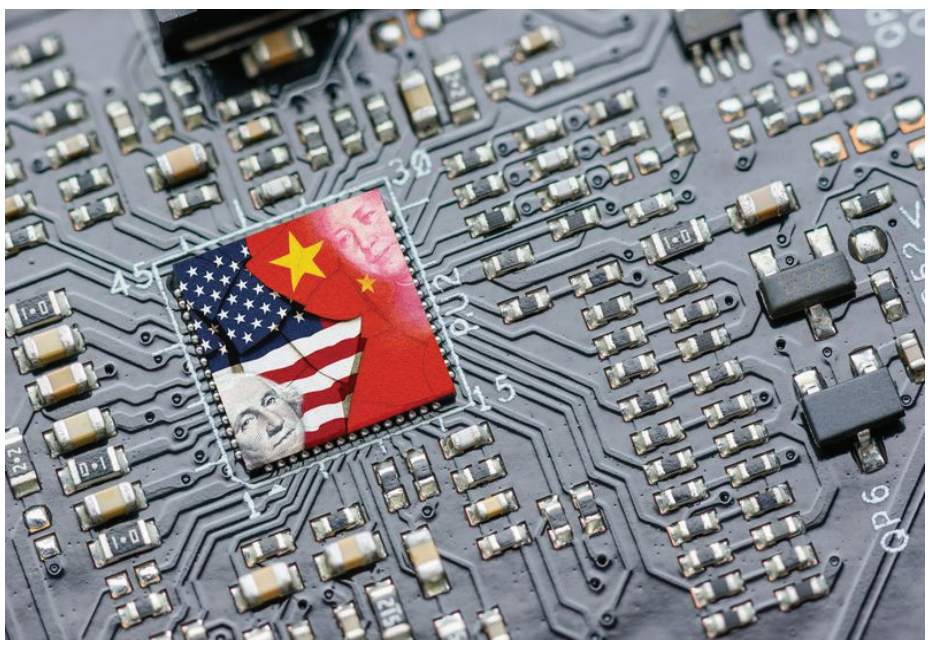

In response to the pandemic situation, several steps were initiated in India in this strategic sector. It was realised that India's share in the global electronics design and manufacturing industry worth $2 trillion was minuscule at $100 billion. Moreover, just a fraction of it was value addition since India lacked local semiconductor manufacturing and the Indian industry is merely engaged in system integration and assembly. This is despite the country possessing good strength in silicon design with several design groups working for global chip companies.

To promote local manufacturing and reduce reliance on global supply chains, the government initiated the India Semiconductor Mission (ISM) in 2021. Since semiconductor manufacturing of any kind is highly capital-intensive, the mission envisaged capital subsidies of up to 50 per cent to attract private companies. The Production Linked Incentive (PLI) scheme covered semiconductor foundries, Assembly, Testing, Marking and Packaging (ATMP) or Outsourced Semiconductor Assembly and Test (OSAT) facilities and display fabrication facilities. In the past four years, the Central Government has sanctioned subsidies worth Rs 76,000 crore under this PLI and the first chip is supposed to roll out this year.However, silicon fabrication activities like OSAT are not at the high end or cutting edge of semiconductor manufacturing, but low-hanging fruit which, at best, allow a toehold in the global chip business. With these technologies, India will not be able to catch the semiconductor bus it had missed decades ago. India entered this field much ahead of Taiwan, with investments in Bharat Electronics Limited in the 1960s and Semiconductor Limited (SCL) in the 1980s. It could not keep pace with fast-changing technology because requisite investment was not made in research and development (R&D) and SCL took a long time recovering from the devastating fire it suffered in 1989.

With ISM, a new beginning has been made, but India could lag the second time around by repeating the mistake — neglecting R&D. Deliberations of the scientific community since the pandemic have repeatedly pointed this out. India stands at the fifth position globally in producing scientific knowledge relevant to electronics and semiconductors with a smaller number of scientists working in this field compared to America. "This needs to be leveraged and funnelled towards industrial R&D with appropriate engagements with commercial semiconductor fabs. A serious and sustained R&D investment is a must to ensure that India doesn't repeat the mistakes of the past, while also ensuring that India becomes self-reliant in the R&D feed for semiconductor manufacturing entities," said the group of scientists in their recommendations to the government in 2022.

Specifically, scientists suggested the creation of an R&D fab to develop and test emerging technologies like using two-dimensional materials like graphene and Transition Metal Dichalcogenides (TMDCs) instead of silicon. A group led by Mayank Shrivastava, a professor in the Department of Electronics Systems Engineering at the Indian Institute of Science, Bangalore, proposed a blueprint for a national R&D centre dedicated to 2-D materials. He envisaged that it should be developed on the lines of 'early day Intel or Bell Labs' when silicon technologies were at a nascent stage. The centre should be headed by a technocrat and work with other academic groups as well as industry partners.

The precedent to establish such mission-oriented R&D centres already exists. The Centre for Development of Telematics (C-DOT) was established in 1984 to develop a digital telephone exchange. It was given a budget of Rs 36 crore and a timeframe of 36 months, and it delivered. The centre was headed by a technocrat, Sam Pitroda, and not an officer of the telecom department. Then came the Centre for Development of Advanced Computing to develop a supercomputer.It is time to take a similar mission approach for the R&D fab. This is the only way India can jump the silicon roadmap and ensure a place for itself when post-silicon technologies mature. Shrivastava's proposal was backed by the officer of the Principal Scientific Advisor, but is yet to get the final go-ahead. Since the proposal was made three years ago, the global semiconductor industry has already made good progress with 2-D material-based technologies. It is projected that these technologies will progress faster than the pace at which silicon did. The first commercial products based on 2-D materials are expected to be out in another two years. The pandemic-triggered chip shortage was the first wake-up call. Now, the tariff war has come as the second warning. If we don't act fast, we are bound to miss the semiconductor bus again.

No proxies, please

Gurugram fumbles, Fatehabad village girls lead

THE cancellation of Gurugram Municipal Corporation Mayor Raj Rani Malhotra's husband's appointment as her 'advisor' has cast fresh light on an old malaise: the persistence of patriarchal influence in women's political representation. The backlash to Tilak Raj Malhotra's appointment serves as a rare institutional pushback against the notorious 'sarpanch pati' culture — where elected women are relegated to ceremonial roles while their husbands wield real power. This proxy culture is not new. Despite the constitutional promise of empowerment through the 73rd Amendment and reservation of seats for women in panchayati raj institutions, the reality in many parts of India, especially in patriarchal belts like Haryana, is far from transformative. Women, though elected, are often treated as stand-ins for their male relatives — an arrangement both tolerated and, until recently, institutionally accepted.Yet, a glimmer of hope shines through in the same state where this controversy erupted. Last week, Haryana witnessed the formation of its first Girls' Panchayat in Fatehabad's Barseen village, led by 21-year-old Astuti Kamboj. The symbolic body comprising girls aged 11-21 aims to foster leadership and civic awareness among young girls, preparing them for meaningful political participation, to be real leaders rather than placeholders.The contrast is striking: on one hand, entrenched patriarchy tries to assert itself in the power corridors of an urban municipal corporation; on the other, rural girls are being trained to claim their space in the political process. The system must widely shun symbolic representation through familial proxies and encourage genuine participation by women and girls. The cancellation of the Gurugram appointment must not be treated as a one-off. It should set a precedent against male backseat drivers in governance. Empowerment means letting women lead, not just hold office.

China's calculated neutrality on Pahalgam

China prefers the status quo — continuing tensions between India and Pakistan short of war, which would gradually drain both countries.

CHINA has issued a series of statements in the wake of the terrorist attack in Pahalgam. How do we interpret these and what do they tell us about how it views India and Pakistan?The first report of the attack by Chinese state-run Xinhua on April 22 did not refer to it as a terrorist attack but as "tourists killed", and an "ambush" in "Indian-controlled Kashmir." The report was largely matter-of-fact even if both Indian Prime Minister Narendra Modi and "the region's incumbent Chief Minister" Omar Abdullah were quoted as condemning it. It concludes noting: "A guerilla war has been going on between militants and Indian troops stationed in the region since 1989."It is only subsequently that the headlines and text change, with "UN Security Council condemns terror attack in Indian-controlled Kashmir" in the headline, "terrorist attack in Kashmir", and "terrorism and extremism." But even so, these are not the same thing as saying that China holds Pakistan responsible. In fact, China consistently attempts to portray a picture of neutrality, saying it "hopes India and Pakistan will exercise restraint, work in the same direction, handle relevant differences properly through dialogue and consultation, and jointly uphold peace and stability in the region."This 'neutrality', however, does two things with respect to India.One, it hyphenates India and Pakistan in status as the Chinese — and Pakistanis — have always wished the rest of the world would. China does not see India as its equal or a competing power while Pakistan sees itself as India's equal. New Delhi's own difference in responses to provocations by China and Pakistan, in fact, tends to reinforce this perception. India had a rather weak-kneed military response following the Galwan incident in 2020. By contrast, it has been relatively more ready for kinetic responses to go with its rhetoric when Pakistan has been the aggressor.China has also used foreign interlocutors to highlight this hyphenation, referring, for example, to the Egyptian Foreign Minister calling for "calm and self-restraint" in phone calls with his Indian and Pakistani counterparts.Two, Beijing is also shifting responsibility to India by urging "restraint" and asking both countries to "jointly uphold peace and stability in the region." By calling for an "impartial investigation", China is making clear that it does not buy India's version of events. And nor can it, given that its rivalry with India is structural.Once again, Indian rhetoric and domestic politics involving Pakistan offer opportunities to China to exploit the India-Pakistan divide and to keep India off balance.There is a third effect that Chinese neutrality has, but this time with respect to Pakistan. While it is easy enough to conclude that India is the target, Beijing is also conveying a message to Pakistan by not wholeheartedly supporting the latter either.For long now, Chinese support to Pakistan on political and foreign policy issues has been largely rhetorical. While Beijing has blocked Indian attempts to get Pakistan-based terrorists sanctioned at the UN, it has also used such support to put pressure on Islamabad and Rawalpindi to address China's own concerns on what it perceives to be terrorism by Uyghurs from its Xinjiang region as well as attacks against Chinese workers in Pakistan.In other words, Chinese support for Pakistan is increasingly part of a transactional approach. This should not be surprising. American support to Pakistan has dwindled following the Afghanistan drawdown. While the economic relationship has grown with the China-Pakistan Economic Corridor (CPEC), China's exposure is also not as great as it is often portrayed — most figures for Chinese investments in Pakistan as part of the corridor are wildly exaggerated.

In a Xinhua article published just a few hours before its report on the Pahalgam attack, the CPEC was called "a transformative initiative" but the figures were more telling — it had only "created over 75,000 jobs in Pakistan and attracted more than 26 billion U.S. dollars in investment." These are poor figures for a country of over 250 million people and after 10 years of the project.China might not want a full-blown India-Pakistan conflict for several reasons, including the possible return of the US to the region in some form or fashion and this time, most likely on the Indian side. This would mean that China would have to take sides with the Pakistanis. Apart from the lack of any real political or economic gain from such backing, the Chinese probably also do not want to complicate ties with either the US or India at this moment.

Despite its retaliatory measures aginst the US in the trade war and the aggressive rhetoric, Beijing is also concerned about longer-term implications for its economy and has kept the door open for negotiations with the Americans. The current Chinese thaw with the Indians has at least partly to do with concerns with the Donald Trump administration in the US and is too recent for the Chinese to want to complicate with anything more than the sort of signals outlined above.

No wonder then that Chinese Foreign Minister Wang Yi's phone call with his Pakistani counterpart ended by saying that "conflict does not serve the fundamental interests of either India or Pakistan."At the same time, if eliminating terrorism from Pakistan requires the weakening of the Pakistani military and if such weakening were to lead to an improvement of India-Pakistan ties or a strengthening of western-style democracy, then China will be opposed to this too. China's ruling communists view democratic consolidation anywhere as threatening their own regime stability.In short, China prefers the status quo — continuing tensions between India and Pakistan short of war, which would gradually drain both countries, distracting India from preparing for the China challenge and keeping Pakistan dependent on China's largesse.

NPS Vatsalya: Invest min wage per month and create this eye-popping pool

Kolkata: Building a corpus of Rs 1 crore as retirement corpus is considered quite feasible now. However, multiplying that amount by 20 is something absolutely incredible. But believe it or not, the NPS Vatsalya scheme that was inaugurated in September 2024 by finance minister Nirmala Sitharaman is a scheme that can actually allow a parent to pave the way for building such a massive post=retirement amount for his/her son/daughter. With the help of an NPS Vatsalya account, one can start building a pension account even for a kid who is only a few weeks old.Significantly, the parents/guardians of more than 1 lakh babies have enrolled for the NPS Vatsalya scheme, Pension Fund Regulatory & Development Authority (PFRDA) chairperson Deepak Mohanty said a few weeks ago. NPS Vatsalya scheme encourages accountholders not to withdraw any money from the account even though it is possible for a person to withdraw a certain amount from the account when the accountholder turns 18. There is a very good reason for the experts to discourage withdrawals. Let's take a closer look.What is the amount of NPS Vatsalya Rs 5,000 per month

To get an idea of the immense compounding power for NPS Vatsalya scheme, let's do a small calculation with an online NPS Vatsalya calculator which is available free online. The floor level of minimum wage was Rs 5,340 per month last year. Let's take this as a monthly investment in NPS Vatsalya and try to calculate the corpus. Suppose a kid is born on January 1, 2025. If the far-sighted parents of this kid opens an NPS Vatslaya account and starts investing this amount every month diligently, the amount of money that will accumulate in the corpus by the time the kid turns 60 will be — hold your breath — Rs 21,39,18,138, or Rs 21.39 crore.By the way, the corpus when the kid turns 18 will be Rs 32,14,195 or Rs 32.14 lakh. According to the rules, one can withdraw up to Rs 2.5 lakh as a lump sum (with the remainder in a pension plan). This calculation assumes a 10% rate of return on investments.

Documents needed to open NPS Vatsalya account

Is NPS Vatsalya a good investment? — this question is a common poser for many citizens. One of the challenges for this scheme is the very long period over which one has to keep up disciplined investment.

CBDT Notifies New ITR Form 5 For 2025-26 With Key Updates

New Delhi. The Central Board of Direct Taxes (CBDT) has issued Notification No. 42/2025, dated May 1st, 2025, unveiling the new Income Tax Return (ITR) Form 5 for the Assessment Year 2025-26, the Income Tax Department said on its official X (formerly known as twitter) page.The income tax department highlighted various changes, one of the most notable revisions in ITR Form 5 is the introduction of a split within the Schedule-Capital Gain. This new structure mandates taxpayers to report capital gains before and after July 23rd, 2024.The form now allows the reporting of capital loss incurred on share buybacks. However, this allowance is conditional upon the corresponding dividend income from these buybacks being declared as "income from other sources," particularly for transactions occurring after October 1st, 2024.Furthermore, ITR Form 5 has a new addition of a specific reference to the section 44BBC of the Income Tax Act. Another key update is the requirement to specify the Tax Deducted at Source (TDS) section code within Schedule-TDS.

Recently, the Income Tax Department has introduced the 'e-Pay Tax' feature on its official online portal to facilitate the taxpayers by easing various processes, according to the CBDT. Additionally, in the July 2024 Budget, the government proposed a comprehensive review of the Income-tax Act of 1961. The purpose was to make the Act concise and lucid, thereby reducing disputes and litigation.

Market Volatility To Stay Due To Geopolitical Tensions, Q4 Earnings Season: Analysts

Mumbai. Benchmark indices ended with marginal gains in a highly volatile session on May 2 and volatility is expected to stay elevated due to ongoing geopolitical tensions, developments related to tariffs, and the unfolding Q4 earnings season and major US economic data points, analysts said on Saturday. The Nifty on Friday opened strong and surged to an intraday high of 24,589 in the first half of the session. However, profit booking at higher levels erased those gains, leaving the index to close nearly flat. The Nifty finished the day up 12.50 points, or 0.05 per cent, at 24,346.70. For the week, the BSE Sensex gained 1.6 per cent, while the Nifty50 rose 1.2 per cent. The BSE Midcap index declined 0.4 per cent and the Smallcap index ended flat," said a note from Bajaj Broking Research.Among sectoral performers, media, energy, IT, and oil & gas posted gains of 0.3–0.7 per cent. On the other hand, power, metal, telecom, pharma, realty, and consumer durables sectors saw losses ranging from 0.5 to 2 per cent.According to Dhupesh Dhameja, Derivatives Research Analyst, SAMCO Securities, Nifty continues to display signs of hesitation at elevated levels, repeatedly getting knocked back from crucial resistance zones and producing intraday fake-outs, indicating a period of consolidation amid fading momentum.

This marks the seventh consecutive session where Nifty has been locked in a choppy range, failing to conquer overhead resistances, underscoring persistent supply pressure and an undercurrent of caution in the broader market mood.

Going ahead, Nifty is expected to extend consolidation in the range of 24,550-23,800. With 23,800 being the confluence of last week's low and recent breakout area. While 24,550 is the 61.8 per cent retracement of the entire decline (26,277-21,744)," according to Bajaj Broking Research.

Inflation, high hotel prices curtail Japan's annual 'Golden Week' holiday period

A poll by major travel agency JTB showed last month that 20.9 percent of its respondents will or "probably" will go on a trip during Golden Week, down 5.6 percent from last year.

TOKYO. Japan's annual "Golden Week" holiday period gets into full swing Saturday, but inflation and hotel prices sent soaring by record inbound tourism have left domestic travellers less eager to pack their bags.Traditionally, Golden Week -- which includes three consecutive public holidays -- gives Japanese workers one of their longest breaks in the year, with many taking the opportunity to see other parts of Japan or to travel abroad.

The Japanese yen has lost around a third of its value since 2022, one factor behind the record number of foreign tourists also lured by the country's numerous attractions from Mount Fuji's majestic slopes to shrines and sushi bars.The inflow of tourists has sent demand for hotel bookings spiralling upward, with the room rate in Japan's five major cities around 16 percent more expensive at the onset of this year's Golden Week than last year, according to a survey from the business daily Nikkei.ll this has translated into a tepid desire among Japanese residents to travel for this year's Golden Week, surveys have shown. The latter part of the holiday period began Saturday and lasts until Tuesday."The biggest reason seems to be the inflation that has curtailed their willingness to spend lavishly", Atsushi Tanaka, a tourism studies professor at Yamanashi University, told AFP.

"Because the inbund tourism is booming so much, hotel operators don't need to lower their accommodation prices, which is making it harder for Japanese people to travel," Tanaka added.

'Financial burdens'

A poll by major travel agency JTB showed

last month that 20.9 percent of its respondents will or "probably" will go on a trip during Golden Week, down 5.6 percent from last year.Another survey by marketing research firm Intage similarly found last month that the percentage of those planning to travel domestically during the holiday period dipped by two percent from a year earlier to 13.6 percent.While factors like a desire to avoid crowds are also at play, "the tendency to refrain from going out due to financial burdens" seems to be growing, Intage said.

When it comes to travelling abroad, that is verging on being an "unattainable luxury", it said.The same study, however, showed the average budget for Golden Week outings this year has edged up to $201 from $192, underscoring holidaymakers' acceptance of the status quo.

"It shows they are resigned to the fact that it just costs them more this year to do anything," Intage's Motohiro Shimogawara told AFP.Japan logged more than 36.8 million tourist arrivals in 2024, topping 2019's record of nearly 32 million.The government has set an ambitious target of almost doubling tourist numbers to 60 million annually by 2030.But as in other global tourist magnets like Venice in Italy, there has been growing pushback from residents against overtourism.

India bans imports from Pak, bars port access in tough moves post Pahalgam

NEW DELHI. In tough moves in retaliation to the Pahalgam terror attack, India has banned direct or indirect import of goods from Pakistan and barred access of Pakistani ships to Indian ports. While direct imports from Pakistan have been minuscule, some goods were entering the country through indirect channels or via third countries.As per the Commerce Ministry notification, a newly added provision in the Foreign Trade Policy (FTP) mentions prohibition of "direct or indirect import or transit of all goods originating in or exported from Pakistan with immediate effect until further orders".The notification said the provision was imposed in the interest of national security and public policy.Another order by the Directorate General of Shipping said any ship bearing the flag of Pakistan won't be allowed to visit any Indian port."This order is issued to ensure the safety of Indian assets, cargo and connected infrastructure, in the public interest and for the interest of Indian shipping," the order said.TRADE COMES TO A HALTTrade has become the first casualty amid the escalating India-Pakistan tensions, with New Delhi already announcing the closure of trade through the Attari-Wagah border - the only land border crossing between the two countries.

In a tit-for-tat measure, Pakistan has also suspended all trade with India.

Direct trade between the two countries had already come down sharply after India withdrew the Most Favoured Nation (MFN) status from Pakistan after the Pulwama attack in 2019 that left over 40 soldiers dead.

The Attari-Wagah border saw trade worth Rs 3,886.53 crore in 2023-24. India's strategic moves are expected to have a severe economic impact on small traders and manufacturers in Pakistan.While India's imports from Pakistan have been minuscule in recent years, some goods are routed through ports in Dubai, Singapore and Colombo to beat trade restrictions.

As per data, in 2023-24, India imported goods, mainly agricultural commodities, worth USD 3 million from Pakistan.However, Pakistan is dependent on India for pharmaceutical supplies. With India halting all forms of trade, a rattled Pakistan has earnestly started looking at alternative avenues to meet its pharmaceutical needs.

Illicit trade costing Pakistan Rs 3.4 trillion: Report

Islamabad. Pakistan is losing Rs 3.4 trillion, including a nearly 30 per cent loss because of misuse of the Afghan Transit Trade facility due to illicit trade, according to a report. The losses estimated by the Policy Research Institute of Market Economy (PRIME) in its report titled "Combatting Illicit Trade in Pakistan" are equal to 26 per cent of this fiscal year's annual tax target, reported Tribune newspaper.

The report estimates an annual tax revenue loss of Rs 3.4 trillion on account of an estimated USD 123 billion informal economy, according to the report released on Thursday. It underlined that the illicit trade has emerged as a critical challenge for Pakistan's economy, undermining formal businesses, eroding government revenues, and jeopardising consumer safety.From smuggled petroleum and counterfeit pharmaceuticals to non-tax-paid cigarettes and under-invoiced consumer goods, illicit trade has entrenched itself across key sectors, it added. The country's intelligence and investigation agencies have recently pointed fingers towards the customs officials facilitating the smuggling and under-invoicing. The estimated revenue loss from Afghanistan Transit Trade is Rs 1 trillion, according to the report.After making stringent conditions to curb smuggling under the transit trade, Pakistan last month relaxed the conditions by allowing the import of Afghanistan-bound goods against insurance guarantees. PRIME said that the smuggling of oil was causing Rs 270 billion in losses. The report has estimated the volume of smuggled Iranian oil at 2.8 billion litres. The government charges Rs 16 per litre customs duty and a petroleum development levy of Rs 78 per litre, a reason for smugglers to shift towards the smuggled oil to make higher profits.

While commenting on the size of the informal economy, the report stated that independent experts consider the size of the informal economy to be one-third of the formal economy. According to the Small and Medium Enterprise Development Authority, the informal economy has a market share of more than 40 per cent of the GDP. High customs duties, complex tariff regimes, inflation, and a growing informal economy incentivise businesses and consumers to move away from the formal sector, according to the report.Regulatory inconsistency and protectionist trade policies further add to the cost of doing legal business. Simultaneously, porous borders, outdated customs infrastructure, and limited inter-agency coordination allow the unchecked movement of illicit goods, it added. According to the 2025 Illicit Trade Index, Pakistan ranks 101 out of 158 countries, performing below global and regional averages due to systemic weaknesses in governance, enforcement, and economic policymaking, according to the report.

Vande Bharat Express: Indian Railways to roll out fifth 20-coach train; know details

Kolkata. Come May 8 and Indian Railways will roll out a 20-coach Vande Bharat Express, the fifth route to be serviced by the modern, mammoth train. It will run between the crowded route between Chennai Egmore and Nagercoil. The new train will replace the 16-coach Vande Bharat Express that runs on this route and thereby benefit professionals plying between these two centres, regular travellers, businessmen as well as students.The distance between Chennai Egmore and Nagercoil is 727 km and the train is scheduled to cover it in 8 hours 50 minutes. The train number is 20627/20628. Needless to mention, it is the fastest train on this route. The train runs six days a week. There is no service on Wednesday.Timing, stoppages, fareAccording to Indian Railways, the stoppages for this train are Tambaram, Villupuram Junction, Tiruchchirapali, Dindigul Junction, Madurai Junction, Kovilpatti, and Tirunelveli Junction. The 20-coach train (20627) will leave Chennai Egmore at 5:00 am and reach Nagercoil Junction at 13:50 hours (1:50 pm). Train number 20628 will leave Nagercoil Junction at 14:20 hours (2:20 pm) and reach Chennai Egmore at 23:00 hours (1 pm).

Like any other Vande Bharat Express, the Chennai Egmore-Nagercoil Vande Bharat Express train has two seating modes: AC chair car and executive chair car. One has to pay Rs 1,760 for AC chair car and Rs 3,240 for executive chair car.The mammoth 20-coach Vande Bharat Express train is currently running on four routes. These are: New Delhi-Varanasi Vande Bharat Express, Varanasi-New Delhi Vande Bharat Express, Thiruvananthapuram Central-Kasaragod Vande Bharat Express, New Delhi-SMVD Katra Vande Bharat Express trains.The 20-coach Chennai Egmore-Nagercoil Vande Bharat Express will become the first such train running in the southern state. Till now Indian Railways is running 136 Vande Bharat Express trains. This train will accommodate as many as 1,440 passengers, and, therefore, will help in curbing waitlists. The other Vande Bharat Express trains have 8 and 16 coaches, the latter being the standard configuration.

US job market shows resilience: 1.77 lakh jobs added; unemployment at 4.2%

Washington: American employers added a better-than-expected 1,77,000 jobs in April as the job market showed resilience in the face of President Donald Trump's trade wars. Hiring was down slightly from a revised 1,85,000 in March and came in above economists' expectations for a modest 1,35,000. The unemployment rate remained at a low 4.2 per cent, the Labour Department reported Friday. President Donald Trump's aggressive and unpredictable policies – including massive import taxes – have clouded the outlook for the economy and the job market and raised fears that the American economy is headed toward recession.

But Friday's report showed the damage isn't showing up in the labour market yet. "The labour market refuses to buckle in the face of trade war uncertainty," Christopher Rupkey, chief economist at fwdbonds, a financial markets research firm. "Politicians can count their lucky stars that companies are holding on to their workers despite the storm clouds forming that could slow the economy further in the second half of the year." Transportation and warehousing companies added 29,000 jobs last month, suggesting that companies have been stocking up before essential, imported goods are hit with a wave of new tariffs, driving prices higher.Healthcare companies added nearly 51,000 jobs and bars, restaurants almost 17,000 and construction firms 11,000. Factories lost 1,000 jobs. Labour Department revisions shaved 58,000 jobs from February and March payrolls. Average hourly earnings ticked up 0.2 per cent from March and 3.8 per cent from a year ago, nearing the 3.5 per cent that economists view as consistent with the 2 per cent inflation the Federal Reserve wants to see.

The report showed that 5,18,000 people entered the labour force, and the percentage of those working or looking for work ticked up slightly. "We are not seeing right now any really adverse effects on the employment market," Boston College economist Brian Bethune said before the report came out. Yet many economists fear that the US job market will deteriorate if economic growth takes a hit from trade wars.

Trump's massive taxes on imports to the US are likely to raise costs for Americans and American businesses that depend on supplies from overseas. They also threaten to slow economic growth. His immigration crackdown threatens to make it more difficult for

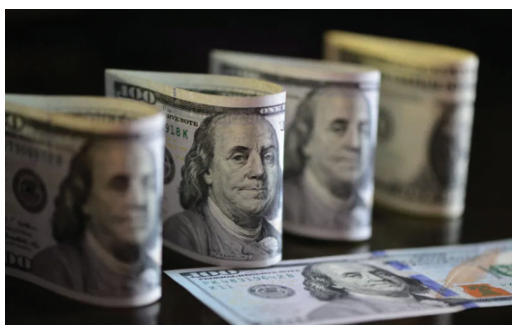

hotels, restaurants and construction firms to fill job openings. By purging federal workers and cancelling federal contracts, Elon Musk's Department of Government Efficiency risks wiping out jobs inside the government and out.Looking ahead, we expect the steep tariff increases and the surge in uncertainty and financial market volatility will result in a more pronounced labour market downshift than previously anticipated," Lydia Boussour, senior economist at the accounting and consulting giant EY, wrote this week. "Large cuts to the federal workforce and the cancellations of many government contracts will also be a drag on payroll growth in coming months." A slowdown in immigration "will weigh on labour supply dynamics, further constraining job growth. We foresee the unemployment rate rising toward 5 per cent in 2025." Trump's policies have shaken financial markets and frightened consumers. The Conference Board, a business group, reported Tuesday that Americans' confidence in the economy fell for the fifth straight month to the lowest level since the onset of the COVID-19 pandemic.American workers have at least one thing going for them. Despite the uncertainty about fallout from Trump's policies, many employers don't want to risk letting employees go – not after seeing how hard it was to bring people back from the massive but short-lived layoffs of the 2020 COVID-19 recession.

Delhi Police bust international vehicle theft syndicate, arrest 8; 15 cars recovered, kingpin on the run

Gang operated across states, led by Dubai-based Amir Pasha; advanced tools used to bypass security, disable GPS trackers in high-end vehicles

NEW DELHI. The Delhi Police Crime Branch has busted an international vehicle theft syndicate involved in smuggling of stolen high-end luxury cars and arrested eight individuals associated with the racket, officials said on Friday, adding that 15 stolen vehicles were recovered during the investigation.The accused have been identified as Taj Mohammad (40), Mateen Khan (24), Nagender Singh (46), Nadeem (38), residents of Uttar Pradesh, Imran Khan (25), Akbar (20), Manish Arya (48), residents of Delhi, and Kunal Subhash Jaiswal (24), resident of Mumbai, officials added.

According to cops, a probe was initiated after the arrest of Taj, a key player in the syndicate, last year revealing significant details about the gang's structure and operations.The investigations led to the arrest of several associates and recovery of stolen vehicles from various locations in Madhya Pradesh, Maharashtra and Uttar Pradesh.Amir Pasha, the alleged mastermind behind this international vehicle theft racket, operates remotely from Dubai, orchestrating the entire network, a senior police officer said. Pasha ensures the seamless functioning of the syndicate by supplying advanced programming devices, blank keys, and other tools necessary for bypassing vehicle security systems, she added.Pasha manages the syndicate's finances from operatives across India while maintaining strict anonymity among members. His strategy involves compartmentalising the network so that no individual within the syndicate knows the identity or role of others, thereby minimising risks and ensuring the criminal activities remain undetected. This level of organisation and control has allowed Amir Pasha to sustain the syndicate's operations across multiple states for years.

Taj was a core operative in the syndicate for over a decade. He was responsible for coordinating thefts and delivering stolen vehicles to various receivers across India. Taj maintained direct communication with syndicate leaders, including Pasha, to execute vehicle thefts across Delhi-NCR, DCP (Crime) Apoorva Gupta said.

The gang identified high-end vehicles parked in low-surveillance areas or roadside locations, focusing on popular models for their high resale value.They used tools like advanced key programming device to hack ECM codes, disable security systems, and generate new keys for stolen vehicles and employed scanning devices to disable GPS trackers, rendering vehicles untraceable, the senior officer said.

Old troubles resurface as rain lashes Delhi

NEW DELHI. The heavy rain and squally winds that swept through the Capital on Friday morning acted as an early monsoon stress test for the Delhi government and civic agencies, and familiar cracks in preparedness quickly surfaced. Despite claims of pre-monsoon planning, major parts of the city faced widespread waterlogging, particularly in areas that have historically struggled with drainage.Trouble spots such as Minto Road, Lajpat Nagar, ITO, Dhaula Kuan and New Friends Colony were once again inundated, bringing traffic to a crawl and sparking frustration among commuters.Shweta Sharma, a resident of Krishna Market in Lajpat Nagar, said that the roads in her locality were inundated with water for over three hours after the rains. "It is the same story year after year. Why were the drains not cleared beforehand? Commuting to the office was almost impossible as I was unable to drive my car or reach the nearest metro station." Key underpasses, including those at Dwarka, Kishanganj, Minto Road, Azadpur, Bhairon Marg, and Jwalaheri, were flooded and largely avoided by motorists.

Reports of water accumulation also came from across West and South Delhi, Najafgarh Road near Janakpuri Metro Station, Pankha Road, Subroto Park, Manju Ka Tila, and Sadiq Nagar, along with central locations like Jantar Mantar and the vicinity of the NIA headquarters. Residential pockets such as Pitampura, East Vinod Nagar Block A, and Rohini Sector 3 were similarly affected. In East Delhi, areas like Patparganj and Anand Vihar saw familiar scenes of submerged streets and slowed traffic.

The Public Works Department said it swiftly addressed waterlogging complaints across the city, resolving over 90% of them within two hours.According to PWD, rapid deployment of mobile pump units, super suction machines and bell-mouth cleaning teams played a key role in draining flooded areas. Most of the water was reportedly cleared within 30 to 60 minutes, even in low-lying pockets. PWD officials said 24x7 control rooms coordinated with regional teams to address site-specific complaints across the Capital.

Four members of a family killed, 4 injured in rain-related incidents

NEW DELHI. Four people, including a woman and her three young children, were killed, and four others were injured in two separate rain-related incidents in the city on Friday morning.In the first incident, a 28-year-old woman, Jyoti, along with her children Aryan (7), Rishabh (5), and Priyansh (7 months), died when a tree fell on their single-room house in Jaffarpur Kalan, southwest Delhi, following a heavy rainstorm. The neem tree collapsed onto the room, which was located near a tubewell.

The victims were trapped under the debris. Fire department officials received a distress call around 5.24 am and rushed three fire tenders to the scene, initiating a rescue operation.By 8 am, the rescue operation was completed, and five people, including Jyoti's husband Ajay Singh (30), were pulled out from the rubble. Singh, who suffered chest and wrist injuries, was immediately rushed to Rao Tula Ram Hospital.

However, Jyoti and her children were declared dead on arrival, the officials said.Singh, who had recently moved into the house to save on rent, lost his entire family in the tragedy. A family friend, Kalicharan Singh, said that Ajay, originally from Kanpur, had been living in Delhi for the last 10 years working as a daily wager.

"Ajay had recently shifted here to save money on rent," Kalicharan said, adding that the news had devastated the family. In the second incident, three people were injured when a neighbour's wall collapsed in Paparawat village, Chhawla, also in southwest Delhi.

The victims, Omprakash (41), his son Love (13) and Saurabh (15), were trapped under the debris when the wall fell at around 5.30 am. Fire department officials confirmed that all three sustained non-serious injuries and were out of danger.

Indian Navy's "Trident Of Power" Post Follows "Combat-Ready" Message

New Delhi. The Indian Navy on Saturday shared a picture featuring a surface ship, a submarine, and a helicopter, calling it the "trident of Naval Power".The picture, posted on X, shows the destroyer INS Kolkata, the Dhruv Advanced Light Helicopter (ALH), and a Scorpene-class submarine."The trident of Naval Power - Above, below and across the waves," the Navy wrote.

The picture, which has now gone viral, is likely a file photo as Dhruv ALH is presently grounded in the Navy.

The post came amid heightened tensions between India and Pakistan over the deadly terror attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam on April 22.India, citing "cross-border linkages" to the attack that left 26 people dead, has announced a raft of punitive measures against Pakistan, including suspension of the Indus Waters Treaty, shutting down of the only operational land border crossing at Attari and downgrading of diplomatic ties.

Last week, Prime Minister Narendra Modi said the "perpetrators and conspirators" of the Pahalgam attack will be "served with the harshest response".

"The whole world stands with 140 crore Indians in our fight against terrorism. I once again assure the affected families that they will get justice, and justice will be done," he said in his 'Mann ki Baat' address."The perpetrators and conspirators of this attack will be served with the harshest response," he added.

Indian Navy's Message With Arabian Sea Warship Visuals

Last week, the Navy also shared visuals of Indian warships conducting multiple anti-ship firings in the Arabian Sea, demonstrating their preparedness for long-range precision strikes.

Pak Violates Ceasefire For 9th Consecutive Night, India Responds "Proportionately"

New Delhi. Pakistan Army initiated unprovoked small arms firing towards Indian posts along the Line of Control for the ninth consecutive night on Friday.

A Union Defence Ministry statement said, "During the night of May 2 and May 3, Pakistan Army resorted to unprovoked small arms fire across the LoC opposite the Kupwara, Uri, and Akhnoor areas of the Union Territory of Jammu and Kashmir." The Indian Army responded "promptly and proportionately" to the firing along the de-facto border.The violation comes a day after Pakistan's Permanent Representative to the United Nations Asim Iftikhar Ahmad called for intensifying international intervention, saying that there was "imminent threat of kinetic action" by New Delhi. He asserted that "Pakistan categorically rejects any attempt to associate it with the April 22 terrorist incident in Pahalgam".

Violation of the ceasefire agreement, that both sides reaffirmed commitment to in 2021, began after India and Pakistan imposed punitive measures against each other following the April 22 Pahalgam terror attack. Pakistan has continued to deny any association with the attack.

Soon after, Prime Minister Narendra Modi gave the Armed forces complete operational freedom to avenge the attack in which 26 civilians were killed.

In its strike against terror, Indian forces also began the demolition of houses belonging to terrorists or their families, also striking the houses of Adil Hussain Thokar and Asif Sheikh, who were involved in the Pahalgam massacre.India closed Attari-Wagah border crossing point, deported Pakistani nationals, suspended the 1960 Indus Waters Treaty and closed its airspace for Pakistani commercial flights.

India Bans All Imports From Pakistan Amid Tensions Over Pahalgam Terror Attack

India bans imports from Pakistan: The decision has been taken in the interest of national security and public policy, the government said.

New Delhi. In another strict move against Pakistan, India has banned all imports from the neighbouring country amid soaring tensions over the Pahalgam terror attack. The decision has been taken in the interest of national security and public policy, the government said, stressing that it applies to all products in transit from Pakistan."Direct or indirect Import or transit of all goods originating in or exported from Pakistan, whether or not freely importable or otherwise permitted, shall be prohibited with immediate effect, until further orders. This restriction is imposed in the interest of national security and public policy. Any exception to this prohibition shall require prior approval of the Government of India," said a notification by the Commerce Ministry.

The Wagah-Attari crossing, the sole trade route between India and Pakistan, had already been closed in the aftermath of the Pahalgam attack.

Imports from Pakistan primarily comprised pharma products, fruits and oilseeds. It declined over the years since the 2019 Pulwama attack, with India imposing a 200% duty on Pakistani products. Reports suggest it was less than 0.0001% of total imports in 2024-25.

At least 26 civilians, including a Nepalese tourist and a local pony guide operator, were massacred by terrorists in the scenic Baisaran meadow in Jammu and Kashmir on April 22. The relations between the two nations soured as terror links to Pakistan emerged.

Acting swiftly, India suspended the Indus Waters Treaty, a crucial water-sharing deal signed by the two countries in 1960, citing "sustained cross-border terrorism". India may now divert or stop water in the Indus River system from flowing to Pakistan, choking their major source of water supply and impacting tens of millions of citizens.India had also cancelled all visas of Pakistani nationals. Those living in India were given a deadline to leave Indian soil. This included those medical visas, too. Pakistan, in response, had threatened to suspend all bilateral pacts with India, including the Simla agreement. The two countries have also downgraded diplomatic ties.

The situation also remains tense at the Line of Control and the International Border with Pakistani troops trying to provoke the Indian side with targeted firing at Indian posts.

Pak Minister's X Account Blocked, Days After Military Action By India Claim

New Delhi. The social media account of Pakistan's Information Minister Ataullah Tarar was withheld in India, days after called a 2 am press conference claiming that India will soon launch a military strike.

Mr Tarar's X account page showed it had been "withheld for legal reason" as cross-border tensions continued to mount following the April 22 Pahalgam terror attack, with Pakistan violating ceasefire along the Line of Control for the ninth consecutive night on Friday.In his April 30 presser, Mr Tarar claimed he had "credible information" that India is planning a military action in the next 24-36 hours. He also warned of "catastrophic consequences" if the Indian forces initiate an action. "The nation will defend its sovereignty and territorial integrity by all means necessary. If India tries to impose a war on Pakistan, it will be solely responsible for the disastrous and devastating costs," he had said.

"India's habit of being the judge, jury, and executioner is categorically and strongly rejected by Pakistan", Mr Tarar had added.Pakistan's Defence Minister Khwaja Asif too had warned of a possible war with India. Mr Asif told local outlet Geo News, "If something has to happen, it will happen in two or three days."

Tensions across the border mounted after a raft of measures taken by India and Pakistan in the wake of the Pahalgam massacre, that killed 26 civilians.

India downgraded diplomatic ties with Pakistan, suspended the Indus Water Treaty of 1960, and revoked all visas issued to Pakistani nationals. The Wagah-Attari border has also been closed.

More recently, the Instagram accounts of Pakistani actors, including Hania Amir, Mahira Khan and Ali Zafar, among others, were blocked.

Delhi sets up State Health Agency to implement Ayushman Bharat scheme across city hospitals

28 medical staff redeployed for rollout; ABHA ID generation made mandatory at OPDs from May 1, digital registry of health professionals due by May 11

NEW DELHI. The Delhi government has established a dedicated State Health Agency (SHA) within the Delhi Secretariat to oversee the implementation of the Ayushman Bharat scheme across city hospitals.

To operationalise the agency, the health department has diverted 28 medical professionals, including doctors and other staff, from various facilities such as the Dengue Control Centre, district health units, and other government hospitals to the SHA which will be responsible for ensuring effective rollout and monitoring of services under the Ayushman Bharat scheme in the capital.

"The officials will be responsible for facilitation between the empanelled healthcare providers (EHCP) and the National Health Authority. Their tasks include verification and processing claims made by the hospitals for serving patients under the Ayushman Bharat scheme,"a health department official said.Additionally, a grievance management cell would also be institutionalised under the health panel which will be managed by the diverted officials, the official added.

As per the established mechanism, claims are raised using a centralised online portal within 24 hours of patient discharge, submitting relevant documents and clinical notes. The SHA then approves and processes the claim, with payments made to the EHCP within 15 days of authentication.

Meanwhile, as part of this initiative, the government has issued strict directions to all hospitals under its jurisdiction to begin generating Ayushman Bharat Health Account (ABHA) IDs for every patient visiting Outpatient Departments (OPDs), effective May 1. The ABHA ID is a unique identifier that will allow patients to access digital health services and streamline their medical records under the Ayushman Bharat Digital Mission.

Additionally, Heads of Institutions have been instructed to compile a Health Professional Registry comprising detailed digital profiles of all doctors and nursing officers employed at their respective hospitals or medical colleges. The deadline for this task has been set for May 11, with a clear directive for strict compliance.Officials said the move is aimed at strengthening digital health service delivery in Delhi and ensuring that the capital hospitals are fully integrated into the nationwide digital healthcare ecosystem.

NEWS BOX

CIA and other US spy agencies to shrink workforce under Trump administration plan

WASHINGTON. The White House plans to cut staffing at the CIA and other intelligence agencies, including the National Security Agency, Trump administration officials told members of Congress, The Washington Post reported Friday.

A person familiar with the plan but not authorized to discuss it publicly confirmed the changes to The Associated Press on condition of anonymity.

The administration plans to reduce the CIA workforce by 1,200 over several years, and cut thousands of positions at the NSA and other intelligence agencies. The Post reported that the reductions at the CIA include several hundred people who have already opted for early retirement. The rest of the cuts would be achieved partly through reduced hirings and would not likely necessitate layoffs.

In response to questions about the reductions, the CIA issued a statement saying CIA Director John Ratcliffe is working to align the agency with Trump's national security priorities."These moves are part of a holistic strategy to infuse the Agency with renewed energy, provide opportunities for rising leaders to emerge, and better position CIA to deliver on its mission," the agency wrote in the statement.

A spokesperson for Director of National Intelligence Tulsi Gabbard did not immediately respond to a message seeking comment. Gabbard's office oversees and coordinates the work of 18 agencies that collect and analyze intelligence.The CIA and NSA have already offered voluntary resignations to some employees. The CIA also has said it plans to lay off an unknown number of recently hired employees.The new administration has also eliminated diversity, equity and inclusion programs at intelligence agencies, though a judge has temporarily blocked efforts to fire 19 employees working on DEI programs who challenged their terminations.Trump also abruptly fired the general who led the NSA and the Pentagon's Cyber Command.Ratcliffe has vowed to overhaul the CIA and said he wants to boost the agency's use of intelligence from human sources and its focus on China.

As Trump moves to defund US public broadcasting, PBS and NPR fret over their future

WORLD. The American public broadcasting system—decades-long home to Big Bird, Ken Burns documentaries and "All Things Considered"—faces the biggest crisis in its nearly 60-year history with US President Donald Trump's order to slash federal subsidies.A court fight seems inevitable, with the heads of PBS, NPR and the Corporation for Public Broadcasting all suggesting Friday that Trump's order is illegal."We will vigorously defend our right to provide essential news, information and life-saving services to the American public," said Katherine Maher, NPR's president and CEO."We will challenge this executive order using all means available."Her counterpart at PBS, Paula Kerger, said Trump's order was blatantly unlawful.The public broadcasting system dates back to the late 1960s, devised as an educational and public service-oriented alternative to commercial broadcasters available at the time.In his order, Trump said the system has become politically biased and time has passed it by. "Today the media landscape is filled with abundant, diverse and innovative news options," the president said in his order, issued just before midnight Thursday."Government funding of news media in this environment is not only outdated and unnecessary, but corrosive to the appearance of journalistic independence."

Man sentenced to 53 years in prison in hate-crime attack on Palestinian American boy, mother

JOLIET, Ill. An Illinois landlord who killed a 6-year-old Muslim boy and severely injured the boy's mother in a brutal hate-crime attack days after the war in Gaza began was sentenced Friday to 53 years in prison.

Joseph Czuba, 73, was found guilty in February of murder, attempted murder and hate-crime charges in the death of Wadee Alfayoumi and the wounding of his mother, Hanan Shaheen.Judge Amy Bertani-Tomczak sentenced Czuba to 30 years in the boy's death and another 20 years consecutively for the attack on Shaheen. The judge also sentenced him to three years imprisonment for hate crimes. The length of the sentence makes it all but certain he will die behind bars.“No sentence can restore what was taken, but today’s outcome delivers a necessary measure of justice,” said Ahmed Rehab, Executive Director of CAIR-Chicago. “Wadee was an innocent child. He was targeted because of who he was—Muslim, Palestinian, and loved."Czuba did not speak during the sentencing. Czuba's attorney, George Lenard, did not immediately respond to an email from The Associated Press seeking comment. Will County State’s Attorney James Glasgow’s office had no immediate comment on the sentencing.

The boy's great-uncle, Mahmoud Yousef, was the only family member who spoke during the hearing. He said that no matter the sentence length it wouldn't be enough. The boy's parents had plans for him and Czuba robbed them of that, he said.Yousef asked Czuba to explain why he attacked the boy and his mother, asking him what news he heard that provoked him, but Czuba did not respond, the Chicago Tribune reported.Czuba targeted them in October 2023 because of their Islamic faith and as a response to the war between Israel and Hamas, prosecutors said during the trial.

Seven killed, eight injured in pickup truck-tour van collision near Yellowstone, police say

BOISE. A pickup truck and a tour van with foreigner visitors — including two people from Italy — collided on a highway leading to Yellowstone National Park, leaving seven people dead and eight others injured, Idaho State Police said.The crash happened just before 7:15 p.m. Thursday on U.S. Highway 20 near Henry's Lake State Park in eastern Idaho, police said in a news release. The state park is roughly 16 miles (26 kilometers) west of Yellowstone National Park.Police have not said what exactly caused the wreck, but the Dodge Ram truck was traveling west while the Mercedes van was traveling east toward Yellowstone when it happened. Video from the scene showed clear weather conditions at the time.Both vehicles caught fire, police said. The driver of the pickup and six people inside the Mercedes passenger van died. The truck driver was identified Friday as Isaih Moreno, 25, of Humble, Texas. Identifying the others will take some time, according to police.Fremont County coroner, Brenda Dye, told The New York Times that she was waiting for DNA test results to identify the six others because the bodies were unrecognizable. She said all six were from outside the U.S. Two were from Italy and it wasn't immediately known where the others were from, she said.

The van was carrying a tour group of 14 people, and the surviving occupants were taken to hospitals with injuries, police spokesperson Aaron Snell said.

Two were flown to an Idaho Falls hospital and one was flown to a Bozeman, Montana, hospital, according to police. Their conditions were not released. The others were taken to area hospitals with injuries believed to be non-life-threatening, police said.

The crash remains under investigation.

Roger Merrill, 60, was driving home when he saw flames engulfing the two vehicles as bystanders tried to care for survivors from the van on the side of the highway. Merrill said he often sees tourist vans on the highway."It is a very dangerous highway because it leads to the main entrance of Yellowstone National Park," he said. "It's extremely busy."Merrill captured video of the wreckage with smoke blanketing the van. Due to the remote location, Merrill said he anxiously awaited the help of first responders."It took an unnervingly long time for help to arrive just because of the location," he said.Police said Friday that a Fremont County sheriff's deputy arrived shortly after the crash and, with the help of bystanders, immediately helped injured van occupants as it caught fire.

The state is working with local officials to get "answers on what led to this terrible tragedy," Idaho Gov. Brad Little said in a social media post.The Idaho Transportation Department had identified the highway for safety improvements aimed at reducing the severity of crashes, but the project was still in the research and planning phase. An average of about 10,500 vehicles traveled that portion of the highway daily in 2023, according to the agency.

Donald Trump says US economy in transition period, insists 'everything's

WORLD. US President Donald Trump has described the current state of the US economy as a "transition period," insisting that the country will come out stronger. In an interview with NBC News on Friday, Trump played down the possibility of a short-term recession, saying, "Look, yeah, it’s — everything’s OK. What we are — I said, this is a transition period. I think we’re going to do fantastically."He also stated that the US economy is performing well in terms of jobs and asked the Federal Reserve to reduce interest rates. Trump made the remarks at a time when most financial analysts and Wall Street experts are pointing towards a potential recession, particularly after recent changes in his tariff policies.hen NBC’s Kristen Welker asked him if he was worried about a recession, Trump simply said, "No." On whether a recession could still happen, he added, "Anything can happen, but I think we’re going to have the greatest economy in the history of our country."Trump's confidence seems to be at odds with increasing worries from Wall Street analysts and economists. In their view, the president's hardline tariff approach could come back to haunt him. The tariffs, particularly against China, could be inflationary and damage economic growth. However, Trump brushed aside such fears and countered that there are also positive voices on Wall Street.

"Well, you know, you say, ‘Some people on Wall Street say’ — well, I tell you something else. Some people on Wall Street say that we’re going to have the greatest economy in history. Why don’t you talk about them?" Trump said from his Mar-a-Lago resort in Florida.

"There are many people on Wall Street (who) say this is going to be the greatest windfall ever happen," he added.Although Trump is optimistic, public approval of him is waning. According to the latest Reuters/Ipsos poll, only 42% of Americans approve of his performance today.The US Department of Commerce just released numbers indicating that gross domestic product (GDP) fell for the first time in a three-year period. Many experts estimate that numerous businesses rushed to bring goods before the imposition of new tariffs, swelling numbers temporarily.TARIFFS, TRADE, AND CONSUMERTrump has imposed higher tariffs on Chinese goods by as much as 145% in a tit-for-tat move. Although these actions were intended to shield American industries, economists believe that they could trigger the prices of common items.

Harvard President calls Trump's tax threat 'highly illegal' amid funding clash

WORLD. Harvard University President Alan Garber pushed back on Friday against President Donald Trump’s plan to revoke the school’s tax-exempt status, calling the move ‘highly illegal’ and ‘destructive to Harvard’ in an interview with The Wall Street Journal."Trump's decision to revoke the school's tax-exempt status is "highly illegal, unless there is some reasoning that we have not been exposed to that would justify this dramatic move." Tax-exempt status is granted to educational institutions to enable them to successfully carry out their mission of education, and for research universities, of research," Garber told The Wall Street Journal.However, Garber acknowledged that losing tax-exempt status would be deeply damaging to Harvard. “Obviously, that would be severely impaired if we were to lose our tax-exempt status. And I should add, it would be destructive to Harvard, but the message that it sends to the educational

community would be a very dire one — which suggests that political disagreements could be used as a basis to pose what might be called an existential threat to so many educational institutions,” Garber said.Earlier, President Donald Trump renewed his threat to strip Harvard University of its tax-exempt status. “We are going to be taking away Harvard’s Tax Exempt Status,” Trump wrote on his social media site on Friday morning. “It’s what they deserve!”Trump has challenged Harvard’s tax-exempt status after the university refused to comply with his administration’s demands for leadership changes, admissions policy revisions, and diversity audits. In response, the administration blocked over $2 billion in federal grants to the school."Harvard is amongst several universities nationwide where pro-Palestinian protests erupted on campus amid last year’s war in Gaza. Since then, the Trump administration has intensified scrutiny of these institutions, with multiple Ivy League presidents testifying before Congress over allegations of

Tennessee police release video of Kilmar Abrego Garcia traffic stop in 2022

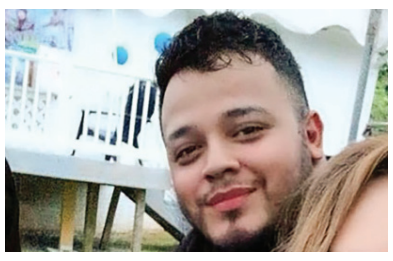

NASHVILLE. Authorities in Tennessee have released video of a 2022 traffic stop involving Kilmar Abrego Garcia, the Maryland construction worker who became the face of U.S. immigration policy after his erroneous deportation to El Salvador.The body-camera footage shows a calm and friendly exchange between officers with the Tennessee Highway Patrol and Abrego Garcia. He was pulled over for speeding in a vehicle with eight passengers and said they'd been working in Missouri.Officers then discussed among themselves their suspicions of human trafficking because nine people were traveling without luggage. One of the officers said: "He's hauling these people for money." Another said he had $1,400 in an envelope.Abrego Garcia was never charged with a crime, while the officers allowed him to drive on with only a warning about an expired driver's license, according to a report about the stop released last month by the U.S. Department of Homeland Security. The report said he was traveling from Texas to Maryland, via Missouri, to bring in people to perform construction work.

The Trump administration has been publicizing Abrego Garcia's interactions with police over the years, despite a lack of corresponding criminal charges, while it faces a federal court order and calls from some in Congress to return him to the U.S.

An attorney for Abrego Garcia, Simon Sandoval-Moshenberg, said in a statement Friday that he saw no evidence of a crime in the released footage.But the point is not the traffic stop — it's that Mr. Abrego Garcia deserves his day in court. Bring him back to the United States," Sandoval-Moshenberg said.When details of the Tennessee traffic stop were first publicized, Abrego Garcia's wife said he sometimes transported groups of fellow construction workers between job sites."\

Unfortunately, Kilmar is currently imprisoned without contact with the outside world, which means he cannot respond to the claims," Jennifer Vasquez Sura said in mid-April.Abergo Garcia fled his native El Salvador to the U.S. when he was 16 and lived in Maryland for roughly 14 years, court documents state. U.S. Immigration and Customs Enforcement deported him in March to a Salvadoran prison over a 2019 accusation that he was in the MS-13 gang.

Harvey Weinstein retrial: 'He did that to me', says accuser in tearful testimony

- Weinstein is charged with sexually assaulting Haley and another woman, Kaja Sokola, and raping a third, Jessica Mann. Mann and Sokola are also expected to testify.

NEW YORK. One of Harvey Weinstein 's accusers broke down in tears and cursed on the witness stand Friday as a defense lawyer questioned her account of the former Hollywood mogul forcing oral sex on her nearly two decades ago."He was the one who raped me, not the other way around," Miriam Haley told jurors."That is for the jury to decide," Weinstein lawyer Jennifer Bonjean responded.

"No, it's not for the jury to decide. It's my experience. And he did that to me," Haley said, using expletives as tears began streaming down her face.Judge Curtis Farber halted questioning and sent jurors on a break. Haley, her eyes red and face glistening, did not look at Weinstein as she left the witness stand.Haley, 48, was testifying for a fourth day at Weinstein's rape trial. Questioning resumed after the break, with Haley composed but frustration sometimes flickering in her voice.By midafternoon, the judge grew impatient with contentious cross-talk and extraneous comments from Haley and the attorney. Farber pounded his fist on the bench at one point and banged his gavel at another, telling them: "Let's behave, both of you."Farber later said it was the first time in 13 years that he'd used the gavel.Weinstein is charged with sexually assaulting Haley and another woman, Kaja Sokola, and raping a third, Jessica Mann. Mann and Sokola are also expected to testify.Weinstein denies the allegations. His lawyers argue that his accusers had consensual encounters with a then-powerful movie producer who could advance their careers.Haley, who has also gone by the name Mimi Haleyi, is the first accuser to testify at the retrial, which is happening after an appeals court

overturned Weinstein's conviction at an earlier trial. Haley's testimony at that 2020 trial took just one day.Haley alleges that Weinsteinassaulted her after inviting her to stop by his apartment. She had worked briefly as a production assistant on the Weinstein-produced TV show "Project Runway," and his company had booked her a flight to Los Angeles the next day to attend a movie premiere.She testified earlier in the week that Weinstein backed her into a bedroom and pushed her onto a bed, holding her down as she tried to get up and pleaded: "No, no — it's not going to happen."Haley and two of her friends testified that she told them soon after that Weinstein had sexually assaulted her. She maintains she was never interested in any sexual or romantic relationship with Weinstein but still wanted his help professionally.Weinstein, 73, listened with his hands clasped against his chin as Haley reiterated she never had romantic feelings for him and never wanted any sexual contact with him.Bonjean questioned why Haley would agree to go to Weinstein's apartment after being put off by some of his prior behavior, including what she described as him barging into her home as he sought to persuade her to go to Paris with him.Haley said she thought it would be "weird" to refuse the invitation to his Manhattan loft, since his company had paid for the L.A. flight she was taking the next day.

NEWS BOX

Did MS Dhoni play one season too many in IPL 2025? Sunil Gavaskar weighs in

New Delhi. Former India batter Sunil Gavaskar shared his thoughts on whether MS Dhoni may have extended his Indian Premier League (IPL) career one season too many. The legendary wicketkeeper-batter, who turns 44 this July, featured in his 18th IPL season in 2025.

Dhoni returned to captain the Chennai Super Kings (CSK) after Ruturaj Gaikwad was sidelined midway through the tournament due to injury. However, he couldn't inspire a turnaround, as CSK failed to qualify for the playoffs. It marked the first time the franchise exited in the league stage in consecutive seasons.Speaking on Dhoni's decision-making, Gavaskar emphasised that Dhoni

prioritises the franchise over personal gain."Any player makes decisions not so much for himself, but for what is likely to be good for the team. Whatever decision MSD made about playing this season would have been based solely on what's best for CSK," Gavaskar said in an exclusive chat with Sports Today."Any future decision he takes will also depend entirely on what's good for CSK—not necessarily what's good for himself."

'Focus more on bowlers'

Gavaskar also offered pointed advice on how the Super Kings can bounce back in the next edition of the T20 league. The first batter to score 10,000 runs in Test cricket, Gavaskar stressed the importance of revamping CSK's auction approach—particularly with a sharper focus on bowling talent.According to Gavaskar, CSK should prioritise bowlers over batters during the auction. He cautioned against relying heavily on batters who shine in local leagues on smaller grounds, noting that such performances often don't translate against high-quality international bowling attacks."First and foremost, they need to get their auction strategy right. I'm not too sure their scouting team is as effective as those of other franchises. That said, scouts shouldn't rely solely on leagues like the Jharkhand League, UP League, or others like them. Success in those leagues, often played on smaller grounds against relatively ordinary bowling attacks, doesn't necessarily translate to higher levels," Gavaskar said."Many players who dominate these leagues with big hitting often fail when they face international-quality bowling. So, if you're scouting talent, focus more on the bowlers.

Un-Chain melody: Focus, belief & practice behind shooter's good rhythm

CHENNAI. Indian shooting has come a long way in the last decade or so. Chain Singh is one of the rare shooters to have had a unique involvement during this evolution. In a rapidly-growing market that has constantly generated high-yielding stocks, Chain has been that stock that has weathered unfavourable circumstances over the years to stay relevant. The mild-mannered man from the Army is one of the experienced faces in the national shooting team brimming with hot stocks and potentials. And having captured his first individual World Cup medal recently, the 36-year-old from Chanser (Doda district of Jammu & Kashmir) is now aiming to go higher.

In a tense final of the men's 50m rifle 3 positions event in the season-opener in Buenos Aires, Chain had done just about enough to edge junior counterpart Aishwary Pratap Singh for the final spot in the podium. That was also the country's first medal of the

season. Chain and many other Indians were training their guns at the Tiro Federal Argentino de Buenos Aires range for the first time. "The conditions at the range (Buenos Aires) were quite tough. In India, we get somewhat similar kinds of challenges during June, July. It gets windy. So we have faced those kinds of challenges in the past as well. But if you look overall, it was quite tough," Chain recollected.His wide grasp of the sport helped him navigate the challenge then. The rifle shooter also credited foreign coach Thomas Farnik for India's visible growth in recent times. India ended with an impressive haul of 15 medals (6G, 6S, 3B) in the first two World Cups in Argentina and Peru recently. "Experience matters a lot. The standards of coaches have also gone up in India. Thomas Farnik is an advanced-level coach and has plenty of experience. I could implement a bit of his experience in my game. The level of performance of the shooting team is next level at the moment.

Worst bowling unit of IPL 2025, pitch changes: SRH's downfall decoded by Jaydev Unadkat

New Delhi. Jaydev Unadkat decoded the reason behind SRH's downfall in the IPL 2025 campaign and attributed it to poor bowling and change in the pitches which restricted their playing style. Considered to be one of the most exciting teams in IPL 2024, Hyderabad captured the imagination of the cricketing world with their ultra-aggressive batting.

However, the bowling played a major role in ensuring that the teams were able to chase big targets down on flat decks available last year. This season, things haven't worked on the bowling front. Mohammed Shami, who came in for big money, hasn't hit stride at all, and it was evident during the loss to GT. Captain Pat Cummins has also struggled to make an impact with the ball as none of the main bowlers have an economy-rate below 8.Speaking at the press onference after the GT loss, Unadkat said that for a team to be successful in the IPL, at least 3 to 4 bowlers need to step up in each game. The left-arm pacer said, like batting, bowling also needs partnerships, something SRH has missed this season."From my experience of playing in the IPL for all these years, for a team to do well, there has to be at least 3 or 4 guys, in terms of your bowling I'm talking, who have to contribute in every game. Like, there have to be 3 or 4 performances in every game for you to win games and probably this year, I

would say that we are lacking that. When two guys are bowling well, the other 3 are probably not bowling in tandem, and like we look at partnerships in terms of batting."

"I think it's the same in bowling as well because when you're not bowling well from both the ends, it creates unnecessary pressure on the other guy. Then the plans also change, so somehow that hasn't really clicked for us and yes, I mean we have to take the blame for not being the best bowling side in the tournament.""When you want to win games, do well for your team, you got to be the best, and we haven't been the best. I can't say that there is anything that we lack in terms of practising and training and planning."

"It's just the execution out there on the field, which can go wrong at times, but like you said, in a tournament like IPL, when the stats show that you're not on top of your game, that's when the teams don't win games," said Unadkat.'Pitches playing a big role in IPL 2025'Unadkat also said that scoring 200-plus frequently last year gave SRH a sense of setting a standard in IPL. However, the pacer said that approach can't be the norm always as others are planning better to counter it.

Unadkat also said that the pitches available this season have been more challenging as opposed to the flat ones last time around."Last year, we scored 200+ in four or five matches, and that gave us a sense that we had set a standard. But that can't always be the norm. Other teams and batters are planning better now, and bowlers are also adapting and coming up with new strategies. Last year, swing was enough to make an impact, but this year, it's about using variations effectively. Also, the pitches are playing a big role. Last year we had a lot of flat pitches, whereas this time we've had more difficult ones. That's why we haven't been able to carry the same momentum," said Unadkat.Unadkat concluded by saying that the bowling has to step up always even if the batters have put on a massive score.

"I also feel that the average scores in the last few matches have gone up overall. Last year we had a particularly strong batting unit, which led to those high scores. But in the end, winning games is more important than scoring big totals. Even if we score 200, it's the bowling side's responsibility to defend it. That's what truly matters," said Unadkat.

RCB vs CSK IPL 2025, Bengaluru Weather Forecast: Rain threat looms large for derby

RCB will aim to move back to the top of the IPL 2025 points table when they take on CSK at the Chinnaswamy Stadium on Saturday, May 3. But will rain play spoilsport on the day?

New Delhi . RCB and CSK are all set to lock horns at the Chinnaswamy stadium on Saturday, May 3 in the South Indian derby. This is the second time both teams will face off in IPL 2025 and the season has been polar opposites for Bengaluru and Chennai.RCB find themselves closer to the top of the table after an impressive campaign with seven wins out of 10 matches played. For CSK, it has been a woeful campaign that has seen the side fail to compete with the rest. The five-time champions find themselves rooted to the bottom of the table with just four points from 10 matches and they were knocked out of the competition with the loss to PBKS.Despite the contrasting form, RCB vs CSK is considered to be an exciting encounter given the rivalry between both fanbases. However, things aren't looking a lot better when it comes to the weather in Bengaluru for Saturday.

RCB vs CSK: May 3 Bengaluru weather forecast

There has been incessant rain in Bengaluru over the last couple of days and it is expected to continue on Saturday as well. There is a 70 percent chance of rain on May 3 and the Indian Meteorological Department (IMD) is predicting that "rain or thundershowers would occur towards afternoon or evening" on Saturday.

According to Accuweather, thunderstorms are expected at 5 pm and then from 8 to 10 pm on Saturday.Rain played a big role on the eve of the game as CSK and RCB's training sessions were heavily affected. This is not the first time rain has played a role in a match in Bengaluru this season.

RCB's match against PBKS was shortened due to heavy rain on the day. Given the predictions on Saturday, we could be in for a shortened match at the Chinnaswamy stadium.

RCB vs CSK, IPL 2025 Preview: Predicted XI, team news and Bengaluru pitch conditions

New Delhi . Chennai Super Kings (CSK) and Royal Challengers Bengaluru (RCB) will be up against each other in Match No.52 of the Indian Premier League (IPL) 2025 on Saturday, May 3 at the M Chinnaswamy Stadium in Bengaluru.Rajat Patidar's RCB have plenty to look forward to in the upcoming clash. They have a chance to reclaim their top spot in the table and edge closer to the playoffs. While they have been flawless in away games, winning six out of six, they need to show a little more consistency in home matches.After losing three games on the trot in Bengaluru, RCB tasted their first win in front of their home crowd when they beat Rajasthan Royals by 11 runs on the back of Josh Hazlewood's brilliance in the penultimate over of RR's run-chase.The Super Kings, on the other hand, became the first team to get knocked out of the competition. MS Dhoni's men will be playing for pride in the last four games of the competition. Having lost their last three games, they are struggling at the bottom of the table with a net run rate of -1.211.

But with nothing to lose, they could be a

dangerous prospect for RCB, who have everything to lose. RCB, however, could draw inspiration from their 50-run win over the five-time champions earlier in the tournament at the MA Chidambaram Stadium.The Super Kings have dominated RCB over the years in the IPL, winning 21 out of 34 matches while losing only 11. One match in 2012 in Bengaluru didn't produce a result. At the Chinnaswamy, both teams have won five matches apiece.

RCB vs CSK: Team news

Phil Salt missed RCB's previous match against DC because of being unwell. If he doesn't get fit, Jacob Bethell is likely to retain his place in the playing XI.The Super Kings have already changed their combination plenty of times throughout the tournament, and it shouldn't raise eyebrows if they keep making more.

With help from painkillers, Casper Ruud beats Cerundolo to reach Madrid Open final against Draper

MADRID. With the help of painkillers, Casper Ruud overcame a rib ailment to defeat Francisco Cerundolo in straight sets and reach the Madrid Open final on Friday.Ruud will face Jack Draper, who beat Lorenzo Musetti 6-3, 7-6 (4) in the other semifinal to make his third final of the year.Ruud received treatment on his rib three games into the match and went on to win 6-4, 7-5 on the Caja Magica center court.The 15th-ranked Norwegian saved 15 of the 18 break points he faced against the 21st-ranked Argentine.Ruud said he felt something in his rib during the warmup, just before going out on the court. He said he "felt it in nearly every shot, especially the serve.""I wasn't sure I was going to be able to finish the match, honestly," Ruud said. "I got a couple of painkillers, which is not the ideal thing, but at the same time in a situation like this, you have to do that now and then. It was easing and getting better as the match went on."A former world No. 2, Ruud will return to the top 10 thanks to his campaign in Madrid. He could reach No. 6 in the rankings with a win in the final.

Ruud — a 12-time tour champion — would also become the first Norwegian to lift an ATP 1000 trophy since the series was introduced in 1990, according to the ATP.

Ruud had lost two matches in a row against Cerundolo, who knocked out top-seeded Alexander Zverev earlier.The sixth-ranked Draper improved his record against 11th-ranked Musetti to 4-0.Draper won at Indian Wells in March. After his quarterfinal victory in Madrid, he secured a top-five debut in the rankings.

"I felt like both of us, our quality didn't really drop from the first ball," Draper said. "Credit to Lorenzo, he's obviously playing so good on the clay. I played him on hard, and on grass when we were juniors, growing up with him. But on clay, he's a different beast, so to get this win on this court in this stage, semifinals, it means so much to me."raper, who hasn't lost a set on his way to the final, said this time his mom brought him some extra luck."Seems like every match she's come to I've been terrible. So I was thinking when she said she was going to come yesterday I was like, 'Oh, I'm not sure if you should come,'" he said. "But no, she ended up coming, and glad she did, because tonight was a really good performance, and maybe her luck's changed when she comes to watch me play, so we'll see."Coco Gauff and top-ranked Aryna Sabalenka will meet in the women's final on Saturday.

CSK are not going to panic, can compete with any team: Mike Hussey ahead of RCB clash

New Delhi. Despite a disappointing season that has seen Chennai Super Kings (CSK) eliminated from the IPL playoff race, batting coach Mike Hussey insists the five-time champions are not panicking and remain confident in their ability to match any team in the competition.

Speaking ahead of their upcoming clash against Royal Challengers Bengaluru, Hussey acknowledged the team's struggles but stressed that they remain focused on improvement and long-term planning.

"We're certainly not going to panic and throw everything out just because it hasn't gone well this year," Hussey said. "But we definitely need to tidy up on a few areas."CSK, who have won just two of their ten matches this season, currently sit at the bottom of the points table with only four points. Their elimination after the loss to Punjab Kings marked a historic low for the franchise, which failed to qualify for the playoffs in back-to-back seasons for the first

time.Still, Hussey believes the team is not far off from being competitive again. "I know we're sitting at the bottom of the table and we haven't won many games. But I actually don't think we're too far away," he said. "We have got some match-winning players in that line-up. We can definitely compete with any team in the competition."He pointed out that a few close matches could have swung CSK's season in a different direction. "I can think off the top of my head probably three games that they would have won, and they'd probably be sitting somewhere right up near the top four. I mean, there's fine margins in this competition," Hussey added.Despite the setbacks, Hussey highlighted the positives, particularly the performances of emerging players such as Ayush Mhatre and Dewald Brevis. He emphasized the importance of giving youngsters opportunities to develop and secure their futures with the franchise.

"It's a great opportunity for some guys to get a chance to play in the IPL. Hopefully, they can grab their chances and shore up their spot in the squad for the next few years," Hussey said. "A few wins and a few players who have taken their opportunities — that would be fantastic by the end of the season."

Stay updated on IPL 2025 with India Today! Get match schedules, team squads, live score, and the latest IPL points table for CSK, MI, RCB, KKR, SRH, LSG, DC, GT, PBKS, and RR. Plus, keep track of the top contenders for the IPL Orange Cap and Purple Cap. Don't miss a moment!

Virat Kohli, Anushka Sharma Fans SHOCKED As He Likes

Avneet Kaus's

Bold Photo, Unlikes It Later

Virat Kohli and Anushka Sharma are one of the most adorable couples in Bollywood. They have always impressed fans with their chemistry. However, he has recently sparked a social media stir after he liked a series of bold photos posted of Anveet Kaur. Fans were quick to notice Kohli's activity on Instagram. But later he disliked it too.Avneet Kaur had shared a series of photos on April 30 on her Instagram handle. She is seen wearing a green colour sexy top paired with a short skirt. Fans have also reacted to the photos and dropped heart emojis. But it was Virat Kohli's liking of the photos shared on a fan page that grabbed attention. One of the fans wrote, "Kohli saab what is this behaviour?" Another wrote, "Akaay beta papa ko phone do."

Virat shared a heartfelt note for his wife Anushka Sharma alongside a cozy picture from the party. "To my best friend, my life partner, my safe space, my best half, my everything… We love you so much more every day. Happy birthday my love," he wrote, and the post quickly took over the internet.Virat and Anushka tied the knot in December 2017 and are parents to two children, daughter Vamika, born in 2021, and son Akaay, born in 2024. The couple, known for keeping their family moments private, often give fans glimpses of their bond during such special occasions. Anushka was last seen in Zero in 2018 and had a brief cameo in the 2020 film Qala, where she played a retro film star.

Avneet Kaur, known for her roles in Chandra Nandini, Aladdin – Naam Toh Suna Hoga, Mardaani, and Tiku Weds Sheru, is also loved for her take on fashion. The actress keeps captivating minds with each of her public appearances. Meanwhile, on the work front, Avneet Kaur will soon be seen in Love in Vietnam. She also has a Hollywood project lined up. The actress will be seen in Mission: Impossible – The Final Recording.

Sonakshi Sinha

Celebrates 1 Year Of Heeramandi With Priceless BTS Moments

Sanjay Leela Bhansali's Netflix project, Heeramandi: The Diamond Bazaar, clocked one year on Thursday, April 1. The series featured Manisha Koirala, Aditi Rao Hydari, Sonakshi Sinha, Richa Chadha, and Sharmin Segal in lead roles and received an overwhelming response from audiences and critics. Now, actress Sonakshi Sinha is celebrating the one-year anniversary of the show. To commemorate the occasion, the diva treated fans with

a set of BTS pictures from the Heeramandi set.

In the caption, Sonakshi talked about her Heeramandi character Fareedan and thanked fans for "embracing her story". She wrote, "Fareedan's intensity came from a place of profound hurt in #Heeramandi. Understanding the 'why' behind her actions was key. It wasn't just about anger, but about seeking justice and getting back what was lost. Knowing the audience connected with Fareedan's complexities, strength, and vulnerabilities means a lot to me. Thank you for embracing her story."

Earlier, Netflix also dropped a clip compilation of the Heeramandi cast to celebrate the one-year anniversary of the show. The video, shared on Netflix's Instagram handle, began with Aditi Rao Hydari's famous gajgamini walk that became a rage last year. Further, it showed glimpses of Richa Chadha, Sonakshi Sinha, Sharmin Segal and Manisha Koirala. The clip also mentioned that the series trended in about 33 countries and was one of the most searched shows on Google. It also boasted of the internet frenzy Heermandi created, with several influencers and brands mentioning the series.

The video concluded with a note saying, 'Thank you all for the love." The side note read, "Ek saal baad bhi, humein deewana bana rakha hai...Celebrating 1 year of Heeramandi: The Diamond Bazaar."

Heeramandi Season 2 is reportedly in the works. Revealing the plot planned for the upcoming season, Sanjay Leela Bhansali told Variety, "In Heeramandi 2, the women now come from Lahore to the film world. They leave Lahore after the partition and most of them settle in the Mumbai film industry or Kolkata film industry. So that journey in the bazaar remains the same. They still have to dance and sing, but this time for the producers and not for the nawabs. So that's the second season we are planning, let's see where it goes."Set against the backdrop of India's fight for independence, the Netflix series explores the lives of courtesans in Lahore's Heeramandi neighbourhood as they deal with adversity and conflicts with the British government.

Esha Deol Wedding Anniversary Post For Dharmendra-Hema Malini Is Everything

Bollywood's one of the most iconic couples, Dharmendra and Hema Malini, are celebrating their 45th wedding anniversary today (May 2). To mark this special occasion, their daughter Esha Deol took to social media to wish her parents. Esha shared an emotional post on Instagram and wrote, "Happy Anniversary, Mamma & Papa. You are my world. Love you."Esha posted a throwback photo of her parents, looking into each other's eyes and smiling warmly.

The actress also uploaded an adorable family photo, where Dharmendra and Hema Malini were seen sitting side by side. The duo was joined by their daughters, Esha and Ahana.Hema Malini was seen wearing a cream-coloured silk saree with bright pink borders, while Dharmendra was dressed up in a cream shirt and grey pants.

Their daughters, Esha and Ahana, both opted for ethnic suits. While Ahana wore an emerald-green embroidered salwar suit, Esha donned a bright pink kurti.

The post received immense love from the fans. "Happy Anniversary to the best jodi in Bollywood," one fan wrote. "Cheers to an everlasting love across lifetimes," another fan commented. "To the two beautiful souls who never gave up on each other. God bless you, Hema ma'am and Daram sir. My favourite couple," someone else wrote.Dharmendra and Hema Malini first met during the shooting of 'Tum Haseen Main Jawan' in 1970. During this time, Dharmendra was already married to Prakash Kaur, and the couple shared four kids.

But against all odds, Dharmendra and Hema Malini fell in love and got married in 1980. The duo share two daughters, Ahana and Esha Deol.

On the work front, the veteran actor was last seen in a romantic comedy movie titled 'Teri Baaton Mein Aisa Uljha Jiya.' The film was headlined by Shahid Kapoor and Kriti Sanon. Dharmendra will next appear in Sriram Raghavan's upcoming movie Ikkis. On the other hand, Hema Malini is currently serving as a member of parliament, representing the Mathura constituency. She last appeared in the 2020 film Shimla Mirchi.

Nia Sharma Stuns In Red Hot Mini Dress With Rose Detailing

Television diva Nia Sharma once again turned heads and stole the spotlight with her sizzling fashion choice, as she stepped out in Mumbai in a fiery red mini dress that left fans and onlookers stunned. Captured by celebrity photographer Viral Bhayani, the video of the actress have since gone viral across social media platforms, sparking admiration for her bold and confident fashion statement.Nia was seen rocking a strappy, body-hugging red dress featuring intricate rose detailing along the hem — a design choice that perfectly blended elegance with edginess. She paired the outfit with minimal accessories: large hoop earrings, layered gold chokers, and her signature voluminous curls flowing freely, creating the ultimate glamour-girl vibe.

Television diva Nia Sharma once again turned heads and stole the spotlight with her sizzling fashion choice, as she stepped out in Mumbai in a fiery red mini dress that left fans and onlookers stunned. Captured by celebrity photographer Viral Bhayani, the video of the actress have since gone viral across social media platforms, sparking admiration for her bold and confident fashion statement.

Nia was seen rocking a strappy, body-hugging red dress featuring intricate rose detailing along the hem — a design choice that perfectly blended elegance with edginess. She paired the outfit with minimal accessories: large hoop earrings, layered gold chokers, and her signature voluminous curls flowing freely, creating the ultimate glamour-girl vibe.

While Nia waved at fans and paparazzi with her usual charm and radiant smile, the crowd around her couldn't help but take notice. Her outfit and presence brought a splash of fiery confidence to an otherwise regular day — a reminder of her fashion-forward sensibility that always manages to make headlines.Known for breaking stereotypes and embracing daring style choices, Nia Sharma has long been a red carpet risk-taker. Whether it's her unconventional silhouettes or unapologetic attitude toward fashion, she consistently stands out from the crowd.

Last year, Nia Sharma completed 14 years in the television industry. The actress turned to her Instagram to post photos from her joyous celebration. In the first photo, Nia was seen holding a special cake on which a picture of Nia was displayed with the words '14 Years of Nia Sharma'. In the background, the room was beautifully decorated to celebrate Nia's memory.

Nia Sharma made her television debut in 2010 with the show Kaali-Ek Agnipariksha. Later, she received widespread recognition for her role in Ek Hazaaron Mein Meri Behna Hai.